बैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 14 मई 2024
वर्ष 2, अंक 263, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर | एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

भारी बर्फबारी बन सकती है भूकंप का कारण 16

वेब सीरीज स्टारडम में नजर आएंगे शाहरुख 15

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी का निधन

पटना, एजेंसी

- छह माह से कैंसर से थे पीड़ित, 13 साल बिहार के डिप्टी सीएम रहे

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का सोमवार रात निधन हो गया। भाजपा की बिहार इकाई ने यह जानकारी दी। सुशील मोदी कैंसर से पीड़ित थे। भाजपा की बिहार इकाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी के निधन से भाजपा परिवार अत्यंत दुखी है।

मोदी ने खुद 3 अप्रैल को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर बताया था कि वह पिछले 6 माह से कैंसर से संघर्ष कर रहे हैं। मोदी के सचिव शैलेंद्र कुमार ओझा ने बताया कि मोदी का पटना में गंगा तट पर अंतिम संस्कार होगा। 5 जनवरी 1952 को पटना में जन्मे सुशील कुमार मोदी साढ़े तीन दशक से बिहार की राजनीति पर छाए रहे। वे करीब 13 वर्षों तक बिहार के उपमुख्यमंत्री भी रहे।

10वीं में 93.60 और 12वीं में 87.98 प्रतिशत बच्चे उत्तीर्ण, सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों को मिलेगा मेरिट प्रमाण पत्र

सीबीएसई के नतीजे घोषित : शिखर पर फिर छात्राएं

- दोनों ही कक्षाओं में त्रिवेंद्रम रीजन का सबसे अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में लड़कियों ने परचम लहराया। सीबीएसई की ओर से सोमवार घोषित किए गए नतीजों के अनुसार 10वीं की परीक्षा में 94.75 प्रतिशत छात्राएं जबकि 12वीं की परीक्षा में 91.52 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि 12वीं की परीक्षा में 85.12 प्रतिशत और 10वीं की परीक्षा में 92.72 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं।

बोर्ड ने पहले 12वीं के नतीजे घोषित किए और उसके करीब एक घंटे बाद अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम भी जारी कर दिए। इस बार सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षा में जहां 87.98 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं 10वीं की परीक्षा में 93.60 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। इस बार सीबीएसई सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र जारी करेगा। ऐसे छात्रों को उनका सीबीएसई मेरिट सर्टिफिकेट उनके डिजिलॉकर अकाउंट में मिल जाएगा।

इस वर्ष 10वीं की परीक्षा में कुल 22,38,827 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 20,95,467 उत्तीर्ण हुए हैं। सफल विद्यार्थियों का प्रतिशत 93.60 रहा है, जो पिछले साल से 0.48 प्रतिशत अधिक है। वहीं, इस बार 12वीं में 87.98 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल 0.65 प्रतिशत अधिक सफल हुए हैं। लड़कों की तुलना में लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 6.40 प्रतिशत अधिक है। सीबीएसई की 12वीं के नतीजे में 99.91 प्रतिशत के साथ त्रिवेन्द्रम एक बार फिर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बना है। वहीं, प्रयागराज का परिणाम 78.25 प्रतिशत के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा है।

वहीं, 10वीं कक्षा में भी त्रिवेंद्रम रीजन का नतीजा 99.75 प्रतिशत के साथ सर्वश्रेष्ठ रहा है। दूसरे नंबर पर 99.60 प्रतिशत के साथ के साथ विजयवाड़ा क्षेत्र है। तीसरे नंबर पर 99.30 प्रतिशत के साथ चेन्नई क्षेत्र है। सबसे खराब नतीजा गुवाहाटी क्षेत्र का 77.94 प्रतिशत है।

दिल्ली क्षेत्र में 2,95,792 छात्रों ने 12वीं की परीक्षा दी थी और 2,80,925 छात्र सफल हुए हैं। दिल्ली में 94.97 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं।

पूरक परीक्षा 15 जुलाई से शुरू होंगी

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षा 15 जुलाई को शुरू होगी। बोर्ड के अधिकारियों ने सोमवार को यह घोषणा की। अधिकारियों ने बताया कि इस साल 10वीं कक्षा में 1.32 लाख विद्यार्थियों को और 12वीं कक्षा में 1.22 लाख विद्यार्थियों को पूरक परीक्षा की श्रेणी में रखा गया है।

10वीं में सबसे अधिक नंबर गणित में मिले 12वीं में चित्रकला में

सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में 11 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं जबकि 12वीं कक्षा में छात्रों ने सबसे अधिक यह उपलब्धि चित्रकला विषय में हासिल की है। आंकड़ों के मुताबिक 10वीं कक्षा में 11,253 छात्रों ने गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। इसके बाद संस्कृत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का स्थान है जिनमें क्रमश: 6700 और 6,269 विद्यार्थियों ने यह कारनामा कर दिखाया। 12वीं कक्षा में 10,402 विद्यार्थियों ने चित्रकला में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।

प्रदेश में लोकसभा की 13 सीटों पर हुआ शांतिपूर्ण मतदान

चौथे चरण में 58.09% वोटिंग

- खीरी में सबसे ज्यादा 64.73, कानपुर में सबसे कम 53.06 प्रतिशत वोटिंग
- शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा सीट पर 53.31 प्रतिशत मतदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में चौथे चरण की 13 सीटों पर शाम छह बजे तक औसत 58.09 प्रतिशत मतदान हुआ। खीरी में सबसे ज्यादा 64.73 प्रतिशत व कानपुर में सबसे कम 53.06 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा सीट पर 53.31 प्रतिशत मतदान हुआ। छिटपुट घटनाओं के बीच सभी सीटों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि शाम छह बजे तक शाहजहांपुर (अजा) सीट पर 53.24 प्रतिशत, धौरहरा में 64.45 प्रतिशत, सीतापुर में 61.91 प्रतिशत, हरदोई (अजा) में 57.57 प्रतिशत, मिश्रिख (अजा) में 55.79 प्रतिशत, उन्नाव में 55.44 प्रतिशत, फर्रुखाबाद में 58.97 प्रतिशत, इटावा (अजा) में 56.38 प्रतिशत, कन्नौज में 61 प्रतिशत, अकबरपुर में 57.66 प्रतिशत व बहराइच (अजा) में 57.45 प्रतिशत मतदान हुआ।

उन्होंने बताया कि मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र व निष्पक्ष रखे जाने व प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए कुल 14,126 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी व भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। इसके अलावा 5420 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी।

पोस्टल बैलेट मतदान के लिए अर्ह श्रेणियों (85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवार्य सेवाएं व मतदान कार्मिक) में 35,045 मतदाताओं ने मतदान किया।

दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में कैद

इस चरण में कई दिग्गज नेताओं समेत 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, जबकि शाहजहांपुर की ददरौल सीट पर 10 प्रत्याशी मैदान में रहे। दिग्गज प्रत्याशियों में कन्नौज सीट से सपा प्रमुख अखिलेश यादव, खीरी से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी, भाजपा सांसद साक्षी महाराज, सपा से अन्नू टंडन आदि शामिल हैं।

10 राज्यों की 96 सीटों पर 63 प्रतिशत वोटिंग

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों के लिए करीब 63 प्रतिशत मतदान हुआ। तेलंगाना की सभी 17 लोकसभा सीट, आंध्र प्रदेश की 25, उत्तर प्रदेश की 13, बिहार की पांच, झारखंड की चार, मध्य प्रदेश की आठ, महाराष्ट्र की 11, ओडिशा की चार, पश्चिम बंगाल की आठ और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर मतदान हुआ।

वोट डालने के बाद प्रसन्न मुद्रा में अजय मिश्र टेनी।

मतदान के दौरान आईं 150 शिकायतें

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी सीटों पर 150 शिकायतें मिलीं। इनमें ईवीएम खराब होने, फर्जी मतदान होने आदि शामिल हैं। जांच कराने पर शिकायतें सही नहीं पाई गईं। सबसे ज्यादा शिकायतें कन्नौज व सबसे कम खीरी से दर्ज हुईं। मॉक पोल के दौरान कुल 131 बैलेट यूनिट, 210 कंट्रोल यूनिट व 286 वीवीपैट बदले गए व मतदान शुरू होने के बाद शाम छह बजे तक कुल 53 बैलेट यूनिट, 53 कंट्रोल यूनिट व 201 वीवीपैट बदले गए। ददरौल में मॉक पोल के दौरान दो बैलेट यूनिट, तीन कंट्रोल यूनिट व पांच वीवीपैट बदले गए। मतदान शुरू होने के बाद एक बैलेट यूनिट, एक कंट्रोल यूनिट व तीन वीवीपैट बदले गए। शिकायतें आने पर समय पर ईवीएम को बदला गया।

ईवीएम की सुरक्षा अर्द्ध सैनिक बलों को

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई थी। ईवीएम के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है।

राहुल वोट मांगते हैं रायबरेली से, समर्थन पाते हैं पाकिस्तान से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने पूछा-आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं
- गाय हमारी माता है, इसे काटोगे तो हो जाएगा दो-दो हाथ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भाजपा प्रत्याशियों के लिए बाराबंकी, रायबरेली और बांदा लोकसभा सीटों के लिए जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौथे चरण के मतदान के साथ ही मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है। कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि राहुल भले ही वोट रायबरेली से मांगते हैं मगर उन्हें समर्थन पाकिस्तान से मिल रहा है। योगी ने सवाल उठाया कि आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं।

कांग्रेस को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय हमारी माता है, अगर इसे काटोगे तो दो-दो हाथ तय है। बाराबंकी के हैदरगढ़ में योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा का इतिहास घोटालों का रहा है। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी राजरानी रावत के लिए वोट की अपील की। रायबरेली के सरेनी में मुख्यमंत्री ने पार्टी प्रत्याशी और मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के पक्ष में मतदान की अपील की।

पाकिस्तान में एक किलो आटे को मारामारी

बांदा लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते योगी ने कहा कि देश में 80 करोड़ जरुरतमंदों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। वहीं, आज एक अखबार में छपा है कि पाकिस्तान में एक किलो आटे के लिए मारपीट हो रही है। वहां दंगे हो रहे हैं। बोले कि पीओके में लोग भारत का हिस्सा बनने को आंदोलित हैं क्योंकि उनका मोदी की गारंटी पर विश्वास है।

एक नजर

अप्रैल में खुदरा महंगाई घटकर 4.83 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। रसोई में इस्तेमाल होने वाली कई वस्तुओं के दाम घटने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति मामूली घटकर 4.83 प्रतिशत पर आ गई। सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सीपीआई पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में 4.85 प्रतिशत के स्तर पर थी।

केजरीवाल को पद से हटाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धन शोधन के एक मामले में ईडी की ओर से गिरफ्तार अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने का निर्देश देने की मांग वाली एक याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि ऐसी मांग करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

फूलों की बारिश के बीच निकला मोदी का भव्य रोड शो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नामांकन से पहले वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में उमड़ी भीड़
- शहनाई की धुन, शंख की गूंज के बीच हर-हर महादेव का होता रहा उद्घोष

अमृत विचार : मानो कोई भव्य बरात हो और उसमें अधिकांश काशीवासी शामिल हों। इस दौरान बुजुर्ग, युवा, महिलाओं और बच्चों का उत्साह देखते बना। मौका था नामांकन से पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य रोड शो का। वाराणसी के इस रोड शो में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। फूलों की बारिश के बीच मोदी खुले वाहन में सवार होकर वाराणसी की सड़कों पर निकले और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

मोदी के रोड शो का संचालन महिलाएं करतीं दिखीं। लगभग पांच हजार से ज्यादा महिलाएं उनके स्वागत के लिए आगे आगे चल रही थीं। मुस्लिम महिलाएं भी मोदी के स्वागत को आगे आईं। महिला, पुरुष दोनों नरेन्द्र मोदी के स्वागत के लिए फूल माला लेकर उनका इंतजार करते रहे। प्रधानमंत्री के साथ वाहन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहे।

रोड शो के रास्तों पर हर तरफ शंख और शहनाई गूंज रही थी। हर-हर महादेव का उद्घोष भी हो रहा था। रोड शो को देखने के लिए छोटे-छोटे बच्चे भी सड़क किनारे खड़े दिखे। हर तरफ दृश्य भगवामय था। गोदौलिया चौराहे पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। यादव समाज की ओर से कलाकारों ने मयूर नृत्य की प्रस्तुति दी। मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने का दावा करने वाली हिमांगी सखी भी रोड शो में पहुंचीं।

रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी।

प्रधानमंत्री आज करेंगे नामांकन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को वाराणसी संसदीय सीट से तीसरी बार नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा शासित और गठबंधन वाले 12 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। एनडीए के प्रमुख घटक रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर समेत अन्य केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। सुबह करीब 9 बजे मोदी दशास्वमेध घाट पर गंगा को नमन करेंगे फिर उनका क्रूज़ से नमो घाट तक जाना भी प्रस्तावित है। यहां से काल भैरव मंदिर जाएंगे फिर वहां से नामांकन करने कलेक्ट्रेट जाएंगे।

लखनऊ के 8 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

सभी स्कूलों को एक ही समय भेजा गया धमकी भरा ई-मेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी के आठ स्कूलों को सोमवार सुबह ई-मेल कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई। प्रधानाचार्यों ने आनन-फानन पुलिस को सूचना देकर स्कूलों में छुट्टी कर दी। अभिभावकों को सूचना देकर बच्चों को कमरों से बाहर निकालकर खुले मैदान में लाया गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने सवा घंटे तक स्कूलों में छानबीन की लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस मामले में कमिश्नरेट पुलिस के अलावा, साइबर क्राइम टीम, एटीएस और एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है।

गोमतीनगर के विरामखंड स्थित विबग्योर स्कूल, पीजीआई के एलपीएस, आलमबाग एलपीएस, विभूतिखंड के विकल्प खंड स्थित सेंट मैरी इंटर कॉलेज, विराज खंड स्थित जागरण पब्लिक स्कूल, सैनिक स्कूल सरोजनीनगर, पायनियर स्कूल जानकीपुरम और सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के जीडी गोयनका स्कूल को सोमवार सुबह एक ही तरह के मेल भेजे गए थे। राजधानी के पांच स्कूलों में धमकी भरा मेल मिलने के बाद खुफिया विभाग अलर्ट हो गया।

लोकसभा चुनाव के बीच इस तरह के धमकी भरे मेल आने से शासन ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है।

> सूचना मिलने के बाद सभी स्थानों पर सर्च अभियान चलाया गया। लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। मेल के आईपी एड्रेस का पता लगाया जा रहा है। साइबर क्राइम सेल, एटीएस, एसटीएफ की मदद ली जा रही है।
>
> – प्रबल प्रताप सिंह, डीसीपी पूर्वी

जयपुर के 50 से अधिक स्कूलों में भी बम विस्फोट की धमकी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर के 50 से अधिक स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिये मिली। इससे दोपहर तक पुलिस प्रशासन व अभिभावकों में हड़कंप की स्थिति मची रही। हालांकि, पुलिस के अनुसार जांच में कहीं से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। शहर के स्कूलों को यह धमकी जयपुर में सिलसिलेवार बम धमाकों की 16वीं बरसी पर दी गई।

राहुल बोले- अब जल्दी करनी पड़ेगी शादी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रायबरेली की रैली में एक समर्थक के सवाल पर दिया जवाब

अमृत विचार : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अब उन्हें जल्दी शादी करनी पड़ेगी। सोमवार को रायबरेली में आयोजित जनसभा में एक समर्थक के सवाल पर उन्होंने यह जवाब दिया।

रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन करने के बाद वह सोमवार को पहली बार महराजगंज स्थित मेला मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें इस सवाल का सामना करना पड़ा। राहुल गांधी ने सभा में अपने संबोधन के समापन के समय अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा को बुलाया और उनके कंधे पर हाथ रखते हुए रायबरेली में चुनाव प्रचार के लिए उनकी सराहना की। इस दौरान प्रियंका गांधी ने सामने की ओर इशारा करते हुए कहा कि राहुल पहले समर्थक के सवाल का जवाब दें। समर्थक का सवाल है कि वह शादी कब कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि अब जल्दी ही करनी पड़ेगी।

दिल्ली सीएम हाउस में स्वाति मालीवाल से अभद्रता

नई दिल्ली : दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी स्टाफ के एक सदस्य द्वारा उन पर हमला किए जाने का आरोप लगाया। मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस थाने पहुंचीं और यह आरोप लगाया। पुलिस को अब तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एमके. मीणा ने बताया कि सुबह 9:34 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल आया जिसमें महिला ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में उनपर हमला हुआ है।

मां-बाप की सीट कैसी, क्या इटली से लेकर आए थे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अमित शाह ने एक इंटरव्यू में राहुल गांधी और रायबरेली सीट पर दी प्रतिक्रिया
- बोले, सीट किसी की नहीं होती, जनता चुनती है अपना जनप्रतिनिधि

अमृत विचार : गृहमंत्री अमित शाह का कहना है कि मां की सीट, बाप की सीट कहने की गांधी परिवार ने मीडिया को आदत डाल दी है। मां की सीट कैसे हो सकती है, इटली से लेकर आए थे क्या? कोई सीट किसी की नहीं होती है। जनता तय करती है कि उनका जनप्रतिनिधि कौन होगा।

अमित शाह सोमवार को एक न्यूज चैनल से साक्षात्कार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वायनाड के अलावा रायबरेली सीट से लोस चुनाव लड़ने के एक सवाल पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि, दो जगह से चुनाव तो लड़ सकते हैं, लेकिन राहुल ने हार के भय से वायनाड के साथ रायबरेली चुना। यह अच्छी बात नहीं है। पारदर्शिता रखनी चाहिए।

आरक्षण को लेकर अमित शाह ने कहा कि फेक वीडियो क्यों बनाना पड़ा। वह लोग आत्मविश्वास खो चुके हैं। जहां तक आरक्षण का सवाल है। हमारे पास दस साल से पूर्ण बहुमत है। हमने इसका इस्तेमाल आरक्षण हटाने के लिए नहीं किया। धारा 370 हटाने, ट्रिपल तलाक हटाने, राम मंदिर बनाने के लिए पूर्ण बहुमत का इस्तेमाल किया है। आरक्षण पर आघात इन लोगों ने ही किया है। हमने कोई भेद करने वाला काम नहीं किया है।

2029 तक मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिटायरमेंट को लेकर की गई अरविंद केजरीवाल की टिप्पणी पर अमित शाह ने कहा, फिर स्पष्ट कर देता हूं, 2029 तक मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे और 29 के बाद भी वे ही हमारी पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

केजरीवाल को फिर तिहाड़ जाना है

अरविंद केजरीवाल पर ही अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अमित शाह ने कहा, केजरीवाल की याचिका थी कि मैं दोषमुक्त हूं मुझे रिहा कर दीजिए। सुप्रीम कोर्ट ने इसे नहीं माना, फिर उन्होंने याचिका को मोडिफाई किया और कहा कि हमें बेल दे दीजिए वो भी कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया। उसके बाद फिर से याचिका संशोधित की गई और कहा कि चुनाव प्रचार के लिए हमें अंतरिम बेल दीजिए जिसे सुप्रीम कोर्ट ने माना और एक तारीख तक के लिए अंतरिम बेल दी है, दो तारीख को उन्हें फिर से तिहाड़ जाना है।

बर्रा थाने के अंदर पुलिस से विरोध जताते भाजपा नेता और कार्यकर्ता। अमृत विचार

थाने के बाहर भी भाजपाइयों ने हंगामा किया। अमृत विचार

भाजपा-गठबंधन कार्यकर्ताओं में पथराव, थाने में हंगामा

भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाया पीएम व सीएम पर अभद्र टिप्पणी का आरोप, गिरफ्तारी की मांग को लेकर भाजपाई धरने पर बैठे, तीन हिरासत में

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोमवार को मतदान खत्म होते ही बर्रा दो यादव मार्केट में पीएम मोदी व सीएम पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए भाजपा व इंडी गठबंधन कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई, इस दौरान पथराव होने से भाजपा कार्यकर्ता व उसका पुत्र घायल हो गया। हंगामें की सूचना पर बर्रा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। भाजपाईयों पर हमले की जानकारी पर सैकड़ों कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और चौकी प्रभारी पर आरोपियों को भगाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। वीडियो बनाने पर भाजपाईयों की पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। कुछ देर बाद भाजपाई चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई व आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए धरने पर बैठ कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामें की सूचना पर एडीसीपी साउथ, नौबस्ता सर्किल का फोर्स समेत दो कंपनी पीएसी पहुंची।

बवाल बढ़ता देख पीएसी बुला ली गई। अमृत विचार

- दो लोग हुए घायल, दो कंपनी पीएसी समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा

छेदी सिंह का पुरवा निवासी भाजपा कार्यकर्ता संजय पासवान ने बताया कि बर्रा दो स्थित आरएस एजुकेशन सेंटर में पोलिंग बूथ बना था। बूथ से 100 मीटर भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी व इंडी गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा का बस्ता लगा हुआ था। संजय ने बताया कि मतदान खत्म होने के बाद पूरे वोटो की जानकारी कर साथियों संग चर्चा कर रहे थे, इसी दौरान गठबंधन कार्यकर्ता आजाद कुटिया निवासी गुड्डु यादव, संजीव मिश्रा, विनोद यादव, सुशील यादव, बब्लू यादव व दो अन्य अज्ञात लोग आए और प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने लगे। विरोध करने आरोपियों ने हाथापाई कर पथराव कर दिया, जिससे संजय व उनका पुत्र मयंक घायल हो गए। हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंची बर्रा पुलिस गुड्डु, अमित व अमन को हिरासत में लेकर थाने पहुंची। भाजपा कार्यकर्ताओं संग मारपीट की सूचना पर किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी, दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बर्रा चौकी प्रभारी दीपक गोस्वामी पर मौके से आरोपियों को भगाने का आरोप लगाते हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे का वीडियो बनाने पर भाजपाईयों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का मुक्की की। पुलिस तहरीर लेकर पीड़ित को मेडिकल को भेजनी लगी तो भाजपाई चौकी प्रभारी पर कार्रवाई व फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ कर पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। हंगामा बढ़ता देख एडीसीपी साउथ अंकिता शर्मा, नौबस्ता सर्किल फोर्स व दो कंपनी पीएसी मौके पर पहुंची। एडीसीपी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर भाजपाईयों को शांत कराया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

मतदान केंद्र के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं का हंगामा

बर्रा छह स्थित मैपल वुड स्कूल में बने मतदान केंद्र में एसएसबी जवान के भाजपा कार्यकर्ता को बाहर निकालने पर बाहर खड़े भाजपाइयों ने हंगामा शुरु कर दिया। जिला कार्यसमिति सदस्य राजीव त्रिवेदी ने बताया कि स्कूल में अंदर मौजूद पोलिंग एजेंट से बाहर बुलाकर वोटिंग प्रतिशत पूछा जा रहा था। एसएसबी के सिपाही ने मंडल अध्यक्ष सुमित पावा को धक्का दे दिया। मौके पर पहुंची बर्रा पुलिस ने लोगों को शांत कराया।

दीपू पांडेय से बहस करता दरोगा सूरज कुमार। अमृत विचार

पटका उतरवाने पर दरोगा से भिड़े भाजपा जिलाध्यक्ष

कानपुर। नवीन नगर स्थित कानपुर पब्लिक इंटर कॉलेज में भाजपा जिला अध्यक्ष दीपू पांडे की वहां तैनात दरोगा से बहस हो गई। मतदान करने पहुंचे जिलाध्यक्ष से दरोगा ने जय श्रीराम लिखा पटका उतारने को कहा इस पर जिला अध्यक्ष की दरोगा की बहस हो गई। दीपू पांडे का कहना है कि वोट डालने के बाद दरोगा उनकी पत्नी से बदतमीजी करने लगा। उन्होंने मामले में शिकायत ज्वाइंट सीपी से की है। वहीं, मतदान में उपस्थित लोगों के मुताबिक, दरोगा सूरज कुमार सुबह से आने वाले मतदाताओं से अभद्र व्यवहार कर रहा था। हालांकि, दीपू पांडेय के बिगड़ने के बाद दरोगा के सुर धीमे पड़ गये और उसने सॉरी भी कहा, इस पर दीपू पांडेय ने कहा कि सॉरी का क्या करें, मुझे गिरफ्तार करो, बात बढ़ता देख दरोगा वहां से हट गये।

लुधौरा में भिड़े दो दलों के समर्थक

बिधनू। हाजीपुर लुधौरा गांव में भाजपा समर्थक दिव्यांग रामबहादुर राजपूत (50) मतदान करने के बाद पोलिंग बूथ के बाहर आया, जहां गांव के ही दूसरे दल के समर्थकों से उसकी चुनावी बहस शुरू हो गई। मामला बढ़ने पर दूसरे दल के समर्थकों ने उसे गालीगलौज कर पीटना शुरू कर दिया। दिव्यांग भागने लगा तो उसे दौड़ा लिया। उसके गिरने पर एक व्यक्ति ने उसके पैर में बल्ली मार दी, जिससे वह लहूलुहान हो गया। इसका सोशल मीडिया में वीडियो भी वायरल हो गया। पथराव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को बिधनू सीएचसी में भर्ती कराने के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर ने घायल को हैलट रेफर कर दिया। बिधनू थाना प्रभारी प्रेमचंद्र कनौजिया ने बताया कि चुनाव को लेकर मारपीट नहीं हुई है।

फटकार के बाद बनाई गई शिकायत निस्तारण रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दोपहर 12 बजे तक कोई डाटा उपलब्ध नहीं था

अमृत विचार। कंट्रोल रूम में शिकायतों के निस्तारण को लेकर दोपहर 12 बजे तक कोई डाटा उपलब्ध नहीं था। इस पर मंडलायुक्त अमित गुप्ता ने नाराजगी जाहिर करते हुए अफसरों को फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कंट्रोल रूम में आई शिकायतें और उसके निस्तारण का लेखाजोखा ही 12 बजे तक नोडल प्रभारी के पास नहीं है। कब कितनी शिकायतें आईं, कितनी शिकायतों का निस्तारण हुआ। अधिकारियों के पास यह जानकारी ही नहीं है।

मंडलायुक्त ने कंट्रोल रूम में अधिकारियों को फटकारने के बाद सीडीओ और उप जिला निर्वाचन अधिकारी से नाराजगी जाहिर की। साथ ही जल्द पूरी लिस्ट बनाने का आदेश दिया। इसके बाद कंट्रोल रूम के अधिकारी हरकत में आए। एक घंटे में सभी शिकायतों और समाधान का डाटा तैयार किया गया।

रिजर्व ईवीएम वेयर हाउस में जमा कराने के निर्देश

उप जिला निर्वाचन अधिकानी ने मतदान का समय समाप्त होने से पहले कंट्रोल रूम से सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिजर्व ईवीएम या वह मशीन जिनमें एक भी मत नहीं पड़े हैं। उन मशीनों को पोलिंग पार्टियां व पीठासीन अधिकारी नौबस्ता स्थित गल्ला मंडी के स्ट्रांग रूम में न जमा कराएं। इन मशीनों को सरसैयाघाट स्थित वेयर हाउस में जमा कराया जाएगा। मामले में गंभीरता बरती जाए।

मतदान अधिकारी बीमार

जाजमऊ में डीटीएस इंटर कॉलेज में तैनात मतदान अधिकारी अशोक कुमार सचान की तबियत बिगड़ गई। वह बेहोश हो गए। इस पर मौजूद कार्मिकों ने अधिकारियों को सूचना दी और 108 एंबुलेंस से कांशीराम ट्रामा सेंटर भेजा गया। हालत में सुधार होने पर उन्होंने बताया खाना और पानी समय से नहीं लिया। गर्मी अधिक होने से चक्कर आ गया था।

बुजुर्गों की मदद की पुलिस ने।

व्हील चेयर से ले जाता सिपाही।

सुरक्षा के साथ सेवा भी की पुलिस ने

कानपुर। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस तत्पर रही। स्वरूपनगर थानाक्षेत्र के मतदान केंद्र बेनझाबर पर एक बुजुर्ग (उम्र 68 वर्ष) मतदान के लिए आए थे, बाद में उनकी तबियत खराब हो गई तो स्वरूपनगर पुलिस ने प्राथमिक उपचार दिलाकर सरकारी वाहन से उनको घर तक छोड़ा। अन्य थानों में भी पुलिस ने दिव्यांग, वरिष्ठ, बुजुर्ग मतदाताओं को व्हील चेयर से बूथ स्थल तक लाने ले जाने में सहायता कर मानवीय धर्म निभाया।

चमनगंज पहुंचा अमला तो भागे लोग

कानपुर। चमनगंज थानाक्षेत्र में स्थित मतदान केंद्र के बाहर 200 मीटर के भीतर लोग अनावश्यक रूप से खड़े थे। भीड़ के कारण मार्ग अवरुद्ध हो रहा था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, डीसीपी सेंट्रल आर एस गौतम, एडीसीपी सेंट्रल समेत अन्य अफसर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। फोर्स देखकर वहां पर भीड़ लगाए लोग भाग खड़े हुए। डीसीपी ने माइक से वहां खड़े लोगों को चेतावनी दी कि मतदान केंद्र के बाहर भीड़ न लगाएं।

चाचा-चाची, मामा और मामी को मतदान कराएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सुबह से शाम तक कार्यकर्ता मतदाताओं से करते दिखे वोट डालने की अपील
- मतदान दिवस पर घर-घर जाकर क्षेत्रवासियों को बुलाते रहे कार्यकर्ता

अमृत विचार। लोकतंत्र के पर्व में सोमवार सुबह जहां मतदाता काफी उत्साहित दिखे। वहीं, दोपहर होते ही महाराजपुर विधानसभा में प्रत्याशियों के समर्थक एक-एक वोट के लिए जूझते रहे। अपने पक्ष के मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक पहुंचाने के लिए प्रत्याशियों के समर्थक सुबह से शाम तक डटे रहे।

महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में राजैनितिक दल के प्रत्याशियों के समर्थकों ने सुबह के समय मतदाताओं को बुलाने के लिए जहां पहले घर-घर जाकर मतदाता पर्ची पहुंचाई। वहीं, अपनी गाड़ी से उनको बूथ तक भी ले गए। वोट डलवाने के बाद उनको वापस घर छोड़ने का भी काम किया। घर छोड़ते समय जानकारी भी लेते रहे कि पोलिंग बूथ के अंदर किसी भी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं हुई। मतदाता के इंकार करने पर अपने घर के अन्य सदस्यों और चाची-चाची, मामा-मामी, मौसा-मौसा, दादा-दादी व नानी-नानी आदि सभी लोगों से वोट डलवाने की अपील करते रहे। ताकि मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी हो सकी। वहीं, पोलिंग बूथ के बाहर बैठे समर्थक वोटों का भी गुणा भाग करते रहे। मतदाता सूची लिए बैठे लोग बूथ तक पहुंचने वाले अपने समर्थक व मतदाताओं के नाम के आगे पेन से निशान लगा रहे थे। पूछने पर जानकारी मिली कि जीत या हार का आंकड़ा तय करने में यह तरिका काफी कारगर रहता है।

जलाला गांव में चार घंटे बाद शुरू हुआ मतदान

संवाददाता, घाटमपुर

- हत्या का खुलासा न होने से नाराज थे लोग
- एसडीएम और एसीपी ने खुलासा का दिया भरोसा

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के जलाला गांव में 22 मार्च को शराब ठेके के सेल्समैन आनंद भदौरिया उर्फ राजा भदौरिया की हत्या का मामला सोमवार को मतदान के दौरान उठा। हत्या का अभी तक खुलासा न होने के नाराज ग्रामीणों ने एकमत होकर मतदान के बहिष्कार का निर्णय ले लिया। एसडीएम और एसीपी के वादे पर चार घंटे बाद मतदान शुरू हो सका।

लोकसभा का चुनवाव कराने के लिए रविवार शाम को ही पोलिंग पार्टियां पहुंच गई थीं। मतदान केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुबह सात बजे मतदान केंद्र में तैयारी पूरी थी। पीठासीन अधिकारी के साथ मतदान कार्मिक मतदाताओं के आने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन सुबह के 10 बज गए और एक भी मतदाता वोट डालने नहीं पहुंचा। पीठासीन अधिकारी की सूचना पर सेक्टर मजिस्ट्रेट ने प्रशासन को अवगत कराया।

जलाला के मतदान केंद्र में सुबह सन्नाटा पसरा रहा। अमृत विचार

दरअसल, गांव के यशकरण सिंह भदौरिया के पुत्र आनंद भदौरिया की 22 मार्च को हत्या कर दी गई थी, जिसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। इससे नाराज ग्रामीणों ने एकमत होकर मतदान का बहिष्कार कर दिया। सूचना मिलते ही एसडीएम यादुवेंद्र सिंह, एसीपी रंजीत कुमार सिंह ,तहसीलदार लक्ष्मीकांत वाजपेई, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह गांव पहुंचे और ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि एक सप्ताह के अंदर खुलासा कर हत्यारोपियों को जेल भेज दिया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों ने उनकी बात मानी। 11 बजे मतदान केंद्र में पहला वोट राजा भदौरिया के दादा जसवंत भदौरिया ने डाला और गांव वालों से भी वोट डालने की अपील की। इसके बाद वोट डालना शुरू हुआ।

प्रेषक ने देखी सेक्टर मजिस्ट्रेटों की लोकेशन

कानपुर। प्रेक्षक ने कंट्रोल में बैठकर सेक्टर, जोलन मजिस्ट्रेटों की लोकेशन चेक की। सुबह 11 .45 बजे दोनों प्रेक्षक कानपुर सीट की डी रत्ना और अकबरपुर की डा. कादंबरी कंट्रोल रूम पहुंची। दोनों प्रेक्षक ने वहीं से पेटिओ एप के जरिए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट की ऑनलाइन लोकेशन देखी। प्रेक्षक ने कंट्रोल रूम में लगी बड़ी स्क्रीन पर पेटिओ एप (ऑनलाइन ईवीएम ट्रेकिंग सिस्टम) के जरिए लाइव लोकेशन चेक की। मजिस्ट्रेटों के वाहन में लगे जीपीएस सिस्टम के माध्यम से उनकी लोकेशन के साथ वाहन की रफ्तार तक सामने आ गई।

ऑनलाइन लोकेशन से पता चला कि सीसामऊ विधानसभा के जोनल मजिस्ट्रेट की लोकेशन उनके विधानसभा की जगह हीरामन का पुरवा में है। वहीं कल्याणपुर विधानसभा के मजिस्ट्रेट की लोकेशन काकादेव इलाके में मिली। एक जोनल मजिस्ट्रेट दोपहर 12 बजे तक केवल चार किमी का ही सफर कर पाए थे।

708 बूथों पर क्यू आप्शन से हुआ मतदान

कानपुर। संसदीय सीटों पर मतदान समाप्ति का समय शाम छह बजे निर्धारित था। उससे पहले कंट्रोल रूम से सूचना प्रसारित हुई कि जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लाइन लगी हो, सिर्फ वहीं के पीठासीन अधिकारी मशीन में क्यू का आप्शन दबा दें। इस संदेश क बाद क्यू का आप्शन दबाने वालों की लंबी लिस्ट आ गई। कुल 708 केंद्रों पर आप्शन दबाया गया। जिसमें कानपुर सीट पर 282 और अकबरपुर में 426 ने क्यू का प्रयोग किया।

शाम करीब 5.30 बजे सरसैया घाट स्थित कंट्रोल रूम से यह संदेश मतदान केंद्रों को दिया गया। उसके बाद क्यू का बटन दबाने का सिलसिला शुरू हुआ। शाम छब बजे के बाद जब पूरा आंकड़ा सामने आया तो कंट्रोल रूम में मौजूद अधिकारी परेशान हो गए। कुल 708 का आंकड़ा देखकर अधिकारियों ने क्यू का आप्शन बंद करने के लिए कहना शुरू किया। वहीं कुछ लोगों ने जानकारी के अभाव में भी दबा दिया था। ऐसे लोगों को आप्शन बंद करने का तरीका कंट्रोल रूम से बताया गया। शाम 6.30 बजे के करीब जब जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार सिंह कंट्रोल रूम पहुंचे।

हाल-ए-घाटमपुर मतदान केंद्रों में सुबह से ही लगी रहीं लंबी कतारें, लोगों ने उत्साह से डाले वोट, मगर नहीं खोली जुबां

मतदाताओं की खामोशी ने बढ़ाई लोगों के दिलों की धड़कन

बृजेश श्रीवास्तव, कानपुर

अमृत विचारः अकबरपुर संसदीय क्षेत्र में शामिल घाटमपुर विधानसभा के मतदाताओं ने चौथे चरण के चुनाव में पूरे उत्साह के साथ मतदान किया, मगर उनकी खामोशी ने चुनावी गणितज्ञों की दिमागी कसरत बढ़ा दी है। यह दीगर बात है कि यहां भाजपा और इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्यासी के बीच मुकाबला दिखा, मगर बाजी कौन मारेगा? इसका जवाब चार जून को मतगणना के बाद ही मिल सकेगा।

मुरलीपुर गांव में परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे कैबिनेट मंत्री राकेश सचान।

घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने पति सत्यप्रकाश के साथ वोट डाला।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मोदी की लहर थी। इस बार के प्रत्याथी देवेंद्र सिंह भोले ही भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार थे। चुनाव प्रचार से लेकर मतदान वाले दिन तक उनकी जीत पक्की मानी जा रही थी, मगर इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी पूर्व सांसद राजाराम पाल ने इस बार कड़ी टक्कर दी है। घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र में राजाराम पाल की मजबूत पकड़ से उनकी स्थिति को कम नहीं आंका जा रहा है।

इस बार का चुनाव काफी खामोशी भरा रहा। लोगों के मन की बात जुबां के बाहर नहीं आई। चुनावी गणितज्ञ भी मानते हैं कि अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। वर्ष 2019 में अकबरपुर संसदीय क्षेत्र में कुल 60.50 फीसदी मतदान हुआ था, लेकिन इस बार 59.56 फीसदी पर ही सीमित रह गया। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने अपने गांव मुरलीपुर में परिवार के साथ मतदान किया। घाटमपुर विधायक सरोज कुरील व उनके पति सत्प्रकाश ने कस्बे के आदर्श मतदान केंद्र में वोट डाला।

अयोध्या में जय श्री राम, अकबरपुर में राजाराम

कानपुर। अकबरपुर लोकसभा चुनाव के मतदान के दौरान सोशल मीडिया पर दिन भर चुनावी चकल्लस चलती रही। मतदाताओं का रुख मोड़ने और उन्हें लुभाने के लिए तरह-तरह के स्लोगन और नारे सामने आते रहे। 'अयोध्या में जय श्री राम-अकबरपुर में राजाराम' का स्लोगन सबसे ज्यादा ट्रेंड करता रहा। इसे भितरघातियों की हवा भी मिली। इस स्लोगन में कुछ ऐसे वीडियो भी वायरल हुए, जिनमें नारे लगाने वाले भाजपाई बताए गए।

जीवित को मृत बता नहीं डालने दिया वोट

घाटमपुर। रेउना गांव लतीफ शाह पर्ची बनवाकर वोट डालने पोलिंग बूथ पर पहुंचा तो पीठासीन अधिकारी ने उसे मृत घोषित कर वोट डालने से रोक दिया। वह अपने को जिंदा साबित करने के लिए पर्ची की दुहाई देता रहा, लेकिन उसे बैरंग लौटा दिया गया। लतीफ का कहना है कि उसने पत्नी समेत अपने पूरे परिवार के सदस्यों के कागज बीएलओ को दिए थे।

कानपुर में 52.90 और अकबरपुर सीट पर 57.28 प्रतिशत मतदान

नगर में 2019 की तुलना में थोड़ा बढ़ा वोट प्रतिशत, स्ट्रांग रूम में ईवीएम जमा

लोकसभा चुनाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में शहर में धूप की परवाह किए बगैर मतदाता घरों से निकले और 2019 के मतदान प्रतिशत को पीछे छोड़ दिया। कानपुर सीट पर 52.90 व अकबरपुर में 57.28 प्रतिशत मतदान किया। 2019 के लोकसभा चुनाव में कानपुर सीट पर 51.62 और अकबरपुर में 58.13 प्रतिशत मतदान हुआ था। शाम छह बजे पोलिंग समाप्त होने के बाद ईवीएम लेकर गल्लामंडी स्ट्रांग रूम पहुंचे कर्मियों ने मशीनें जमा करने के लिए जमकर पसीना बहाया। लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

सोमवार सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के बाद लगभग हर विधानसभा में ईवीएम ने धोखा दिया। जिस कारण करीब दो घंटे मतदान रुक-रुककर हो सका। इसके बाद भी सुबह नौ बजे का मतदान प्रतिशत ठीक रहा। दोनों लोकसभा सीटों पर दहाई का प्रतिशत पहुंच गया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में कानपुर सीट पर 51.62 और अकबरपुर में 58.13 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिसकी तुलना में कानपुर सीट पर मतदान प्रतिशत बढ़ा है, जबकि अकबरपुर सीट पर एक प्रतिशत की कमी आई है।

वहीं शाम सात बजे के बाद पोलिंग पार्टियां ईवीएम जमा करने गल्लामंडी स्थित स्ट्रांग रूम में पहुंचने लगी। ईवीएम जमा करने के पहले मशीनों की सील, कागजात चेक किए गए। इसके बाद विधानसभा और बूथवार सूची तैयार कराकर मशीनों को जमा कराया जाने लगा। स्ट्रांग रूम के बाहर लंबी लाइन के कारण कर्मी काफी परेशान हुए। लाइन कुछ कम होती उससे पहले पीछे दोगुने कर्मियों की संख्या बढ़ जाती। ईवीएम जमा करने के लिए कर्मियों को घंटों मंडी में बिताना पड़ा।

महिलाओं ने भी दिखाया मतदान में जोश। अमृत विचार

- अकबरपुर सीट पर पिछली बार से घटा मतदान
- बसपा के प्रत्याशी के बस्ते तक नहीं लगे

कानपुर लोकसभा का समयवार मतदान प्रतिशत

कानपुर सीट

समय	गोविंदनगर	सीसामऊ	आर्यनगर	किदवईनगर	कैंट
9 बजे	10.55	9.5	7.25	11.93	10.12
11 बजे	22.91	20.77	16.68	24.67	21.02
1 बजे	35.86	33.58	27.72	37.32	33.59
3 बजे	42.91	36.62	37.46	46.05	41.91
5 बजे	50.57	52.41	46.80	54.89	49.17

अकबरपुर सीट

समय	बिठूर	कल्याणपुर	महाराजपुर	घाटमपुर	रनिया
9 बजे	13.05	10.51	11.82	11.39	14.35
11 बजे	27.9	21.71	25.01	24.63	29.03
1 बजे	41.24	33.24	37.15	37.75	42.02
3 बजे	49.15	40.67	44.82	44.41	50.07
5 बजे	59.34	47.69	52.70	55.10	60.34

भाजपा के गढ़ में ज्यादा मतदान सपा के विधानसभा क्षेत्र रहे पीछे

कानपुर सीट

- भाजपा को बढ़त दिलाने वाले किदवई नगर और गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में पड़े ज्यादा वोट
- कैंट, आर्यनगर और सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की बड़ी लीड पर ही नजदीकी मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर लोकसभा सीट पर 16.62 लाख मतदाताओं में से इस बार करीब 53 फीसदी लोगों ने वोट डाले हैं। हालांकि मतदान का आधिकारिक आंकड़ा 52.90 प्रतिशत है, जिसे अभी अंतिम नहीं कहा जा सकता, क्योंकि इसमें थोड़ी वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस तरह साफ है कि नया सांसद चुनने के लिए 8.81 लाख मतदाता घरों से निकले और ईवीएम पर अपना मत दर्ज कराया। लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी और इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के उम्मीदवार आलोक मिश्रा में सीधा मुकाबला हुआ है। अब इनमें से कितने लोगों ने किसके लिए बटन दबाया, इसका हिसाब-किताब लगाने में दोनों खेमे व्यस्त हैं।

फिलहाल दावा दोनों तरफ से जीत का है। भाजपा जहां अपनी जीत का आंकड़ा पांच लाख तक होने का दम भर रही है, वहीं कांग्रेस का कहना है कि कांटे के संघर्ष में अंततः जीत उसकी ही होगी। हालांकि इसके लिए पिछले चुनाव में डेढ़ लाख से अधिक मतों का अंतर पाटना कांग्रेस के लिए आसान काम नहीं है।

पिछली बार भाजपा को 4.68 लाख वोट मिले थे

- 2019 के चुनाव में कानपुर लोकसभा सीट पर 16,32,983 मतदाता थे। मतदान प्रतिशत 51.65 रहा था। भाजपा प्रत्याशी सत्यदेव पचौरी को 4,68,937 मत मिले थे। कांग्रेस के श्रीप्रकाश जायसवाल 3,13,003 वोट पाकर 1,55,934 वोटों से चुनाव हार गए थे।

2019 से लगभग डेढ़ प्रतिशत ज्यादा वोट पड़े

- कानपुर में चुनाव आयोग, जिला प्रशासन और राजनीतिक दलों की तमाम कोशिशों के बाद भी अपेक्षित मतदान नहीं हुआ। इस बार 53 प्रतिशत लोगों ने ही वोट डाले हैं। यह पिछली बार से 1.35 प्रतिशत ज्यादा है। 2019 में कानपुर लोकसभा सीट पर 51.65 प्रतिशत वोट पड़े थे। इस लिहाज से करीब 22 हजार मत ज्यादा पड़े हैं। अगर नजदीकी मुकाबला होता है, तो यह वोट निर्णायक साबित हो सकते हैं।

किदवई नगर में चार फीसदी से ज्यादा मतदान कर रहा इशारा: कानपुर लोकसभा सीट पर भाजपा की जीत का मुख्य आधार गोविंद नगर और किदवई नगर विधान सभा सीटें हैं।

गोविंद नगर में 3.61 लाख और किदवई नगर में 3.50 लाख मतदाता हैं, यानी 42 फीसदी से अधिक मतदाता इन्हीं दोनों विधान सभा क्षेत्रों में हैं। किदवई नगर में 57.25 लेकिन गोविंद नगर में 52.66 प्रतिशत वोट ही पड़े हैं। यानी दोनों जगह औसतन 55 फीसदी मतदान हुआ है, जो कि पूरे लोकसभा क्षेत्र से ज्यादा है। भाजपा इसे ही अपनी बड़ी जीत का आधार मान रही है। पिछले दो चुनावों यहां तक कि जब कांग्रेस जीतती रही है, तब भी भाजपा इन दोनों विधानसभा क्षेत्र से बड़े अंतर से लीड लेती रही है। इसके मुकाबले सीसामऊ में 2.70 लाख, आर्य नगर में 3.05 लाख ही मतदाता हैं, केवल कैंट विधान सभा क्षेत्र ऐसा है, जहां लोकसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 3.73 लाख मतदाता हैं। इन तीनों विधानसभा क्षेत्र में सपा के विधायक हैं। लेकिन कैंट क्षेत्र में 50 फीसदी ही वोट पड़े हैं, जबकि यहां से कांग्रेस बड़ी लीड की उम्मीद लगा रही थी।

मतदान करने आई बुजुर्ग।

मतदाता को ले जाते नारायना मेडिकल कॉलेज के सीएमडी अमित नारायना।

ईवीएम जमा कराने के लिए लगी भीड़। अमृत विचार

मतदान के लिए लगी रहीं कतारें। अमृत विचार

जिंदा व्यक्ति वोटर लिस्ट में मृत, कई के नाम कटे

कानपुर। चौथे चरण के चुनाव में सोमवार को कानपुर में अजब-गजब कारनामा देखने को मिला। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के जरौली के दो जीवित व्यक्तियों को वोटर लिस्ट में मृत घोषित दर्शा दिया गया, जिससे वह अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सके। वोटर लिस्ट में ऐसे कई लोगों के नाम नहीं थे, जिन्होंने पूर्व में हुए चुनावों में वोट डाले थे।

मतदान दिवस पर बड़े जोश और उत्साह के साथ जरौली निवासी 75 वर्षीय शिवराम अपने नजदीकी मतदान केंद्र में वोट डालने पहुंचे, लेकिन उनको अंदर जाने नहीं दिया गया। जब वह वोटर लिस्ट में अपना नाम देखने पहुंचे तो जानकारी हुई कि वह कागजों में मृत हैं। यह देख बुजुर्ग काफी परेशान हो गए और जानकारी देने वाले कार्यकर्ता को हड़काने लगे। तभी कार्यकर्ता ने उनको वोटर लिस्ट दिखाई, जिसमे उनके नाम और फोटो पर डिलेटेड लिखा था। जबकि वह स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। इसी तरह का दूसरा वाक्या जरौली के ही अभिषेक राठौर के साथ भी हुआ। अभिषेक राठौर जब अपना आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड लेकर मतदान केंद्र पहुंचे तो उनको भी अंदर जाने से रोका गया। वोटर लिस्ट में अपने नाम का मिलान करने पर नाम व फोटो पर डिलेटेड लिखा हुआ था, वह हैरान हो गए और उन्होंने सरकारी सिस्टम को कोसा।

मतदान के बाद ईवीएम लेकर बैठे कर्मचारी। अमृत विचार

ईवीएम ने दिया दगा, बूथों पर लगी रहीं लाइनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर के बूथों पर 78 और अकबरपुर के 76 बूथों पर ईवीएम खराब हो गईं। इस कारण इन बूथों पर देरी से मतदान शुरू हुआ। कई बूथों पर मॉक पोल के बाद भी मतदान नहीं शुरू हो पाया। शिकायत निस्तारण के बाद भी धीमी गति से मतदान की शिकायत दिनभर कंट्रोल रूम में आती रही।

ईवीएम में खराबी की शिकायत पर मास्टर ट्रेनरों ने पहुंचकर समस्या का समाधान किया। मशीनें बदलने के बाद मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। धीमी गति से मतदान की शिकायत पर सेक्टर मजिस्ट्रेट व एआरओ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। शिकायतों के अनुसार कानपुर सीट के गोविंदनगर विधानसभा में 24, सीसामऊ में 10, आर्यनगर में 6, किदवईनगर में 24, कैंट में 14 ईवीएम में खराबी आई। इसी तरह अकबरपुर सीट के विधानसभा अकबरपुर में 18, बिठूर में 13, कल्याणपुर में 11, महाराजपुर में 16 और घाटमपुर में 18 ईवीएम खराब हुईं। किदवईनगर और कल्याणपुर विधानसभा में सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। वहीं सुबह 10 बजे के बाद भी धीमी गति से मतदान होने के बारे में अधिकारियों ने कहा कि मतदाताओं का प्रपत्र चेक करने में समय लगने के कारण देरी हो रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदान केंद्रों में रही भीड़। अमृत विचार

- धीमे मतदान की दिनभर कंट्रोल रूम में आती रहीं शिकायतें

मतदान के दौरान आईं शिकायतें

विधानसभा महाराजपुर के बूथ संख्या 391 से सुरेंद्र कुमार बाजपेई ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी उन्हें मतदाता पर्ची नहीं मिली। बूथ संख्या 276 के विनय प्रताप ने टॉयलेट व सीवर की समस्या बताई। बूथ संख्या 289 से अर्चना त्रिपाठी ने धीमी गति मतदान की शिकायत की। कैंट विधानसभा के बूथ संख्या 32 से अमित मिश्रा ने गंगादीन गैरी शंकर मिश्रा इंटर कॉलेज में ईवीएम खराब होने की शिकायत की। यहां समस्या निस्तारण में पता चला कि मतदाता ने दो बार एक ही बटन दबा दिया था। जिस कारण मशीन बंद हो गई थी। बूथ संख्या 113 से विवेक कुमार ने कोई महिला पुलिसकर्मी के तैनात न होने की शिकायत की। बूथ संख्या 59 पर अविरल सिंरह चौहान ने मतदाता सूची में नाम न होने की शिकायत की। घाटमपुर विधानसभा में बूथ संख्या 138, 42 से ईवीएम खराब होने की शिकायत की। वहीं सीसामऊ विधानसभा में बूथ संख्या 74, 76 मॉक पोल के बाद मतदान न हो पाने की शिकायत आई।

एसी मॉडल बूथ पर मिला नाश्ता और खाना

कानपुर। मैनावती मार्ग स्थित एनआरआई सिटी में पहली बार एसी मॉडल बूथ बनाया गया। जहां एनआरआई सिटी में रहने वाले मतदाताओं ने मतदान किया। एनआरआई हाइट्स की आरडब्ल्यूए एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश पांडेय और नागेंद्र शुक्ला ने प्रशासन से मॉडल बूथ बनाने का आग्रह किया था। जिस पर अनुमति मिली। पूरी तरह वातानुकूलित एनआरआई सिटी के मॉडल बूथ 29 पर रेड कार्पेट बिछाकर मतदाताओं का स्वागत किया गया। बूथ को गुब्बारों से सजाया गया। सीनियर सिटीजन ने सबसे पहले मतदान किया और शेल्फी ली। पहली बार मतदान करने वालों को जलपान कराया गया। चाय, पकौड़े, मिठाई, बिस्कुट दिया गया। शरबत और कोल्डड्रिंक का वितरण किया गया। दोपहर में भोजन की व्यवस्था की गई। एसोसिएशन के सदस्य कृष्णांदु सिन्हा, नागेंद्र शुक्ला, अजय भार्गव, अमित अग्रवाल, अमित सैनी, मनीष माहेश्वरी, अनिल मिश्रा, राकेश खन्ना, विनय राय, नवीन शर्मा, आशु शर्मा आदि का सहयोग रहा।

वोट डाला और फोटो खिंचाई। अमृत विचार

शहर में पन्ना नहीं रहे चौकन्ना, मोदी के नाम पर वोट मिलने के आसरे बैठे रहे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

- भाजपा में पन्ने के जिम्मेदारी और घर-घर से निकालने की प्लानिंग सुस्त पड़ी
- अमित शाह के घर-घर संपर्क करने के मंत्र का भी नहीं हुआ पूरी तरह पालन

अमृत विचार। कानपुर और अकबरपुर के बूथों पर पन्ना प्रमुख सुस्त दिखे। संगठन ने पन्ने की जिम्मेदारी तो दी पर पन्ना प्रमुख गायब रहे। कई क्षेत्रों में मतदाताओं के घरों की न ही कुंडी खटकी और न ही उन्हें बूथ तक ले जाने का प्रयास किया गया। मतदान के दिन तक कोई मिलने तक नहीं पहुंचा। भाजपा मतदाता स्वयं ही मोदी के नाम पर बूथों तक पहुंचे। भाजपा के एक पदाधिकारी के अनुसार गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों जो मंत्र दे गये उसपर भी पूरी तरह से काम नहीं हुआ। यही वजह रही कि जिन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ना चाहिये था, नहीं बढ़ा।

कानपुर नगर लोकसभा सीट के 1607 बूथों पर भाजपा ने 22761 पन्ना प्रमुखों को लगाया था। इसी तरह अकबरपुर सीट पर लगभग 1800 बूथों पर 24 हजार से ज्यादा पन्ना प्रमुखों को पन्ने का प्रमुख बनाया गया। अमित शाह ने पिछले दिनों बैठक कर कहा था कि पन्ना प्रमुख एक-एक मतदाता पर फोकस करें। पन्ना प्रमुख मतदान वाले दिन सुबह 10:30 बजे तक अपने पन्ने के सभी मतदाताओं को मतदान केंद्र तक ले जाकर मतदान कराएं। लेकिन ऐसा दिखा नहीं। जिसकी वजह से सुबह 11 बजे तक 21.36 और अकबरपुर में 25.60 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। भाजपा के एक नेता ने बताया कि बूथ को मजबूत करने के लिए बैठक, सम्मेलन लगातार किये गये। मतदान में ड्यूटी लगाई गई लेकिन 10 फीसदी पन्ना प्रमुखों ने ही अपने पन्ने की जिम्मेदारी निभाई। 90 फीसदी पन्ना प्रमुख कागजों में ही काम करते दिखे। उन्होंने बताया कि अमित शाह के निर्देश पर कार्य किया जाता तो भाजपा के पक्ष में मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सकता था।

अपनी-अपनी बात

हारने वाली विधानसभा सीटों पर भी हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा, किदवई नगर और गोविंद नगर का मतदान बनेगा गेम चेंजर

सपा ने कांग्रेस को धोखा दिया, हम 5 लाख से जीतेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने मतदान के बाद कहा कि कानपुर नगर में सपा ने विधानसभा चुनाव में अपनी जीती विधानसभा सीटों कैंट, सीसामऊ और आर्यनगर में कांग्रेस के प्रत्याशी की मदद नहीं की। यही कारण है कि भाजपा ने इन सीटों पर भी अच्छा वोट पाया है। सपा को कटघरे में खड़ा करते हुये कहा कि यह बहुत चालाक लोग हैं, अपने सामने किसी को बढ़ता नहीं देखना चाहते हैं। कांग्रेस के संगठन ने प्रत्याशी को जहां अकेला छोड़ दिया तो वहीं, सपा ने भी कांग्रेस की मदद नहीं की।

प्रकाश पाल। अमृत विचार

प्रकाश पाल ने कहा कि कानपुर और अकबरपुर सीट पर मतदाताओं ने उत्साह के साथ भाजपा को मतदान किया है। उन्होंने बड़े अंतर से जीत का दावा किया।

प्रकाश पाल ने अमृत विचार से बात करते हुये कहा कि चौथे चरण के चुनाव में कानपुर नगर, अकबरपुर, इटावा, कन्नौज और फर्रुखाबाद लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशियों को समर्थन दिया। जिस तरह से इंडी गठबंधन के नेता दोपहर बाद से हताश और निराश होकर बैठ गए उससे यह प्रतीत होता है कि भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की पांचों लोकसभा सीटों को प्रचंड जीत के साथ जीतेगी। उन्होंने कहा कि किदवई नगर और गोविंद नगर में हमारा विधायक है वहां तो हम पिछली बार से भी अच्छा वोट प्रतिशत हांसिल करेंगे, यहां जीत का अंतर एक लाख होगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन हमेशा नहीं चलते लेकिन सपा ने जल्द ही अपनी छवि कांग्रेस के सामने रख दी है। सपा ने सहयोग नहीं किया इसलिये एक बजे ही कांग्रेस के बस्ते हट गये।

सपा नहीं चाहती कांग्रेस को बढ़ते देखना

- प्रकाश पाल ने कहा कि सपा कतई नहीं चाहती है कि उनके क्षेत्रों में कांग्रेस का वर्चस्व दिखे। अगर कांग्रेस जीत जाती तो मैसेज जाता कि कांग्रेस का प्रभाव है और उन्होंने अपनी दम पर चुनाव जीता है। प्रकाश पाल ने कहा कि सपा किसी विचार के लिये काम नहीं करती है, यह व्यक्तिगत जीते हैं होशियार लोग हैं। 4 जून के बाद गठबंधन के नेता इसको लेकर खुलकर कहेंगे, बयानबाजी करेंगे आप मेरी बात लिख लीजिये।

एक दिन पहले ही तय हो गया था

- भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि मतदान के एक दिन पहले ही सपा ने कांग्रेस को समर्थन नहीं देने की रणनीति बनाई थी। इसी लिये कांग्रेस के अधिकतर बूथों पर सिर्फ कांग्रेसी नेता दिखे। यहां तक की सपा के बैनर का भी प्रयोग नहीं किया गया। यहीं कारण रहा कि सपा के नेताओं ने वोट डलवाने में दिलचस्पी ही नहीं ली। कानपुर में कांग्रेस अकेली लगी है। गठबंधन की सहयोगी पार्टियों ने नहीं लड़वाया है।

विधानसभाओं में कहीं लड़ाई, कहीं एकतरफा रहा चुनाव

आर्य नगर विधानसभा: भाजपा के पारंपरिक वोटों में कांग्रेस की सेंध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आर्य नगर विधानसभा में इस बार कांग्रेस भाजपा के पारंपरिक वोटों पर सेंधमारी करती रही। चुनिंदा बूथों को छोड़ दें तो लगभग हर बूथ पर अपना हिस्से पर अधिकार जमाती रही। आर्य नगर विधानसभा में बूथवार मतदाताओं के मुद्दे बदलते रहे। व्यापारिक इलाकों में जीएसटी, विकास और राममंदिर का मुद्दा गरमाया रहा तो मोदी के नाम पर भी मतदाताओं के बीच चर्चा का विषय रहा। लोकल बनाम बाहरी मुद्दा ज्यादा असर नहीं डाल सका। क्षेत्र के क्राइस्टचर्च कॉलेज बूथ पर परिवार संग वोट डालने आए जलज द्विवेदी, अरुण द्विवेदी,

जीएसटी और मोदी का नाम भी रहा मुद्दा

अर्चना द्विवेदी, पंकज द्विवेदी व अरुण द्विवेदी ने बताया कि इस बार विकास मुद्दा प्रमुख रहा। गुड्डन सिंह ने कहा कि कारोबारियों के लिए जीएसटी का मुद्दा प्रमुख है। इसी बूथ पर अरुण बाजपेई और गौरव अग्रवाल ने 10 सालों में हुए विकास को मुद्दा बताया। भाजपा के पारंपरिक गढ़ जीएनके इंटर कॉलेज, माहेश्वरी विद्यालय, कैलाश नाथ बालिका विद्यालय और डीएवी इंटर कॉलेज पोलिंग बूथ में भी भाजपा के पारंपरिक वोट पर कांग्रेस चोट करती रही। इन बूथों पर मतदाताओं के बीच लोकल बनाम बाहरी का मुद्दा छाया रहा।

बड़ी संख्या में आधी आबादी ने महापर्व पर मतदान किया। अमृत विचार

कैंट विधानसभा: कम मतदान ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। कैंट विधानसभा से कांग्रेस को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन गठबंधन के नेताओं की मतदान के दिन चुप्पी कांग्रेस की टेंशन बढ़ा गई। दावे तो खूब किए गए थे मतदान कराने के लिए लेकिन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कम मतदान से कांग्रेस की टेंशन बढ़ गई है। पार्टी के रणनीतिकार इस बात से परेशान हैं कि अगर यहां अच्छी खासी लीड नहीं मिली तो फिर क्या होगा। पूर्व के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को यहां बढ़त मिलती रही है लेकिन इस बार ऐसी उम्मीद नहीं दिख रही है।

यहां से कांग्रेस को बड़ी लीड की उम्मीद थी, सपा की चुप्पी बन सकती घातक

यहां से सपा के विधायक हसन रूमी हैं। इससे पहले यहां से कांग्रेस का विधायक था। कांग्रेस का संगठन भी यहां मजबूत है। मतदान के दिन यहां कांग्रेस का संगठन ही बूथों पर नजर आया। सपा के नेता बूथों पर दिखे जरूर पर ऐसी सक्रियता नजर नहीं आई जैसी दो दिन पहले तक दिखती थी। मीरपुर कैंट का इलाका हो या जाजमऊ क्षेत्र कहीं भी सपाई लोगों को बूथों पर ले जाते या घरों से निकालते नहीं दिखे।

गोविंद नगर विधानसभा: कांग्रेस बीच में धड़ाम भाजपा आखिरी दम तक लड़ती रही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के आगे कांग्रेस फीकी नजर आई। यहां कई मतदान केंद्रों के बाहर से दोपहर एक बजे के बाद कांग्रेसी बस्ते खाली नजर आये। जबकि भाजपा आखिरी दम तक चुनाव मैदान में डटी रही।

दोपहर एक बजे के बाद कांग्रेसी बस्ते खाली

विधानसभा के कुल 350 बूथों में हुये मतदान में मतदाताओं ने सुबह से ही भागीदारी दिखाई। जिसका असर यह रहा कि दोपहर एक बजे तक 35.86 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। हालांकि, इसके बाद चाल बिगड़ी और मतदान का प्रतिशत कम होता गया। यहां आखिरी एक घंटे में महज दो फीसदी ही मतदान प्रतिशत दर्ज हुआ। गोविंद नगर विधानसभा के मतदान केंद्र कानपुर पब्लिक इंटर कॉलेज डबल पुलिया के बाहर ढोल, ताशे और मंजीरा लोकतंत्र के सबसे बड़े दिन की सुबह ही गवाही दे रहे थे।

क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र मैथानी यहां बूथ नंबर 22 पर अपने परिवार के साथ वोट देने पहुंचे थे। इसी तरह शास्त्री नगर के मतदान केंद्र ज्ञान निकेतन के बाहर लगे बस्तों पर मतदाताओं का गजब उत्साह दिख रहा था। गोविंद नगर विधानसभा सीट पर सुबह से ही लोग मतदान केंद्रों पर पहुंचे और अपने मतधिकार का प्रयोग किया। हालांकि, यहां भाजपा के आगे कांग्रेस के योद्धा डटे दिखाई नहीं दिये। सीट पर कुल 52.66 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है।

सीसामऊ विधानसभा: सुबह दिखा भाजपा-सपा में जोश दोपहर से रफ्तार पड़ गई धीमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चौथे चरण के चुनाव में सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में सोमवार सुबह से अपने वोट डालने के लिए लोगों में काफी जोश और उत्साह दिखा। निर्धारित समय पर वोटिंग शुरू होने से पहले ही लोग मतदेय स्थल के बाहर पहुंच गए थे। हर किसी को उस बूथ पर पहले वोट डालने की होड़ थी। मगर दोपहर होते-होते वोट की रफ्तार काफी धीमी हो गई। कई मतदान केंद्रों पर वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ियां मिलीं। कई लोगों की पर्चियां घर नहीं पहुंची थी, जिसे लिस्ट में नाम न होने के कारण उन लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। लेनिन पार्क स्थित आलमचंद्र स्कूल में 147 बूथ संख्या पर बरामदे तक लाइन लगी थी। वहीं बूथ संख्या 148, 149, 150 पर इक्का दुक्का लोग थे। सूची में नाम न होने के कारण लोग बीएलओ से जानकारी लेते दिखाई दिए। हरसहाय जगदंबा कॉलेज में हर बूथ में सुबह के वोटरों की लाइन लगी हुई थी। यहां कॉलेज के पास लगे भाजपा के बस्तों में भीड़ रही तो गठबंधन पर कुछ ही लोग रहे। चमनगंज स्थित अर्शी स्कूल में सुबह से लेकर दोपहर तक बूथ पर दो-दो, तीन-तीन करते महिलाएं और पुरुष वोटर पहुंच रहे थे। भदौरिया चौराहे के पास स्थित प्राइमरी स्कूल रामकृष्ण नगर मतदान केंद्र के बाहर अव्यवस्था देखने को मिली। कुमारी उद्यान विद्यालय अशोक नगर में आदर्श बूथ बनाया गया था। महिलाएं और युवतियां बड़े जोश से वोट डालने के बाद सेल्फी लेती नजर आईं। गीता पार्क धर्मशाला और उसके सामने सरकारी स्कूल में बनाए गए मतदान केंद्र में सुबह से लोग वोट देने पहुंच रहे थे। हलीम मुस्लिम कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र में सुबह से ही मुस्लिम महिलाओं और पुरुषों की बूथ पर लाइन देखने को मिली।

मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बूथों पर रही भीड़

किदवई नगर विधानसभा: सबसे ज्यादा वोटों ने किया भाजपा को मजबूत, गठबंधन को निराशा

अमृत विचार। कानपुर नगर की संसदीय सीट पर भाजपा के लिए हमेशा संजीवनी मानी जाने वाली किदवई नगर विधान सभा ने इस बार भी साथ नहीं छोड़ा। कहा जाता है कि किदवई नगर और गोविंद नगर जीते तो भाजपा ने चुनाव जीते। इसी कथन का नजारा इस चुनाव में भी किदवई नगर में दिखाई दिया। पॉश इलाके वाले कई मोहल्लों की इस विधानसभा में शहर का सबसे ज्यादा 57.25 फीसदी वोट पड़ा। इलाके में माहौल भी कुछ इसी तरह से दिखाई दिया। विशुद्ध भाजपाई मोहल्लों में सुबह से ही मतदाताओं की लाइन लग गई और देर शाम तक यह क्रम नहीं टूटा।

57.25 फीसदी वोट पड़ा इस क्षेत्र में

किदवई नगर विधान सभा में प्रमुख मतदेय स्थलों में शुमार यूपी किराना स्कूल में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतार देखने को मिली। उत्साहित लोग पूरे परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे। दोपहर करीब एक बजे के बाद कुछ देर के लिए यहां मतदाताओं की संख्या में कमी दिखी, लेकिन तीन बजते ही एक बार फिर मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं किदवई नगर के ब्लॉक स्थित बृहस्पति महिला महाविद्यालय, बर्रा दो स्थित विवेकानंद बालिका इंटर कॉलेज में मतदाताओं की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही थी। बताते चले कि बीते 11 मई को सीएम योगी आदित्यनाथ ने किदवई नगर विधानसभा से सटे बाबूपुरवा में जनसभा की थी, जिसका असर सोमवार को मतदान के दौरान देखने को मिला। कुछ बूथों पर बाहरी ब्राह्मण बनाम घर के ब्राह्मण पर चर्चा तो होती रही, लेकिन ज्यादा असर देखने को नहीं मिला। विधानसभा के बर्रा विश्व बैंक के कुछ बूथों में थोड़े समय तक पंजा तो लहराया, लेकिन फिर कमल ने बढ़त बना ली।

कल्याणपुर विधानसभा: भाजपा के गढ़ में सेंध नहीं लगा पाए राजाराम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अकबरपुर लोकसभा सीट की कल्याणपुर विधानसभा में जमकर कमल खिला। सबसे कम मतदाता प्रतिशत वाली विधानसभा के क्षेत्र आवास विकास और इंद्रानगर में भाजपा के पक्ष में बंपर वोटिंग हुई। यहां दो भाजपा विधायकों के भितरघात की मतदाताओं के बीच चर्चा जरूर रही लेकिन इसका असर शहरी मतदाताओं पर नहीं पड़ा। इंडी गठबंधन के प्रत्याशी राजाराम पाल ने शुरू से यहां मेहनत भी नहीं की। जिसका असर भी देखा गया। मतदाताओं ने कहा कि जिसने वोट ही नहीं मांगे उसको मतदान करने का क्या फायदा। कल्याणपुर विधानसभा सीट पर कुल मतदान प्रतिशत 49.47 रहा है। यहां सुबह

भाजपा के लोगों में भितरघात की चर्चा तेज

से लेकर शाम तक मध्यम गति से वोटिंग होती रही। दोपहर दो बजे से चार बजे तक कम ही मतदाता निकले लेकिन एक भी बार यह नहीं हुआ कि मतदान केंद्र पूरी तरह से खाली हो। मतदाता राघव ने बताया कि विधानसभा में पूरी तरह से भाजपा ही लड़ रही है। गठबंधन के प्रत्याशी का कई जगह बस्ता तक नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि गठबंधन प्रत्याशी ने शुरू से ही बिठूर, घाटमपुर और रनिया में खुद को समेटे रखा। वहां वह भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले को फाइट दे सकते हैं। इस सीट पर दो मौजूदा विधायकों के भितरघात की चर्चा मतदाताओं के बीच दिनभर रही।

घाटमपुर विधानसभा: सुबह चली बयार दोपहर के बाद थम गई रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: अकबरपुर संसदीय क्षेत्र में शामिल घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र में सुबह से ही मतदान की बयार तेज हो गई, मगर दोपहर में तल्ख धूप बढ़ने के साथ ही रफ्तार धीमी पड़ गई। दोपहर के एक बजे से तीन बजे के बीच सिर्फ सात फीसदी वोट ही पड़े। हालांकि तीन बजे के बाद फिर तेजी आई और मतदान की समाप्ति तक आंकड़ा 58.70 फीसदी पहुंच गया।

सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं और

भाजपा और सपा में रही टक्कर की लड़ाई

पुरुष सुबह सात बजे ही मतदान केंद्र पहुंच गए, जिनमें वोट की चोट करने का खासा उत्साह दिखा। गिरसी ग्राम पंचायत के सर्वोदय इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र में लोग सुबह से ही वोट डालने के लिए घरों से निकल पड़े और लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान किया। पतारा विकास खंड के क्षेत्र के अतिसंवेदनशील इटर्रा, झबैया अकबरपुर, गिरसी केंद्रों में सुबह से कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान चालू हुआ।

महाराजपुर विधानसभा: भाजपा और गठबंधन में लड़ाई, हाथी रहा सुस्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाराजपुर विधानसभा में भाजपा की समाजवादी पार्टी से सीधी लड़ाई दिखी। हाथी की चाल कई जगह काफी सुस्त नजर आई। चौथे चरण के चुनाव में अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच मुकाबला दिखाई दिया। दोनों दलों के समर्थकों ने अपना पलड़ा भारी बताया। बसपा का हाथी चला लेकिन वह सुस्त नजर आया। बर्रा विश्व बैंक, कर्रही,

कई इलाकों में बसपा के बस्ते तक नहीं लगे

जरौली, यशोदा नगर, कोयला नगर, मछरिया, नौबस्ता आदि क्षेत्रों में बसपा के बस्ते तक नजर नहीं आए। चुनावी मैदान में जातियों में बंटवारा साफ दिखा। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम मतदाता समाजवादी पार्टी के पक्ष में खड़े नजर आए। सपा के बस्तों पर अल्पसंख्यक आदि वर्ग के मतदाता दिखे, भाजपा के बस्तों पर भी भीड़ रही। बसपा प्रत्याशी मतदाताओं को अपनी ओर रिझाने में नाकामयाब रहे।

बिठूर विधानसभा: भाजपा और सपा प्रत्याशी के बीच दिखा सीधा मुकाबला

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। अकबरपुर लोकसभा सीट में शामिल बिठूर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा और सपा के बीच कांटे का मुकाबला दिखा। सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों में कतारें लगनी शुरू हो गईं। बिठूर के पोलिंग बूथों में भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले और इंडिया गठबंधन से सपा के प्रत्याशी राजाराम पाल के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।

मतदाता अजय चौहान बोले, अबकी बार चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले

भाजपा को प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर मिले वोट

हो सकते हैं। कैलाश का कहना था कि वह और उनका परिवार कट्टर भाजपाई हैं, लेकिन उतने काम नहीं हुए, जितने की उम्मीद थी।

सुरेश सिंह बोले, कुछ लोगों ने अबकी मोदी जी का चेहरा नहीं देखा और प्रत्याशी के आधार पर अपना मत बदल दिया। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि मोदी जी का काम बोलता है, तो वोट उनके नाम ही रहा। यहां कई क्षेत्रों में तो बसपा के बस्ते नहीं लगे।

बिल्हौर विधानसभा: भाजपा और सपा के बीच लड़ाई दिखी

बिल्हौर : मिश्रिख संसदीय सीट में शामिल बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में 58 .04 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि तमाम जगह मतदाता सूचियों में त्रुटियों की वजह से काफी वोट प्रतिशत प्रभावित हुआ। लगभग हर केंद्र में औसतन पांच से 10 वोटर ऐसे मिले, जिनका नाम वोटर लिस्ट से गायब था। मुस्लिम मतदाताओं में भी मतदान के प्रति उत्साह दिखी। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच कड़ी टक्कर की चर्चाएं रहीं। बीएसपी के पक्ष में कोई खास रुझान नहीं दिखा। सोशल मीडिया पर मतदान धीमा होने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी रश्मि लांबा ने कंट्रोल रूम से सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट को फील्ड पर तैनात रखा।

अकबरपुर रनिया विधानसभा: सपा के वोटों में भाजपा सेंधमारी करने में सफल

संवाददाता, कानपुर देहात

बसपा के परंपरागत वोटर सपा के साथ जाते दिखे

अमृत विचार: अकबरपुर रनिया विधानसभा क्षेत्र में सपा- कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार और भाजपा उम्मीदवार के बीच ही मुकाबला दिखा। यहां बसपा न तो त्रिकोण बनाते दिखी और न ही किसी दूसरे दल के मतों में सेंधमारी करते हुए। हां सपा के वोटों में भाजपा की सेंधमारी जरूर दिखी। सपा उम्मीदवार को 2019 में बसपा से हुए गठबंधन का लाभ इस बार दिखता नजर आया। बसपा के परंपरागत मतदाताओं में यहां सपा की जबरदस्त सेंधमारी दिखी। हालांकि कांग्रेस के कमजोर संगठन का खामियाजा सपा के उम्मीदवार को झेलना पड़ा। बूथों पर कांग्रेस के कार्यकर्ता कम दिखे। बसपा की सुस्ती का लाभ यहां सपा को मिला। हालांकि यह लाभ इसलिए भी मिला क्योंकि मूल मतदाताओं खासकर जाटव को सपा यह समझाने में कामयाब होती दिखी कि भाजपा बाबा साहब के बनाए संविधान को बदल देगी। इसलिए सपा को समर्थन करें। इसका असर बूथों पर भी दिखा खासकर दलित बस्ती वाले बूथों पर। हालांकि भाजपा और उसके अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सक्रियता का लाभ सपा में सेंधमारी के रूप में मिला।

निवर्तमान सांसद सत्यदेव ने परिवार के साथ वोट डाला। अमृत विचार

गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा ने डाला वोट। अमृत विचार

वोटर बनने का उत्साह। अमृत विचार

दुबई से वोट डालने आए शशांक शर्मा ने माता शशि व पिता प्रेमनाथ के साथ वोट डाला। अमृत विचार

कैंसर से पीड़ित स्वदेश शुक्ला को वोट डलवाने पुत्री दिव्या लेकर आई।

एस एन सेन इंटर कॉलेज में वोट डालने के बाद सेल्फी लेतीं युवतियां।

कुरसवां निवासी 99 वर्षीय सीता देवी (पूर्व प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय) को वोट डलवाने लेकर जाते परिजन। अमृत विचार

---------- दसवीं के मेधावी ----------

अंशिका सिंह
96 .2 फीसदी
मरियमपुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल

इशिता त्रिपाठी
91 .6 फीसदी
केन्द्रीय विद्यालय नंबर 2 चकेरी

आरुषी कुशवाहा
98 .40
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, रूमा

दक्ष सिंह
93 .60 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, रूमा

खुशी यादव
95 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, रूमा

सृष्टी गुप्ता
94 .80 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, रूमा

श्री खत्री
94 .40 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, रूमा

शशी सिंह
94 फीसदी
ऑक्सफोर्ड मॉडल सी. सेकेंड्री स्कूल

---------- बारहवीं के मेधावी ----------

अनुष्का शुक्ला
95 .2 फीसदी
मरियमपुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल

मानास्वी गर्ग
98 .4 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल

आकर्षिता यादव
97 .4 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल

अनिका कनोडिया
97 .6 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल

साक्षी वर्मा
97 .4 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन

अलख गुप्ता
96 .6 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन

राघव कपूर
94 .8 फीसदी
ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन

विधि द्विवेदी
95 फीसदी
ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेंड्री स्कूल

रिजल्ट आने के बाद विक्ट्री का निशान बना कर खुशी जाहिर की। अमृत विचार

इस अंदाज में छात्र-छात्राओं ने आगे बढ़ने का जज्बा दिखाया। अमृत विचार

दसवीं में 96.14 व बारहवीं में 81.25% परीक्षार्थी सफल

○ निष्ठा गुप्ता व श्रद्धा यादव संयुक्त रूप से शहर टॉपर ○ दसवीं में संपन्न निगम ने 99.2 फीसदी अंकों के साथ मारी बाजी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 'सीबीएसई' का सोमवार को परीक्षा परिणाम जारी हुआ। दसवीं में 96.14 परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की तो बारहवीं का परीक्षा परिणाम 81.25 फीसदी रहा। परीक्षा परिणाम में दावा किया गया कि बारहवीं में निष्ठा गुप्ता ने 99.2 प्रतिशत अंकों के साथ शहर में टॉप किया है। श्रद्धा यादव भी 99.2 फीसदी अंकों को हासिल कर शहर की संयुक्त टॉपर में अपना नाम दर्ज कराने में सफल रहीं। दसवीं में छात्र संपन्न निगम ने 99.2 फीसदी अंक हासिल कर शहर में अव्वल स्थान हासिल किया है।

सीबीएसई का परीक्षा परिणाम अपने निर्धारित तिथि से पहले ही दोपहर को अचानक घोषित कर दिया। अचानक जारी हुए परीक्षा परिणाम से स्कूलों में अफरा-तफरी मची। अचानक दोपहर को शहर के कुछ स्कूलों में प्रधानाचार्य के

● **सीबीएसई 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम सोमवार दोपहर को जारी किया गया**

साथ शिक्षक पहुंचे और परीक्षा परिणाम का आंकलन किया। परीक्षा में बेहतर अंक हासिल करने वाले मेधावियों को स्कूल से ही मेरिट आने की जानकारी दी गई। इसके बाद मेधावी छात्र-छात्राएं भी स्कूल आए। सीबीएसई के सिटी क्वार्डिनेटर डॉ. बलविंदर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा परिणाम काफी बेहतर रहा है। शहर में दसवीं में इस बार 13,053 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें 12,550 परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए। इस तरह से परीक्षा परिणाम 96.14 फीसदी दर्ज किया गया। इसी तरह बारहवीं में 12,392 परीक्षार्थी इस बार परीक्षा में शामिल हुए थे। परीक्षा परिणाम में 10,069 परीक्षार्थी बोर्ड की ओर से सफल घोषित किए गए। इस तरह से परीक्षा परिणाम 81.25 फीसदी रहा।

दसवीं के मेधावी

शहर में सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के छात्र संपन्न निगम ने 99 .2 अंक हासिल किए। इसी तरह डीपीएस, कल्याणपुर की छात्रा संचायिका काला ने 99 फीसदी अंकों पर कब्जा किया। इसी तरह डीपीएस, कल्याणपुर के छात्र स्यान भट्टाचार्य ने 98 .8 फीसदी अंकों पर कब्जा किया। उधर पूर्णचंद्र विद्या निकेतन, बर्रा की छात्रा प्रविष्ट द्विवेदी ने 97 .8 फीसदी अंक हासिल किए। उधर डीपीएस, आजाद नगर के छात्र संकल्प निगम ने 97 .4 फीसदी व डीपीएस आजाद नगर की छात्रा पावनी अग्रवाल ने 97 .4 फीसदी अंकों पर कब्जा किया।

बारहवीं के मेधावी

शहर में बारहवीं के मे ऐलन हाउस स्कूल, रूमा की छात्रा निष्ठा गुप्ता ने 99 .2 फीसदी अंक हासिल किए। उधर एयर फोर्स चकेरी स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय वन की छात्रा श्रद्धा यादव ने 99 .2 फीसदी अंकों पर कब्जा किया। उधर सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर, कमला नगर की छात्रा प्रार्थना सिंह ने 98 .6 फीसदी अंक पाए। सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर, कमला नगर के छात्र अर्नव गुप्ता ने 98 .6 फीसदी, डीपीएस, कल्याणपुर की इशिता कटियार 98 फीसदी व डीपीएस, आजाद नगर के शौर्य गुप्ता ने 97 .8 फीसदी अंकों पर कब्जा किया।

आईएएस बनकर देश सेवा करना चाहती है निष्ठा

निष्ठा गुप्ता अपने माता-पिता के साथ।

- सीबीएसई के जारी परीक्षा परिणाम में बारहवीं में शहर टॉप करने वाली ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल रूमा की छात्रा निष्ठा गुप्ता आईएएस बनकर देश सेवा करना चाहती है। उन्होंने बताया कि इसके लिए वे अभी से ही मेहनत करने लगी है। कारोबारी पिता गोपाल गुप्ता और गृहणी मां विनीता गुप्ता को वे अपना आदर्श मानती है। निष्ठा ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं में उन्होंने सफलता हासिल करने के लिए किसी तरह की कोचिंग की सहायता नहीं है। उन्होंने स्कूल की कराई गई तैयारी के जरिए ही बेहतर अंक हासिल किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया में समय व्यर्थ होने की वजह से वे उसे इस्तेमाल नहीं करती है। सूचनाओं के लिए सिर्फ व्हाट्सएप में वे मौजूद हैं।

रोजाना पढ़ाई से परीक्षा हो जाती है आसान

संपन्न निगम को खिलाई मिठाई।

- 10वीं में सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर कमला नगर के छात्र संपन्न निगम ने 99 .2 फीसदी अंकों के साथ शहर में पहला स्थान हासिल किया है। छात्र संपन्न निगम ने बताया कि किसी भी प्रतियोगिता की तैयारी लगातार करनी चाहिए। इसके लिए रोजाना पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि पढ़ाई में कोई भी शॉर्टकट नहीं होता है, केवल यदि स्कूल का पढ़ाया हुआ रोज घर पर रिवीजन किया जाए तो सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस सफलता के लिए उन्होंन कोई कोचिंग नहीं पढ़ी है। पढ़ाई में कोई भी गाइडेंस चाहिए होता था तो इंटरनेट का सहारा लेता था। वे आईआईटी से बीटेक करके इंजीनियर बनना चाहते है। रामबाग पीरोड निवासी संपन्न के पिता रोहित निगम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में आरएम के पद पर गोरखपुर में तैनात है। मां नमिता निगम सरकारी शिक्षिका है।

केडीएम के छात्र-छात्राओं में पास होने की खुशी कुछ इस तरह से दिखाई दी। अमृत विचार

केडीएमए के शाश्वत ने किया स्कूल में टॉप

कानपुर। केडीएमए स्कूल में इंटर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इंटर के विज्ञान वर्ग के छात्र शाश्वत प्रताप सिंह ने 96.8 प्रतिशत अंक, ह्यूमिनटीज वर्ग में अभय सिंह यादव ने 95.4 व कॉमर्स वर्ग में यश श्रीवास्तव ने 95.2 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
प्रधानाचार्या प्रियंका सहगल ने बताया कि विज्ञान वर्ग में कुशाग्र सचान ने 91.4 प्रतिशत, ह्यूमिनटीज वर्ग में शांतनु सिंह ने 95, मानसी कटियार ने 93.4, क्रिश कुमार ने 91.2 व कॉमर्स वर्ग में वेदांत आनंद ने 92.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। चेयरमैन संजय कपूर ने मेधावियों का मुंह मीठा करा कर उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सियान के माता-पिता खुशी से फूले न समाए। अमृत विचार

सियान भट्टाचार्या ने हासिल किया शहर में दूसरा स्थान

- डीपीएस कल्याणपुर के छात्र सियान भट्टाचार्या ने 492 अंकों के साथ दसवीं में शहर में दूसरा स्थान हासिल किया है। सियान आईआईटी कानपुर के फिजिक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर सुदीप भट्टाचार्या के बेटे सियान भट्टाचार्या ने 10वीं में 98 .8 फीसदी अंक हासिल किए हैं। सियान ने बताया है कि परीक्षा की तैयारी करते हुए उन्होंने रोजाना स्कूल के अलावा 4 से 5 घंटे पढ़ाई की है। वे यूएस से बीएस और पीएचडी करने के बाद प्रोफेसर बनना चाहते है। उन्होंने बताया कि साइंस में पिता भी अक्सर उनकी पढ़ाई में सहायता करते थे। उनकी मां जोरिता भट्टाचार्या ग़हणी है।

तक्षशिला इंटरनेशनल के मेधावी छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

तक्षशिला इंटरनेशनल के छात्रों ने लहराया परचम

- **कानपुर।** परीक्षा परिणाम में सोमवार को ग्रेटर कैलाश जाजमऊ स्थित तक्षशिला इंटरनेशनल एजुकेशन सेंटर के परीक्षार्थियों ने शानदार परिणाम हासिल किया है। परीक्षा परिणामों में स्कूल के बारहवीं की छात्रा हीरा खान ने 97 फीसदी अंक लेकर स्कूल का गौरव बढ़ाया है। इसी तरह दसवीं में मुदस्सिर न 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं। दसवीं के अन्य सफल छात्र कृतिका, वंशिका, अंजलि, पीयूष परिहार रहे। जबकि बारहवीं में नयन प्रदीप शर्मा, वैष्णवी यादव, वर्तिका व कांची ने बाजी मारी। परीक्षा परिणामों में स्कूल के प्रबंधक अनिल चौरसिया, प्रिंसिपल स्वाति सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

मयूरी को मिठाई खिलाते माता-पिता। अमृत विचार

सफलता का शॉर्टकट नहीं होता

- **कानपुर।** कान्यकुब्ज पब्लिक स्कूल की बारहवीं की छात्रा मयूरी गुप्ता ने 94 फीसदी अंक हासिल किए। मॉल रोड निवासी मयूरी ने बताया कि परीक्षा के दौरान उन्होंने लगभग 8 से 10 घंटे रोजना पढ़ाई की है। छात्रा ने कहा कि उसने यह परीक्षा बगैर किसी कोचिंग के पास की है। छात्रा के पिता गुलशन गुप्ता कारोबारी व मां राधा गुप्ता गृहणी है।

पत्र वितरकों का बढ़ाया मान

गौरी तिवारी।

- **कानपुर।** घंटाघर वरिष्ठ वितरक विजय प्रकाश तिवारी की पुत्री गौरी तिवारी ने सीबीएसई के परीक्षा परिणामों में 94 फीसदी अंक हासिल किए हैं। परीक्षा में सफलता पर छात्रा ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने किसी कोचिंग का सहारा नहीं लिया है। छात्रा ने बताया कि सफलता के लिए मेहनत करना बहुत जरूरी है। मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। बताया गया कि जल्द ही वरिष्ठ पत्रवितरक अनिल बाजपेई मेधावी छात्रा के घर जाकर आशीर्वाद देकर सम्मानित करेंगे।

सौ फीसदी रहा परीक्षा परिणाम

कानपुर। सीबीएसई के परीक्षा परिणामों में सर पदमपत सिंहानिया एजूकेशन सेंटर के विद्यार्थियों ने असाधारण उपलब्धि अर्जित की। कक्षा 10 के परीक्षा परिणामों में विद्यालय के छात्र सम्पन्न निगम ने 99 .2 फीसदी अंक अर्जित किए। इस वर्ष विद्यालय से 235 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिसमें 92 विद्यार्थियों ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इसी तरह कक्षा 12 के परीक्षा परिणामों में विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र अरनव गुप्ता और प्रार्थना सिंह ने 98 .6 फीसीद अंक हासिल किए। इस वर्ष विद्यालय से 213 विद्यार्थी कक्षा 12 की परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिनमें 71 विद्यार्थियों ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या भावना गुप्ता ने सभी छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत की प्रशंसा करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय की चेयरपर्सन मनोरमा गोविन्द हरि जी सिंहानिया, वाइस चेयरमैन अभिषेक सिंहानिया, वाइस चेयरपर्सन वर्षा सिंहानिया, वाइस चेयरमैन व डायरेक्टर पार्थो पी. कर ने सम्पूर्ण विद्यालय परिवार व छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

संचायिका काला के 99 फीसदी अंक

परीक्षा परिणामों में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला की बेटी संचायिका काला ने 10वीं में 99 फीसदी अंक हासिल किए हैं। संचायिका डीपीएस कल्याणपुर की छात्रा हैं। छात्रा ने बताया कि पढने का कोई तय समय नहीं था लेकिन जब भी पढ़ाई की तब मन से की। यह आईआईएससी बेंगलुरु से फिजिक्स में बैचलर की पढ़ाई करके नासा में जाकर रिसर्च करना चाहती हैं। इनकी मां डॉ. चयनिका काला पैथोलाजिस्ट हैं। पिता डॉ. संजय काला ने बेटी के बेहतर अंक आने पर खुशी जताई है। छात्रा मेडिकल कालेज कैंपस की रहने वाली है।

ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल में उत्साह

कानपुर। ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल रूमा व खलासी लाइन के परीक्षार्थियों ने बेहतर परीक्षा परिणाम हासिल किया है। बताया गया कि ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल खलासी लाइन के मानास्वी गर्ग, आकर्षिता यादव, अनिका कनोडिया, साक्षी वर्मा ने लगभग 98 फीसदी अंकों के आस-पास अंक अर्जित किए हैं। इसी तरह ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल रूमा की कक्षा दस की छात्रा आरुषी कुशवाहा, दक्ष सिंह, खुशी यादव, सृष्टी गुप्ता व श्री खत्री ने लगभग 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्रों को मिला आशीर्वाद। अमृत विचार

खुशी का इजहार करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

सोशल मीडिया पढ़ाई को करता है प्रभावित

कानपुर। डीपीएस बर्रा की हाईस्कूल की छात्रा सान्या यादव ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 97 .4 प्रतिशत अंक हासिल किए। खाड़ेपुर निवासी सान्या के पिता महिपाल सिंह उन्नाव में हेडकांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। परिवार में मां वंदना यादव व एक छोटा भाई नमन है। सान्या ने साइंस में 95, अंग्रेजी में 97, हिंदी में 97, गणित में 89, सोशल स्टडी में 99 व आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (एआई) में 99 अंक हासिल किए। सान्या के मुताबिक वह परीक्षा के दौरान रोजाना 15 घंटे सेल्फ स्टडी करती थीं। वह आईएएस बन देश सेवा करना चाहतीं है। बताया कि वह सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करतीं हैं। सोशल मीडिया विद्यार्थियों को पढ़ाई से प्रभावित करने का काम करती है। सलाह दी कि कोचिंग के बजाए बच्चों को सेल्फ स्टडी पर ध्यान देना चाहिए।

जुड़वां बहनों ने मारी बाजी, बनना है आईआईटियन

कानपुर। लालबंगला निवासी जुड़वा बहनें अमृता व अनामिका अग्रवाल ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में क्रमश 97 .2 व 96 प्रतिशत अंक हासिल किए। बड़े भाई ऋषभ ने बताया कि उनके पिता मनोज कुमार अग्रवाल फेब्रिक कारोबारी है। उनकी मां पिंकी की वर्ष 2022 में मौत हो गई थी। अमृता ने गणित में 98, सोशल स्टडी में 10, साइंस में 98, अंग्रेजी में 94, हिंदी में 95, कंप्यूटर में 97 अंक हासिल किए।वहीं अनामिका ने कंप्यूटर में 96, साइंस में 95, हिंदी में 94, मैथ में 97, सोशल स्टडी में 96 अंक हासिल किए। मेधावियों ने बताया कि वह कोचिंग की बजाए घर में रोजाना करीब सात घंटे सेल्फ स्टडी करती थीं। स्कूल में जितना पढ़ाया जाता था उसका रोजाना रिवीजन करती थी। दोनों बहनों ने बताया कि आईआईटीयन बन कर परिवार का नाम रोशन करना चाहती हैं।

ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अच्छा रहा परीक्षा परिणाम

- कानपुर। ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल, महाराजपुर, कानपुर में छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। स्कूल के कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय में प्रथम स्थान शशी सिंह, 94 .0 फीसदी, द्वितीय स्थान वंशिका गुप्ता, 92 .0 फीसदी व तृतीय स्थान अंकिता सिंह, 90 .8 फीसदी ने प्राप्त किया। इसी तरह कक्षा-12 का परीक्षा परिणाम 96 फीसदी रहा। विद्यालय में कामर्स संकाय में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान विधि द्विवेदी, आलोक द्विवेदी व अपर्णा द्विवेदी ने प्राप्त किया। विज्ञान संकाय में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान आयुष कुमार द्विवेदी, ईशा तिवारी एवं इक्षिता कुशवाहा ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्धक आलोक शर्मा व प्रधानाचार्य मनीष कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यालय के शिक्षक सत्यम कुमार, संदीप शर्मा, श्यामबिहारी विश्वकर्मा, उत्कर्ष सिंह, महेन्द्र कुमार, अनुराधा दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सुघर सिंह एकेडमी के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

सुघर सिंह एकेडमी ने लहराया परचम

- कानपुर। सीबीएसई की ओर से कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा परिणाम में सुघर सिंह एकेडमी स्वर्ण जयन्ती विहार कानपुर नगर के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 12वीं में दानिश ने 94 .6 फीसदी, द्वियांशी चौरसिया ने 91 फीसदी, वैभवी ने केमेस्ट्री में 100, तुषार श्रीवास्तव ने कम्प्यूटर में 98 द्वियांशी चौरसिया ने अकाउंट में 98 व किंजल सिंह ने अंग्रेजी में 95 और कक्षा 10वीं में आयुष्मा ने 95 फीसदी, आर्या शर्मा ने सामाजिक विज्ञान में 98, आयुष सचान ने गणित में 96, आदर्श राठौर ने अंग्रेजी में 95 अंक प्राप्त किए। छात्र-छात्राओं के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय के प्रबन्धक बीके सिंह, प्रबन्धिका वीना सिंह, प्रधानाचार्या हेमलता शुक्ला ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

मतदान केंद्रों से गायब दिखे बसपाई कमजोर संगठन का दिखा असर

कानपुर, अकबरपुर और मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र में त्रिकोण बनाती नहीं दिखी बसपा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चुनाव में बसपा के उम्मीदवार त्रिकोणीय संघर्ष बनाने का दावा तो कर रहे थे लेकिन मतदान के दिन ऐसा कहीं दिखा नहीं। कानपुर, अकबरपुर और मिश्रिख संसदीय क्षेत्र की बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के ज्यादातर बूथों पर बसपा के बस्ते नहीं दिखे। संगठन ने पहले दावा किया था कि हर बूथ पर मतदाताओं को लाकर मतदान कराया जाएगा लेकिन संगठन और उम्मीदवारों के बीच सामांजस्य का अभाव साफ नजर आया। तीनों सीटों पर प्रत्याशियों की अनुभवहीनता का असर भी मतदान के दिन दिखा। अकबरपुर सीट पर प्रत्याशी राजेश द्विवेदी की सक्रियता तो पूरे चुनाव प्रचार के दौरान नजर आई थी लेकिन कानपुर सीट पर संगठन और प्रत्याशी के बीच अपनी ढपली अपना राग जैसी स्थिति रही। कुछ ऐसा ही हाल मिश्रिख क्षेत्र में भी नजर आया। यही वजह है कि कांग्रेस, भाजपा और सपा के उम्मीदवार भी यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि पिछले चुनाव में जो मतदाता बसपा के साथ पूरी शिद्दत से थे वे किस तरफ गए। हालांकि खुद के समर्थन का दावा सभी कर रहे हैं।

सिविल लाइंस पदम अपार्टमेंट में मतदान केंद्र बनाए जाने से प्रफुल्लित मतदाता। अमृत विचार

- **कानपुर संसदीय सीट पर चुनाव प्रचार के समय ही झलक गई थी कमजोरी**

कानपुर सीट पर सपा- कांग्रेस के उम्मीदवार आलोक मिश्रा और भाजपा के रमेश अवस्थी के मुकाबले बसपा ने अधिवक्ता कुलदीप भादौरिया को मैदान में उतारा था लेकिन भदौरिया न तो प्रचार से मुकाबले को संघर्ष बनाने में कहीं दिखे न ही मतदान के दिन बूथ मैनेजमेंट में। बसपा के पदाधिकारी भी मतदान के लिए आए और वोट डालकर चले गए। आर्यनगर, स्वरूप नगर, सर्वोदय नगर, गोविंद नगर जैसे इलाकों के मतदान केंद्रों पर तो स्थिति यह थी कि कोई किसी मतदाता से यह कहने वाला नजर नहीं आया कि बसपा को वोट देना है।

अकबरपुर सीट पर राजेश द्विवेदी बसपा के उम्मीदवार हैं पर वे भी किसी बूथ पर लड़ते नजर आए। यहां भी संगठन और उम्मीदवार के बीच तालमेल का अभाव बसपा के कोर मतदाताओं को खटकता रहा। यही वजह है कि मतदाता बूथ पर आने के बाद मन बदलते दिखे। मिश्रिख सीट की बिल्हौर विधानसभा में चाहे चौबेपुर, बिल्हौर देहात या सुनौढ़ा का मतदान केंद्र रहा हो या ककवन का। कहीं भी बसपा लड़ती नहीं दिखी। ऐसे में त्रिकोणीय संघर्ष की जो बात कही जा रही थी वह अब कहा जा रहा है कि कानपुर में आलोक मिश्रा और रमेश अवस्थी के बीच मुकाबला था तो अकबरपुर में भाजपा सांसद देवेंद्र भोले और सपा के राजाराम पाल के बीच।

दिव्यांग-बुजुर्गों ने बढ़ाई लोकतंत्र की शान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोकतंत्र की मजबूती के लिए दिव्यांगों और बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। उन्होंने दिव्यांगता को पीछे छोड़ते हुए अपने संबंधित बूथ पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। कुछ दिव्यांग मतदाताओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। मतदान केंद्र में कोई दिव्यांग बैसाखी के सहारे तो कोई ट्राई साइकिल से बूथ पर पहुंचा। वहीं, कुछ बुजुर्ग अपने बेटे, पौत्र या नाती की गोद में मतदान करने पहुंचे।

लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने और लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भागीदारी पूरी करने में दिव्यांग और बुजुर्ग युवाओं से पीछे नहीं रहे। दिव्यांगता को दरकिनार करते हुए पूरे जोश के साथ वह संबंधित बूथ पर पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद लोगों से भी वोट डालने की अपील की।

चार पीढ़ियों ने एक साथ किया मतदान

कानपुर। आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार की चार पीढ़ियों ने लोकसभा चुनाव 2024 में एक साथ मतदान दिया। परिवार की नंद कुमारी सिन्हा (101), उनकी पुत्री डॉ.सुधा सिन्हा (79) पूर्व विभागाध्यक्ष जंतु विज्ञान विभाग डिग्री कॉलेज, पति राजेंद्र नाथ श्रीवास्तव (84) रक्षा विभाग से अवकाश प्राप्त ने अपने पुत्र प्रतीक श्रीवास्तव, पुत्रवधु मधु श्रीवास्तव, पौत्री रूपल श्रीवास्तव और मानवी श्रीवास्तव के साथ मतदान किया। सीबीएसई स्कूल के प्रधानाचार्य प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार की पहली पीढ़ी से लेकर चौथी पीढ़ी ने लोकसभा चुनाव में अपनी भगादारी निभाई। रूपल और मानवी ने लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान किया।

मतदान के बाद एक साथ मौजूद चार पीढ़ी। अमृत विचार

पहली बार वोट डालने का उत्साह

पहली बार कर्नलगंज के जीआईसी स्कूल पहुंचे वोट डालने पहुंचे चुन्नीगंज के संस्कार सेठ ने बताया कि उनके लिए काफी उत्साह था। सभी को इस लोकतांत्रिक पर्व में हिस्सा लेना चाहिए। वोट डालना तो हमारा अधिकार है, इस कर्तव्य को जरूर निभाना चाहिए।

बहुत अच्छा लग रहा

पनकी के आनंद बाजपेयी ने कहाकि मैंने देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये पहली बार मतदान किया है। बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि शिक्षा, रोजगार पर काम करने की जरूरत है। बाकी जो देश में हो रहा है वह ठीक ही है।

बूथ पर पहला वोट डाला

खांड़ेपुर के हर्षित शुक्ला ने कहा मैं हर बार समय पर अपने मत का प्रयोग करता हूं। आज भी कंपोजिट विद्यालय अर्रा के बूथ संख्या 43 में मैंने पहला वोट दिया है। मेरा मानना है किसी भी देश के लिये यह दिन गर्व करने वाला होता है। इस मौके को नहीं छोड़ना चाहिये।

दिव्यांग ने भी महापर्व में हिस्सा लिया

वोट डालने दोनों पैर से दिव्यांग मोहम्मद इरफान निवासी लकड़ीमंडी पहुंचा। उसने कहा कि यह लोकतांत्रिक पर्व पांच वर्ष में एक बार आता है। इस बार उसने शहर के विकास को लेकर वोट किया है।

वोट डालकर निकले भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा। अमृत विचार

बिल्हौर में मतदान के लिए महिलाओं की लंबी कतार लगी रही। अमृत विचार

दोपहर में पसरा रहा सन्नाटा

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार: चौथे चरण के लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए सुबह तो उत्साह दिखा। सुबह-सुबह पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की कतारें लग गईं, लेकिन जैसे-जैसे धूप बढ़ती गई, पोलिंग बूथों पर सन्नाटा पसर गया। कहीं-कहीं बूथों पर दर्जन भर भी लोग नहीं दिखाई पड़े। हालांकि शाम होते-होते मतदान प्रतिशत फिर बढ़ा।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। शिवराजपुर ब्लॉक क्षेत्र के संवेदनशील बूथों पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस फोर्स दिन भर पोलिंग बूथों का दौरा करते रहे। टकटौली ग्राम सभा के मजरा बाकरगंज में मात्र एजेंटों ने ही तीन वोट डाले। वहीं ग्रामीणों ने गांव में विकास कार्य न होने की बात कहकर चुनाव बहिष्कार का ऐलान कर दिया ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में नाली सड़क आदि का निर्माण आज तक नहीं किया गया, जिससे बरसात में जलभराव रहता है।

मतदान करने जाते रामकृष्ण वाजपेयी।

शिवसहाय वाजपेयी ने भी वोट डाला।

बुजुर्गों में दिखा उत्साह

काकूपुर रब्बन गांव के 100 वर्षीय रामकृष्ण बाजपेई सुबह से ही तैयार होकर परिजनों के साथ मतदान केंद्र पहुंच गए और अपने मत का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदान करना बहुत अच्छा लगता है। लोकतंत्र का पर्व देश का गर्व है, जिसमें सभी को सहभागिता निभानी चाहिए। गांव के ही 95 वर्षीय शिवसहाय वाजपेई ने भी अपने मत का प्रयोग किया।

ईवीएम खराब, दो घंटे मतदान रहा बाधित

काकूपुर रब्बन गांव के प्राथमिक विद्यालय में बने पोलिंग बूथ 276 में सुबह ही ईवीएम खराब हो गई। दूसरी ईवीएम आने पर मतदान चालू हो सका। इस बीच दो घंटे मतदान बंद रहा।

चुनाव बहिष्कार की सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने ग्रामीणों को बहुत समझाया, किंतु ग्रामीण किसी की भी बात से सहमत नहीं हुए। जनप्रतिनिधियों ने आचार संहिता समाप्त होने पर विकास कार्य कराने का विश्वास दिलाया, तब कहीं जाकर मतदान शुरू हो सका और देर शाम तक वोट पड़ते रहे।

12 बजे तक बहिष्कार, शाम तक 70 फीसदी मतदान

बिल्हौर। बिल्हौर के मेडुआ गांव के लोगों ने विकास कार्यों को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए मतदान का बहिष्कार कर दिया। सूचना पर अफसर पहुंचे, लेकिन 12 बजे तक वोट नहीं पड़े। एडीएम न्यायिक सूरज यादव व एडीसीपी बिजयेंद्र द्विवेदी के प्रयास के बाद लोग मतदान के लिए राजी हुए और शाम तक 70 फीसदी मतदान हो गया। सपा नेत्री रचना सिंह और भाजपा के जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद अली ने वोट डालने की पहल की।

प्रेक्षक ने किया निरीक्षण: मिश्रिख लोकसभा के प्रेक्षक ने बिल्हौर इंटर कॉलेज मतदान केंद्र का निरीक्षण किया और उप जिलाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। पीठासीन अधिकारी को निर्देश दिए कि कतार में लगे सभी मतदाताओं को वोट डालने दिया जाए।

दो बूथों पर देर रात तक हुआ मतदान: ककवन क्षेत्र के देवहा और मनावां बूथों पर देर रात तक मतदान चलता रहा। मनावां में एक बूथ के होने के चलते लोगों की भीड़ जुटी रही, जबकि देवहा में रात आठ बजे तक मतदान होता रहा।

तीन घंटे बाद वोटिंग

चौबेपुर। क्षेत्र के रमेशपुर मतदान केंद्र व शिवराजपुर के बाकरगंज मतदान केंद्र में सुबह नाली, सड़क, बिजली आदि समस्याओं को लोगों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने पर करीब तीन घंटे बाद यहां वोटिंग शुरू हो सकी। बाकरगंज मतदान केंद्र पर दोपहर 12 बजे तक मात्र तीन वोट ही पड़ सके थे।

ईवीएम में खराबी, देर से शुरू हो सका मतदान

चौबेपुर। मतदान के दौरान ईवीएम में दिक्कत होने से कुछ बूथों पर समस्या उत्पन्न हुई। क्षेत्र के तरीपाठकपुर मतदान केंद्र व दिलावरपुर टोसवा मतदान केंद्र पर ईवीएम में आई खराबी के कारण मतदान आधा घंटा देरी से शुरू हो सका।

बदले हालात | कुख्यात विकास दुबे के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद पहली बार हुआ लोकसभा का चुनाव

बिकरू गांव के लोगों में पहली बार दिखा मतदान का उत्साह

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कभी दहशत का पर्याय रहे विकास दुबे की मौत के बाद पहली बार हुए लोकसभा चुनाव को लेकर बिकरू गांव के लोगों में खास उत्साह नजर आया। गांव के संविलियन विद्यालय में बनाए गये बूथ पर सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ नजर आई। अति संवेदनशील केंद्र होने के कारण यहां पैरामिलिट्री व पुलिस बल तैनात रहा।

वर्षों तक आतंक का पर्याय रहे विकास दुबे की मौत के बाद बिकरू के वाशिंदों में लोकसभा चुनाव को लेकर शुरू से उत्साह था। सोमवार को सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्र पर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। नौ बजते बजते यहां महिला व पुरुष मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें लग गईं।

बिकरू में वोट डालने जाती ज्योति।

आरोपी प्रेमप्रकाश पांडेय की पत्नी सुषमा।

मतदान करने के लिए बिकरू कांड के आरोपी प्रेमप्रकाश पांडेय की पत्नी सुषमा पांडे (80) भी मौजूद थीं। बता दें कि आरोपी प्रेम प्रकाश पांडेय को बिकरू कांड के अगले दिन ही पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। इसी तरह गांव की ज्योति लक्ष्मी, राजकुमारी, मीना, शिवानी, सुनीता व निधी आदि में भी मतदान को लेकर उत्सुकता दिखाई दी। यहां 63.72 फीसदी मतदान हुआ।

मतदान के दौरान बच्चों ने सूनी सड़क को बनाया क्रिकेट का मैदान। अमृत विचार

सूनसान सड़कें बनीं खेल का मैदान

चौबेपुर। सोमवार को लोकसभा चुनाव के चलते बंद रहे बाजारों से संपर्क मार्गों पर सन्नाटा ही पसरा नजर आया। क्षेत्र के मैनावती मार्ग से जुड़े ईश्वरी पुरवा मार्ग पर दोपहर बच्चे क्रिकेट खेलते दिखाई दिये। पूछने पर बताया कि आज मार्ग पर सन्नाटा है इसलिए वह यहां खेलने चले आये।

- **महिलाओं ने घर की दहलीज से निकलकर डाले वोट**

बुजुर्गों ने भी दिखाया वोट डालने का जज्बा

चौबेपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान युवाओं के साथ बुजुर्गों में भी मताधिकार को लेकर जज्बा दिखा। तरी पाठकपुर गांव के बूथ संख्या 335 पर पहुंचे 90 वर्षीय सेवानिवृत शिक्षक रामआधार अवस्थी की आंखों में अलग ही चमक दिखाई दी। बोले, वह हमेशा अपने मत का प्रयोग करते हैं। इसी तरह सुनौढा मतदान केंद्र पर लाठी के सारे वोट करने पहुंचे सूबेदार (80) ने भी अपने मत का प्रयोग किया। मनोह मतदान केंद्र पर नाती के साथ वोट करने पहुंची सोमवती (90) ने भी वोट डालकर नजीर पेश की।

-------कुछ इस तरह रहा चुनावी माहौल ------

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने हडसन मेमोरियल गर्ल्स हाईस्कूल में पत्नी के साथ वोट डाला।

सीएसजेएमयू कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने पत्नी वंदना पाठक के साथ वोट डाला।

सिविल लाइंस स्थित गुरु नारायण खत्री इंटर कॉलेज में अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह परिवार के साथ वोट डाला अमृत विचार

सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने परिवार के साथ वोट डाला।

सुबह 6:30 बजे से हडसन स्कूल मतदान केंद्र में लाइन में लग गए मतदाता।

सपा विधायक मो. हसन रूमी ने परिवार के साथ वोट डाला।

महापौर प्रमिला पांडेय ने वोट डाला।

भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी।

पत्नी के साथ उद्यमी आलोक अग्रवाल।

उद्यमी नरेंद्र शर्मा ने डाला वोट।

उदित नारायणा ने डाला वोट।

पूर्व मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

मतदान के बाद समाजसेवी महिलाएं।

वोट डालकर खिला चेहरा।

बुजुर्ग को जवान ने दिया सहारा।

अच्छा रिजल्ट देख खुशी से झूम उठे मेधावी छात्र और छात्राएं

कानपुर। सीबीएसई 10 वीं और 12 वीं का रिजल्ट आने के बाद उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठीं। हालांकि तमाम स्कूलों में मतदान केंद्र बने होने के कारण वे स्कूल नहीं जा सके। इससे उनके चेहरे पर मायूसी भी दिखी, लेकिन जहां मतदान नहीं हो रहा था वहां पहुंचे छात्र- छात्राओं ने शिक्षकों के साथ खुशी मनाई और मिठाई भी वितरित किया। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते बन रही थी। हिप- हिप हुर्रे की गूंज भी स्कूलों में सुनाई दी।

खुशी का इजहार करतीं डीपीएस की छात्राएं व छात्र।

आठ घंटे की पढ़ाई, कंप्यूटर इंजीनियर बनना है

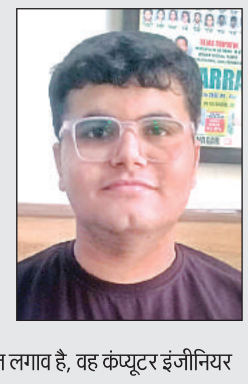

कानपुर। सोमवार को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के परिणाम में डीपीएस बर्रा के इंटर के छात्र विनायक अरोड़ा ने 94 .8 प्रतिशत अंक हासिल किए। तात्याटोपे नगर निवासी विनायक के पिता रितेश अरोड़ यूपिन फार्मा कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है, मां जूली अरोड़ा गृहणी है। विनायक ने बताया कि वह रोजाना चार से पांच घंटे पढ़ाई करते थे। परीक्षा के दिनों में समय बढ़ा कर सात से आठ घंटे तक कर दिया। विनायक ने अंग्रेजी में 94, कंप्यूटर में 96, फिजिक्स में 93, केमिस्ट्री में 96, मैथ में 95 अंक हासिल किए। विनायक ने बताया कि शुरुआत से ही उन्हें कंप्यूटर से बहुत लगाव है, वह कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहते है।

डीपीएस में रिजल्ट देख बच्चे खुश

- रविवार को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का परिणाम आते ही डीपीएस बर्रा स्कूल के मेधावी ढोल, नगाड़ों की थाप पर जमकर झूमे। प्रधानाचार्य जयंती मित्रा ने बताया कि स्कूल का बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। इंटर की कला वर्ग की छात्रा अर्चना शाह ने 96 .2 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में टॉप किया। वहीं 95 .2 प्रतिशत अंकों के साथ अग्रिमा सिंह दूसरे व 94 .8 प्रतिशत अंक के पाकर विज्ञान वर्ग के विनायक अरोड़ा तीसरे स्थान पर रहे। वहीं हाईस्कूल में सान्या यादव ने 97 .4 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 97 .2 प्रतिशत अंक पाकर अमृता अग्रवाल द्वितीय स्थान पर रहीं। अनामिका अग्रवाल व विशु साईनाथ ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। संस्थापक आलोक मिश्रा व वाइस चेयरपर्सन वंदना मिश्रा ने सभी मेधावियों को बधाई दी।

अपनों के साथ छात्रा शांभवी सिंह।

पापा ने मेन्स क्लियर किया था, आईएएस बनूंगी

- कानपुर। जरौली फेस टू निवासी करमदेवी मेमोरियल एकेडमी में हाईस्कूल की छात्रा शांभवी सिंह ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 97 .4 प्रतिशत अंक हासिल किए। शांभवी के पिता प्रशांत सिंह सचिवालय में तैनात है, मां आराधना सिंह गृहणी हैं व छोटी बहन हर्षाली कक्षा तीन की छात्रा है। शांभवी ने अंग्रेजी व हिंदी में 96, कंप्यूटर में 100, साइंस में 95, सोशल साइंस में 98, गणित में 97 अंक हासिल किए। शांभवी के मुताबिक कक्षा नौ से उन्होंने टीवी व मोबाइल फोन को हाथ तक नहीं लगाया। उनका सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक्टिवेट नहीं है। वह शुरुआत से ही रोजाना 10 से 12 घंटे सेल्फ स्टडी करती थीं। वह आईएएस बन कर गरीबी व महिला सुरक्षा संबंधी क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। बताया कि उनके पिता ने कई बार यूपीएससी की परीक्षा देकर मेन्स क्लीयर किया, लेकिन वह आईएएस नहीं बन पाए। उनका सपना अब मैं पूरा करूंगी।

पूरे साल मेहनत करने से मिलती है सफलता

संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। सीबीएसई 12वीं में 493 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से शहर में टॉप करने वाली छात्रा श्रद्धा यादव ने कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। वे पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक एएफएस चकेरी की छात्रा है। सफलता पर उन्होंने बताया कि एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम से पढ़ाई कर उन्होंने अपना बेस मजबूत किया। इसके अलावा परीक्षा के पहले जमकर एमसीक्यू लगाए और राइटिंग की प्रैक्टिस की। इनका कहना है कि बड़ी सक्सेस साल भर पढने से मिलती है। इसके लिए साल भर और रेगूलर पढना पड़ता है। वे दिल्ली यूनिवर्सिटी या बीएचयू से बीए (आनर्स) पालिटिकल साइंस की पढ़ाई करना चाहती है। अपनी योजनाओं के बारे में बताया कि उनका लक्ष्य पीएचडी करना है। यह भी बताया कि तैयारी करते समय हमेशा अपने से मजबूत छात्र के साथ प्रतियोगिता रखनी चाहिए। छात्रा के 10वीं में 94.4 फीसदी अंक आए थे। छात्रा के पिता रामकुमार यादव एयरफोर्स में सार्जेंट और मां प्रमिला यादव गृहणी है। वे एयरफोर्स कैंपस चकेरी की रहने वाली है।

लोहिया एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल ने मारी बाजी

कानपुर। लोहिया एकेडमी इंटरनेशनल श्याम नगर घाटमपुर के छात्रों ने सोमवार को घोषित सीबीएसई के परिणामों में बाजी मारी।10 वी से आर्यनश साहू 97 फीसदी और 12वीं से शिव सचान 94 फीसदी अंक पाकर अव्वल रहे। इसी तरह दसवीं से मोहम्मद शारिक 95 फीसदी, हर्ष प्रताप सिंह 93 फीसदी, हर्षा 92 फीसदी, ज्ञानेंद्र प्रजापति 92 फीसदी, शगुन सिंह, आदित्य सिंह 90 फीसदी ने भी स्कूल का मान बढ़ाया।

मुंह मीठा कराया।

'जिसे पाकिस्तान अच्छा लगता है, यहां से जाए'

भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के समर्थन में हिंदू इंटर कॉलेज में मुख्यमंत्री ने भरी हुंकार

कार्यालय संवाददाता, अतर्रा (बांदा)

- कहा, नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, कोई छेड़े तो छोड़ता भी नहीं
- सपा, बसपा और कांग्रेस ने संसाधनों को लूट कर अपनी जेबें भरीं

अमृत विचार। बुंदेलखंड में लगातार बढ़ रहे तापमान के साथ ही यहां चुनावी पारा भी तेजी से चढ़ने लगा है। चौथे चरण के मतदान के साथ ही पांचवें चरण के चुनाव को लेकर सभी सियासी दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है। लोकसभा का रण जीतने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांदा-चित्रकूट सीट से भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के समर्थन में हिंदू इंटर कॉलेज के मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान के समर्थकों को भारत का बोझ कम करते हुए वहां चले जाने का संदेश दिया। कहा कि जिसे पाकिस्तान अच्छा लगता है, वह भारत से निकल कर पाकिस्तान चले जाएं और वहां भीख मांगें। जहां एक ओर पाकिस्तान में आटा के लिए खूनी संघर्ष की खबरें आ रही हैं, वहीं मोदी सरकार में देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में नए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हुआ है। देश के दुश्मनों को चेतावनी देते हुए कहा कि नया भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन कोई छेड़े तो उसे छोड़ता भी नहीं है।

उन्होंने पूरे विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस के लोगों ने यहां के संसाधनों को लूट कर अपनी जेबें भरने का काम किया है और यहां के लोगों को प्यास से तड़पने को विवश कर दिया था। भाजपा सरकार ने यहां की पानी की समस्या दूर करने के लिए हर घर नल योजना शुरू की, जो कि अब अंतिम चरण में है। शीघ्र ही सभी बुंदेलखंडवासियों को नल से शुद्ध पानी मिल सकेगा। सीएम योगी ने बांदा-चित्रकूट की जनता से भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल को जिताकर संसद भेजने का आह्वान किया। कहा कि विकास की बुलेट ट्रेन आगे बढ़ाने के लिए आरके सिंह पटेल सांसद आवश्यक हैं।

उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया। बताया कि पीएम मोदी की अगुवाई में देश के 50 करोड़ लोगों के जनधन एकाउंट, 12 करोड़ अन्नदाता किसानों को सम्मान निधि, 12 करोड़ घरों में शौचालय, 10 करोड़ उज्ज्वला योजना के गैस सिलेंडर और 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान दिए गए हैं। बताया कि अगले पांच वर्षों में सभी को आवास योजना से आच्छादित करने का प्लान तैयार है। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि देश और प्रदेश की सरकार सबका साथ सबका विकास के आधार पर बगैर जाति और मजहब में भेदभाव किए योजनाओं का लाभ दे रही है और समूचे देशवासियों को जीवन स्तर सुधारने का प्रयास कर रही है। कहा कि विकास की गाड़ी बुलेट ट्रेन की स्पीड़ से आगे बढ़ रही है। इस मौके पर सूबे के जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, नरैनी विधायक ओममणि वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय सिंह, चित्रकूट जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वंदना गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष डा.धर्मेंद्र त्रिपाठी, महामंत्री अखिलेशनाथ दीक्षित समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुफ्तगू करते सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी।

मुख्यमंत्री ने विधायक से की गुफ्तगू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रानी दुर्गावती , ऋषि बामदेव और नीलकंठ भगवान को याद कर अपने भाषण की शुरुआत की।उन्होंने सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी से लोकसभा चुनाव की स्थितियों को लेकर गुफ्तगू भी की। दोनो नेताओ के बीच लोकसभा चुनाव में आ रहीं कमियों को दूर कर इस सीट को जीतने पर विस्तृत चर्चा हुई। विधायक ने उन्हें इस सीट के जीतने पर आश्वस्त किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि विधायक के पत्र लिखने पर मैं बीमारी का रुपया तुरंत भेजता हूं।

नामांकन वापस करेंगे अफजाल, अब नुसरत मैदान में

लखनऊ। सजा को लेकर हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान नई तारीख मिलने के बाद गाजीपुर संसदीय सीट से अफजाल अंसारी अपना नामांकन वापस कराएंगे। अब अफजाल की बेटी ही अधिकृत उम्मीदवार होंगी। हाईकोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 20 मई तय की है। ऐसे में अफजाल के पास चुनाव लड़ने का कोई विकल्प नहीं बचा।

चूंकि अफजाल को हाईकोर्ट से अंतिम निर्णय न हो पाने का अंदेशा पहले से था, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक रूप से अपना उत्तराधिकारी पहले से तैयार कर लिया था। उनकी बेटी नुसरत लगातार प्रचार भी कर रही थी। अफजाल अंसारी टीम से जुड़े लोगों ने बताया कि 13 मई को अगर फैसला अफजाल के पक्ष में आता तो अफजाल ही चुनाव लड़ते। अपनी बेटी नुसरत के साथ साथ उन्होंने भी नामांकन करा लिया था। लेकिन अब उनकी बेटी ही चुनाव लड़ेगी।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

धमकी भरे ई-मेल पर बनेगा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में विभिन्न सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, स्कूलों आदि में आए दिन बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिलने को लेकर पुलिस मुख्यालय सतर्क हो गया है। विभाग इसके लिए अब ठोस कदम उठाने जा रहा है। ई-मेल मिलने पर जनपद और कमिश्नरेट पुलिस को क्या-क्या करना है, इसके लिए विभाग एसओपी (स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार करने जा रहा है। इससे ई-मेल आने पर विभाग हमेशा सतर्कता की स्थिति में रहेगा। पुलिस का यह भी मानना है कि अब तक जितने भी धमकी भरे ई-मेल ट्रेस किए गए, वह दूसरे देशों से भेजे व मिले थे। फिर भी एसओपी इसलिए तैयार किया जा रहा है कि किसी भी धमकी भरे ई-मेल को हल्के में न लिया जाए। फर्जी ई-मेल पर भी गाइडलाइन का पालन हो।

> धमकी भरे ई-मेल को ट्रेस करने के लिए साइबर सेल लगातार सक्रिय है। किसी भी धमकी भरे ई-मेल को हल्के में नहीं लेना है, इसके लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव का समय होता है तो ऐसे फर्जी ई-मेल आते रहते हैं। फिर भी सतर्कता बहुत जरूरी है। सतर्कता में किन मापदंडों का पालन होगा इसके लिए जल्द दिशा निर्देश दिए जाएंगे।
>
> – अमिताभ यश, एडीजी, कानून-व्यवस्था

'अखिलेश सपरिवार हार रहे चुनाव'

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर के साथ पत्रकारों से चर्चा की।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जनता जनार्दन ने अब प्रदेश की सभी 80 सीटों पर कमल खिलाने का स्पष्ट मन बना लिया है। दोनों ही चरणों में जनता ने विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया है। बीते तीन चरणों में हार की हताशा में सपाई और इंडी पार्टनर्स तीसरे चरण में हिंसा पर उतारू हो गये। उनके नेता अपने बयानों से लोगों को भड़काने का कुकृत्य करने लगे हैं। वे बुरी तरह पराजित हो रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पूरा परिवार चुनाव हार रहा है। वे खुद कन्नौज से चुनाव हार गये हैं।

राहुल ने मिथुन की दुकान पर कटाई दाढ़ी

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में नामांकन के बाद सोमवार को प्रचार करने रायबरेली पहुंचे राहुल गांधी ने ताबड़तोड़ नुक्कड़ सभाएं की। लोगों से अपने लिए वोट भी मांगें। राहुल गांधी ने प्रचार के बाद एक नाई की दुकान पहुंचकर दाढ़ी बनवाई। जब राहुल दाढ़ी बनवा रहे थे तो वहां उनके समर्थकों की भीड़ लग गई।

राहुल गांधी का काफिला लालगंज से जाते समय अचानक बृजेंद्र नगर मोहल्ला स्थित मिथुन की बाल कटिंग की दुकान पर रुक गया। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते राहुल गांधी अंदर जाकर कुर्सी पर बैठ गए और दाढ़ी सेट करने को कहा। उसके बाद मिथुन राहुल गांधी की दाढ़ी कटिंग की। हालांकि इस दौरान उन्हें एसपीजी के जवान घेरे रहे। इसी बीच वहां कुछ युवा पहुंच गए और उन्होंने राहुल को भावी प्रधानमंत्री कहकर संबोधित किया तो उन्होंने सपा की टोपी लगाए गौरव यादव नामक युवक को अपनी जेब से टॉफी निकाल कर दी। इसके बाद राहुल गांधी ने नाई को दाढ़ी सेट करने के 500 रुपये दिए। इसके बाद राहुल गांधी आगे के सफर के लिए रवाना हो गए।

दाढ़ी कटवाते राहुल गांधी। अमृत विचार

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि मैं **यशोदा पत्नी स्व0 प्रेम कनौजिया बसंत कुंजयोजना, निवासिनी – सेक्टर–एच / 14 / 24, हरदोई रोड, काकोरी जनपद लखनऊ – 227107** मैं अपनी पुत्री अंकिता कनौजिया उर्फ शिवानी पुत्री स्व0 प्रेम कनौजिया जो कि मुझे बिना बताये घर से चली गयी है तथा किसी व्यक्ति से अपना विवाह कर लिया है जिससे मैं व मेरा परिवार क्षुब्ध होकर उपरोक्त अंकिता कनौजिया उर्फ शिवानी को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही है तथा आज के बाद अंकिता कनौजिया उर्फ शिवानी द्वारा किसी भी प्रकार का अनैतिक / गैर कानूनी कार्य के लिए जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी । मेरा व मेरे परिवार से किसी भी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकार नही होगा ।

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम JANG BAHADUR SINGH था अब मैंने बदलकर अपना नाम JANG BAHADUR रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये S/O: NARENDRA KUMAR SINGH, R/O- SAMAISA, KHERI

सूचना
पहले मेरा नाम SYED YASOOB HAIDER था अब मैंने बदलकर अपना नाम YASOOB HAIDER रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O: SYED ALI AFSER ABDI, R/O- 4/5/57, AKHTER PRESS IMAMBARA, FAIZABAD, AYODHYA

सूचना
सूचित हो कि **हर्षित मौर्य पुत्र सियाराम मौर्य, निवासी– हाजीपुर बरूआर, पोस्ट– मेवपुर, बरचौली, जिला–सुल्तानपुर, मो0 –7379990372,** मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक–212192520 वर्ष 2021 वास्तव में खो गयी है।

सूचना
सूचित हो कि मेरे पति रमेश चंद्र जूनियर टेक्नीशियन एनटीपीसी के सेवा अभिलेखों में मेरा नाम देवी दर्ज है , जो अपूर्ण और गलत है । जबकि अन्य अभिलेखों में मेरा नाम श्रीमती देवी दर्ज है , जो पूर्ण और सही है । अतः मेरे पति के सेवा अभिलेखों के मेरा पूर्ण नाम श्रीमती देवी दर्ज किया जाए । – **श्रीमती देवी पत्नी रमेश चंद्र निवासिनी – चंदेलन का ताल , मजरे – अरखा मुस्तकिल , तहसील – ऊंचाहार , रायबरेली**

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD IQBAL था अब मैंने बदलकर अपना नाम IQBAL ALI रख लिया है । भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O: MAULA BAKSH, R/O- BHARTIYA PO- RAHIMABAD MALIHABAD, LUCKNOW

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइवरिंग लाइसेंस में मेरा नाम Sunil Kumar Yadav s/o Ram Sajeevan Yadav दर्ज है , जो त्रुटिपूर्ण और गलत है । जबकि अन्य अभिलेखों में मेरा नाम Sushil Kumar s/o Ram Sajivan दर्ज है , जो सही है । अतः ड्राइवरिंग लाइसेंस में मेरा सही नाम Sushil Kumar s/o Ram Sajivan दर्ज किया जाए । – **सुशील कुमार पुत्र राम सजीवन , निवासी – ग्राम – धनेही , मजरे मवई , प.– सलोन, तहसील – ऊंचाहार , जिला – रायबरेली**

राजनीति

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जालौन के माधौगढ़ में की सभा, मोदी सरकार की गिनाईं उपलब्धियां

राम मंदिर का आमंत्रण ठुकराने वालों को वोट से ठुकराएं : मौर्य

संवाददाता माधौगढ़, उरई, जालौन

अमृत विचार। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा जिन लोगों ने अयोध्या में प्रभुश्री राम जन्म मंदिर का आमंत्रण ठुकराया, उसी तरह इस बार के चुनाव में जनता उन्हें वोट से ठुकराने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने माना था कि 1 रुपया भेजता हूं तो 15 पैसा ही विकास कार्य में लगता है। बाकी 85 फीसदी बजट बंदरबांट में चला जाता है। यह सत्यता उन्होंने स्वीकार की थी, लेकिन मोदी सरकार ने ऐसे भृष्टाचार को खत्म करने के लिए गरीबों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं का 34 लाख करोड़ रुपया सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजा है।

मौर्य सोमवार को यहां स्व. बहादुर सिंह महाविद्यालय के प्रांगण में भाजपा प्रत्याशी भानुप्रताप वर्मा के पक्ष में जनसभा कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री मौर्य की आयोजित जनसभा में भारी भीड़ जुटी, जिसे देख उत्साहित डिप्टी सीएम ने भाजपा कार्यकर्ताओं की नब्ज को टटोलते हुए राम जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा और हिंदू-मस्लिम के मुद्दे को उठाकर जुटी भीड़ की खूब तालियां बटोरी। उन्होंने कहा कि गरीबों को हमेशा फ्री राशन मिलता रहे, कच्चे मकान पक्के बनाते रहें, शौच के लिए खेतों में न जाना पड़े, इसके लिए तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है। मौर्य ने मोदी सरकार में बुंदेलखंड के एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण समेत भाजपा की केंद्र सरकार की उपलब्धियों का सिलसिले बार बखान किया। उन्होंने महिलाओं, नौजवानों, बुजुर्गों, छात्रों से भावनात्मक रूप से जुड़ते हुए कहा कि डिफेंस कॉरिडोर बनने के बाद सैकड़ों उद्योगपति बुंदेलखंड में पूंजी निवेश के लिए आतुर दिखाई दे रहे है। जिनसे बुंदेलखंड के नौजवानों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं बनती दिखाई दे रही हैं। बुंदेलखंड के लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। समूह के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का काम मोदी सरकार कर रही है। स्मार्ट सिटी बनाने में बड़ी उपलब्धि हासिल करने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने अब स्मार्ट गांव बनाने की योजना तैयार की है। मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद 3 करोड़ और गरीबों को पक्के मकान की सौगात देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कहा कि कांग्रेस और सपा के दोनों नेता कन्नौज और रायबरेली से हारने जा रहे हैं। सपा को गुंडों की सरकार बताते हुए प्लॉट, जमीनों पर कब्जा करने वाली पार्टी है। उत्तर प्रदेश के माफिया त्राहिमाम कर गले में तख्तियां लटका कर थानों में पहुंच रहे हैं। सपा मुखिया का नाम लिए बगैर मौर्य ने मुख्तार अंसारी के कब्र पर जाने और आंसू बहने के मुद्दे को भी बड़ी चतुराई से जनसभा के माध्यम से जनता तक पहुंचाया। इससे उत्साहित कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के गगन भेदी नारे लगाए। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी भानू प्रताप वर्मा को ऐतिहासिक जीत दिलाने का कार्यकर्ताओं से हाथ उठवा कर संकल्प दिलाया। सभा को माधोगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन,सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी आदि मौजूद थे।

सभा को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य। अमृत विचार

डिप्टी सीएम ने विधानसभा क्षेत्र के विकास का किया वादा

महाविद्यालय के खचाखच भरे प्रांगड़ से डिप्टी सीएम गदगद दिखे,उन्होंने माधौगढ़ विधानसभा के लिए विकास के रास्ते लखनऊ से खोलने का वादा किया। डॉ दिलीप सेठ की देखरेख में हुई व्यवस्था से कार्यकर्ता भी खुश नजर आए। पानी,कूलर की व्यवस्था अच्छी होने से गर्मी भी कार्यकर्ताओं के जोश को कम नहीं कर सकी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा में आये आशु चतुर्वेदी (विधायक प्रतिनिधि कालपी),शीतल कुशवाहा,रविन्द्र राजावत,प्रबल प्रताप सिंह के नाम लेकर उनसे भाजपा को जिताने की अपील की।

समृद्ध, रितिका, जाह्नवी व शिखर ने लहराया परचम

मतदान दिवस पर परीक्षा परिणाम घोषित होने से परेशान रहे छात्र-छात्राएं और अभिभावक

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। मतदान दिवस पर सीबीएसई का दसवीं व बाहरवीं का परीक्षा परिणाम घोषित होने से मेधावी छात्र-छात्राओं को विद्यालय की मेरिट लिस्ट अपनी पोजीशन जानने में असुविधाओं का सामना करना पड़ा। यही नहीं विद्यालय प्रशासन भी स्टाफ नहीं बुलाकर स्कूल का गौरव बढ़ाने वाले बच्चों को सम्मानित नहीं कर सका। शहर के डा. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर के छात्र समृद्ध सिद्धार्थ ने 98.6 फीसदी अंक लाकर विद्यालय की हाई स्कूल परीक्षा में टाप किया, जबकि इंटरमीडिएट की रितिका सिंह 95.8 फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय टापर बनीं। वहीं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दही चौकी की जान्हवी अवस्थी 95.4 और इंटरमीडिएट के शिखर वर्मा 92.2 ने विद्यालय के मेधावियों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने का गौरव पाया।

डा. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर के श्रेष्ठ मिश्रा ने 97.2, प्रिंस कुमार ने 96.6, समृद्धि सेंगर ने 96.4, सोनाक्षी सिन्हा ने 96.2 प्रतिशत अंक अर्जित करते हुए हाई स्कूल में विद्यालय की मेरिट लिस्ट में क्रमशः दूसरा, तीसरा, चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया। इसी तरह इंटरमीडिएट में अनुराग वर्मा ने 93, विराट मिश्रा ने 90.2, अर्पित सिंह ने 90 और आदित्य प्रताप सिंह ने 89.2 फीसदी अंक प्राप्त कर टाप फाइव में स्थान प्राप्त करने में कामयाबी हासिल की। इधर, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दही चौकी अजिता ने 94.4, ओजस्वी यादव ने 92.6, स्वाभिमान पटेल ने 91 और श्रद्धा शुक्ला ने 90.6 फीसदी अंका प्राप्त करते हुए हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वहीं पलक यादव 92.2, अंशिका वाजपेयी 91.8 और अराध्या सैनी ने 91.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर मेधावियों की सूची में क्रमशः दूसरा, तीसरा व चौथ स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय की ओर से यह जानकारी उपलब्ध कराते हुए शिक्षक पीपीएल सिंह ने बताया कि हाई स्कूल की परीक्षा में शामिल हुए 95 में 94 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए अगली कक्षा में प्रवेश प्राप्त करना सुनिश्चित कर लिया है। एक छात्र को कंपार्टमेंट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अगली कक्षा प्राप्त होगी। बताया कि इंटर में शतप्रतिशत 82 विद्यार्थियों को बोर्ड ने उत्तीर्ण घोषित किया है।

जनपद के होनहार बच्चे

श्रेष्ठ मिश्रा दसवीं 97.2 प्रतिशत | सोनाक्षी सिन्हा दसवीं 96.2 प्रतिशत | आदित्य प्रताप सिंह बारहवीं, 89.2 प्रतिशत | अनुराग वर्मा बारहवीं 93 प्रतिशत | अर्पित सिंह बारहवीं 90 प्रतिशत | अंशिका शुक्ला बारहवीं 94 प्रतिशत | अजिता मिश्रा दसवीं 94.4 प्रतिशत

रितिका सिंह बारहवीं 95.8 प्रतिशत | विराट मिश्रा बारहवीं 92.2 प्रतिशत | जान्हवी अवस्थी दसवीं 95.4 प्रतिशत | समृद्ध सिद्धार्थ दसवीं 98.6 प्रतिशत | प्रिंस कुमार दसवीं 96.6 प्रतिशत | समृद्धि सेंगर दसवीं 96.4 प्रतिशत

ओजस्वी यादव हाईस्कूल 92.6 प्रतिशत | श्रद्धा शुक्ला हाईस्कूल 90.6 प्रतिशत | स्वाभिमान पटेल हाईस्कूल 91 प्रतिशत | अराध्या सैनी बारहवीं 91.8 प्रतिशत | पलक यादव बारहवीं 92.2 प्रतिशत | अंशिका शर्मा बारहवीं 88 प्रतिशत

गंगा में डूबे कानपुर के छात्र का मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

- रविवार दोपहर गंगा नहाते समय डूबे थे चार छात्र

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पुराने यातायात पुल और रेलवे पुल के बीच में रविवार दोपहर गंगा नहाने के दौरान चार छात्र डूब गये थे, जहां तीन को बचा लिया गया। वहीं एक छात्र गहरे पानी में जाने के कारण लापता हो गया था। सोमवार को दूसरे दिन गोताखोरों ने उसकी तलाश की। जहां नवीन पुल के पास उसका शव उतराता मिला। शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया।

किदवई नगर बगाही भट्टा निवासी मिश्रीलाल साहू का सत्रह वर्षीय इकलौता बेटा विशाल साहू घर से परेड़ किताबें खरीदने की बात कहकर निकला। जिसके बाद अपने साथी दीपक कश्यप (17), प्रिंस कुमार (16), आदित्य कुमार (17) के साथ गंगाघाट कोतवाली के क्षेत्र के पुराने यातायात पुल और रेलवे पुल के बीच में गंगा नहाने के दौरान डूब गये थे। जहां तीन छात्रों को बचा लिया गया था। वहीं विशाल गहरे पानी में चला गया था। देर शाम तक गोताखोरों ने उसकी तलाश की लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। जिसके बाद सोमवार सुबह गोताखोर अकील और कलीम स्टीमर से जाजमऊ पुल तक छात्र की खोजबीन की। जिसके बाद सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे विशाल का शव नवीन पुल कोठी के पास उतराता मिला। गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला। शव देख मां शिवलली, बहन स्नेहा और पिता का रो रो कर बुरा हो गया। परिजनों ने बिना पीएम कराये शव अपने साथ लेकर कानपुर चले गये।

नहाते समय तालाब में डूबकर बच्चे की हुई मौत

बिछिया, उन्नाव। दही थानाक्षेत्र के हिन्दूखेड़ा गांव में दोस्तों के साथ बकरी चराने गया 10 वर्षीय बच्चा तालाब में नहाते समय डूब गया। ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकालकर परिजन पास के निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। हालांकि, परिजनो के पोस्टमार्टम से इंकार करने पर पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव ने शव उन्हें सौंप गया। ग्राम पंचायत तार गांव के मजरा हिंदूखेड़ा निवासी अनूप (10) पुत्र ओमप्रकाश रविवार शाम गांव के बाहर दोस्तों के साथ अपनी बकरी चराने गए थे। जहां वह पास में बने तालाब में नहाने लगा। नहाते समय वह गहरे पानी में डूब गया। उसे डूबता देख बच्चों ने शोर मचाया। इस पर मौजूद ग्रामीणों ने तालाब में कूदकर उसे बाहर निकाला। इसी दौरान परिजन भी पहुंच गए और उसे पास के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरा लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इंकार कर दिया। इस पर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बड़े बेटे की मौत की मौत मां रामश्री बेहाल है। दरोगा खेड़ा चौकी इंचार्ज रामप्रताप सिंह ने बताया बच्चे की डूबने ने मौत हुई थी। परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इंकार कर दिया।

पंपिंगसेट की चपेट में आकर बच्ची हुई घायल

बांगरमऊ (उन्नाव)। कोतवाली क्षेत्र के तहिरापुर गांव निवासी प्रमोद की बेटी बेबी (9) पिता के साथ खेत गई थी। खेत में सिंचाई के लिए पंपिंग सेट चल रहा था। खेलते समय अचानक बच्ची पट्टे में फंस गई। चीखने की आवाज सुनकर पिता दौड़ा और पंपिंग सेट बंद किया। लेकिन तब तक बेटी गंभीर घायल हो गई। परिजन उसे सीएचसी लाए। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

मौके पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की हो गई मौत

संवाददाता शुक्लागंज-उन्नाव

- सरैयां रेलवे क्रासिंग के पास हुआ हादसा

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के अली नगर निवासी एक युवक सोमवार दोपहर छमकनाली और सरैयां रेलवे क्रासिंग के पास रेल पटरी के किनारे से जा रहा था, तभी अप लाइन से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पीएम के लिये भेजा है।

आजाद नगर के अली नगर मोहल्ला निवासी स्व0 प्रेम कुमार का 19 वर्षीय बेटा दीपक कश्यप सोमवार दोपहर लगभग एक बजे छमकनाली और सरैयां क्रासिंग के बीच रेल पटरी से होते हुये जा रहा था, तभी लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही ट्रेन संख्या 05325 की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह देख सरैयां गेटमैन ने गंगाघाट स्टेशन मास्टर को सूचना दी। जिसके बाद एसएस ने गंगाघाट कोतवाली पुलिस को मेमो दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। वहीं युवक की मौत की सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

अमन त्रिपाठी ने दसवीं में प्राप्त किया दूसरा स्थान

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

- अंबिका स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

अमृत विचार। सोमवार दोपहर जैसे ही सीबीएसई बोर्ड ने इंटर की परीक्षा का परिणाम घोषित किया। वैसे ही शुक्लागंज में रहने वाले छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने परीक्षा परिणाम देखे। परिणाम अच्छा देख छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल गये। वहीं दोपहर के समय हाई स्कूल की परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। जिसमे सहजनी स्थित एमडीपीएस स्कूल के हाईस्कूल के छात्र ने जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही अंबिका स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं ने अच्छे अंक प्राप्त किये।

सीबीएसई बोर्ड ने सोमवार को इंटर और हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित किया। जिसमें नगर में रहने वाले छात्र-छात्राओं ने अच्छे अंक प्राप्त कर नगर का मान बढ़ाया। सहजनी स्थित महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने नगर में सर्वोत्तम सफलता का झंडा लहराया। जिसमें हाईस्कूल में अमन त्रिपाठी 97, मानसी त्रिवेदी 94.8, रितिका 94.6, शुभी अग्निहोत्री 93, सचबाला राजपूत 92.8, सार्थक 92, ऋषि निगम 91.8, प्रतिष्ठा गुप्ता 91.4, प्रियांशी सिंह 91 प्रतिशत अंक हासिल किये। वहीं इंटर में राधिका यादव 90.4, वैभव महेश्वरी 88.6, नेहा निषाद 86, यश पांडे 84.8, अभिषेक शुक्ला 84, गीतांश ने 81 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं। विद्यालय प्रबंधक मयंक शुक्ला ने बच्चों को माला पहनाकर सम्मानित किया है। इसी तरह राजधानी मार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल के हाईस्कूल में रुद्र प्रताप सिंह 93.6, इलिश्वा 92.2, आनया गुप्ता 92, आयशा परवीन 91.8, विराट शर्मा 91.6, पुलकित सिंह 91, सम्भवी साहू 90 प्रतिशत अंक हासिल किये।

इसी तरह इंटर में अनुभव गुप्ता 89.2, आयरिश गुप्ता 87, प्रिया मेहरोत्रा 86.2 प्रतिशत अंक हासिल किये। प्रबंधक अजय त्रिवेदी और प्रधानाचार्या डेफनी लेम्यूर ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं गोपीनाथपुरम निवासी संजय सिंह के बेटे आदर्श ने हाईस्कूल में 94.2 फीसदी अंक हासिल किये। वह आईएएस बनना चाहते हैं। इसी तरह अंबिकापुरम निवासी प्रांजल वर्मा ने हाईस्कूल में 97 फीसदी अंक हासिल किये हैं।

विजयी मुद्रा में बैठे एमडीपीएस के दसवीं और बारहवीं के छात्र। अमृत विचार

10वीं के छात्र अमन त्रिपाठी 97 प्रतिशत | बारहवीं की छात्रा राधिका यादव 90.4 प्रतिशत | दसवीं के छात्र आदर्श 94.2 प्रतिशत | दसवीं के छात्र प्रांजल वर्मा 97 फीसदी

दसवीं के छात्र रूद्र प्रताप सिंह 93.6 प्रतिशत | दसवीं की छात्रा इलिश्वा 92.2 प्रतिशत | बारहवीं के छात्र अनुभव गुप्ता 89.2 प्रतिशत | बारहवीं के छात्र आयरिश गुप्ता 87 प्रतिशत

देश की सेवा करेंगे अमन त्रिपाठी

जिले में हाईस्कूल में दूसरा स्थान पाने वाले अमन त्रिपाठी ने 97 फीसदी अंक प्राप्त किये। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। वह एनडीए की तैयारी कर देश की सेवा करेंगे।

सार-संक्षेप

जहरीला पदार्थ निगल कर युवक ने दी जान

पुरवा। सलेथू गांव निवासी बाराती लाल (32) पुत्र रामेश्वर रावत मजदूरी करता था। वह शराब का लती था और उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। बताते हैं कि रविवार रात उसकी परिजनों से किसी बात पर कहासुनी हो गई। इसी से आहत होकर उसने घर में रखा जहरीला पदार्थ निगल लिया। उसे उल्टियां करते देख परिजनों को इसकी जानकारी हुई। आनन-फानन उसे सीएचसी पहुंचाया गया। जहां उसे गंभीर देख डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया। जहां देररात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वह पांच भाइयों में चौथे नंबर पर था। बेटे की मौत से मां कलावती बड़े भाई गोवर्धन सहित अन्य परिजन रो-रो कर बेहाल रहे। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द किया। एसएचओ कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया हैं। रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आमने-सामने टकराईं बाइकें, युवक की मौत

पुरवा। असोहा कस्बा निवासी अली हसन (40) पुत्र बशीर रविवार शाम कस्बा की साप्ताहिक बाजार गया था। जहां से वापस लौटते समय भल्लाफार्म-कालूखेड़ा मार्ग पर कस्बा के पास ही उसकी बाइक सामने से आई दूसरी बाइक से टकरा गई। इसमें अली हसन व दूसरा बाइक चालक दीपक निवासी शिवगढ़ जिला रायबरेली सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हे सीएचसी पहुंचाया। जहां अली हसन के सिर पर आई गंभीर चोटों को देखते हुए उसे पर डाक्टर ने उसे रेफर कर दिया। परिजनों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। इसकी खबर घर पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। लखनऊ पुलिस ने उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उसकी मौत से पत्नी जरीना, मां सुबराता, बेटा अली अहमद, बेटी मुस्कान व महक का रो-रोकर बुरा हाल हैं। वहीं घायल दीपक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसओ रामऔतार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

उन्नाव। बिहार थानांतर्गत भगवंतनगर कस्बा के पास तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने बाइक में टक्कर मार दी। इसमें पड़ोसी के साथ गंगा स्नान कर लौट रही महिला बाइक से गिरकर गंभीर घायल हो गई। उसे पास के अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। लखनऊ जिला के निगोहा थानाक्षेत्र के परमपुर गांव निवासी विद्या देवी (45) पत्नी विश्राम रावत सोमवार को अपने पड़ोसी रामविलास लोध के साथ बाइक से गंगा स्नान करने बक्सर गंगा तट आई थी। स्नान व चंडिका माता मंदिर में दर्शन कर लौटते समय भगवंतनगर कस्बा में सामने से आ रहे ई-रिक्शा ने बाइक में टक्कर मार दी। पीछे बैठी विद्या देवी उछलकर सड़क पर गिर गईं। इसमें उसके सिर पर गंभीर चोटें आ गईं। राहगीरों ने उसे पास के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं बाइक चला रहा पड़ोसी बाल-बाल बच गया। महिला का पति मजदूरी कर परिवार का खर्च चलाता है। उसकी मौत से पति व बेटे अनिल कुमार के अलावा बेटी संध्या व खुशी रो-रोकर बेहाल रहीं। हादसे के बाद चालक ई-रिक्शा लेकर भाग निकला।

ओवरटेक करने के दौरान कार पलटने से दो घायल

गंजमुरादाबाद। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर ओवरटेक करते समय ट्रक की टक्कर से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें कार के परखच्चे उड़ गए और उसमे सवार दो व्यक्ति गंभीर घायल हो गए। जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बिहार प्रांत के जिला भागलपुर अंतर्गत थाना व कस्बा सभोट निवासी आयुष सिंह पुत्र अशोक कुमार कस्बा के ही राज यादव के साथ कार से दिल्ली से बिहार जा रहे थे। सोमवार दोपहर बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर गौरिया कला गांव के पास ओवरटेक के प्रयास में कार तेज रफ्तार ट्रक से टकराकर पलट गई। इसमें कार क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों व्यक्ति गंभीर घायल हो गए। जिन्हें यूपीडा की रेस्क्यू टीम ने अस्पताल पहुंचाया।

महिला को तमंचा दिखा लूट ले गए लाखों के जेवरात

सोहरामऊ। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव नंदौहा में बीती रात चोरों ने धावा बोला। वहीं अर्जुनामऊ गांव में असलहा के दम पर लूटपाट की। जब गृहस्वामी ने चोरों का पीछा करने का प्रयास किया तो उन्होंने उस पर फायर कर दी। गृहस्वामी ने खेत में लेटकर अपनी जान बचाई। पीड़ितों ने सोहरामऊ थाने में तहरीर दी है। बता दें कि सोहरामऊ थानाक्षेत्र के अर्जुनामऊ गांव निवासी अनिल पुत्र शिवचरण सिंह ने बताया कि घर में बीती रात छत के रास्ते पांच चोर दाखिल हो गए। उसकी पत्नी आंगन में लेटी थी। जिससे उन लोगों ने तमंचे के बल पर घर में रखा लाखों रुपए जेवर लूट लिया। जिसमें झुमकी, बाला, मंगलसूत्र, हाफपेटी, मांगबेदी आदि शामिल थे। घटना को अंजाम देकर लुटेरे निकल रहे थे तभी गृहस्वामी अनिल जाग गया उनका पीछा दिया। इस पर लुटेरों ने उस पर फायर कर दिया। जिससे उसने खेत में लेटकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने सुबह सोहरामऊ थाना पुलिस को तहरीर दी है। वहीं, दूसरी घटना गांव नंदौहा निवासी सर्वेश के घर में हुई। सर्वेश ने बताया कि चोरों ने छत के रास्ते से घर में घुसकर कमरे का ताला तोड़कर करीब तीन तोला सोने के जेवर व एक किलो चांदी के जेवर पार कर दिये हैं।

बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

बिछिया उन्नाव। लखनऊ-कानपुर हाईवे अंतर्गत दही थानाक्षेत्र के वसीरतगंज में कानपुर जा रही दो बाइकों में टक्कर हो गई। जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भेजते हुए शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। सदर कोतवाली क्षेत्र के केसरगंज निवासी गोलू (42) पुत्र हीरालाल बाइक से कानपुर की ओर जा रहे थे। तभी कांशीराम कालोनी निवासी रमेश मिश्रा की बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। इसमें गोलू की मौके पर मौत हो गई। जबकि एक अन्य घायल है। जिसे पुलिस ने इलाज के लिए भेजा है। दही एसओ अनुराग सिंह ने बताया कि घायल को अस्पताल भेजने के साथ शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

मतदान बहिष्कार के ऐलान पर दिनभर हांफते रहे अफसर

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

- कटरी गदनपुर अहार के लोगों ने पुलिस पर मढ़ा मारपीट कर जबरन मतदान कराने का आरोप

अमृत विचार। जिले के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग मागों को लेकर ग्रामीणों ने मतदान बहिष्कार किया। जानकारी पाकर अधिकारियों सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने समझा-बुझाकर ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान शुरू कराया।

बांगरमऊ संवाददाता के अनुसार, क्षेत्र के रबड़ी मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने प्राथमिक विद्यालय भवन से लेकर घनी आबादी तक मार्ग के दोनों तरफ घूरा-बठिया आदि अतिक्रमण हटवाने और सीसी मार्ग का निर्माण कराने को लेकर मतदान बहिष्कार का निर्णय ले लिया। इसकी जानकारी मिलते ही सीओ अरविंद कुमार ने तहसील व ब्लाक स्तरीय अधिकारियों से ग्रामीणों की मांग को लेकर वार्ता कर मतदान शुरू कराया। यहां सुबह सात बजे के बजाए करीब तीन घंटे विलंब से 10 बजे के बाद मतदान शुरू हो सका। इसी क्षेत्र की ग्राम पंचायत कटरी गदनपुर आहार में विभिन्न समस्याओं को लेकर मतदाताओं ने मतदान बहिष्कार किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यहां कोई अधिकारी मतदाताओं से वार्ता करने तो नहीं पहुंचा, लेकिन पुलिस कर्मियों ने जरूर धौल-धप्पड़ कर ग्रामीणों को मतदान करने के लिए बाध्य कर दिया। गांव निवासी तोताराम निषाद, राजेश व छेदीलाल आदि ने बताया कि स्थानीय समस्याओं से निजात पाने के लिए लोगों ने एकमत होकर मतदान बहिष्कार का निर्णय लिया था, लेकिन मौके पर मौजूद राजेपुर पुलिस चौकी के प्रभारी ने अन्य जवानों के साथ मिलकर ग्रामीणों से मारपीट करते हुए उन्हें मतदान करने के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि यह जानकारी पाकर मौके पर ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया और वह विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस पर फतेहपुर चौरासी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तोताराम को हिरासत में ले लेकर थाने ले गई। एसडीएम नम्रता सिंह सहित अन्य अधिकारियों की मान-मनौवल के बाद भी यहां दोपहर डेढ़ बजे तक करीब एक दर्जन मतदाताओं ने ही मताधिकार का प्रयोग किया। जानकारी पाकर करीब दो बजे पहुंचे क्षेत्रीय भाजपा विधायक श्रीकांत कटियार ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि अधिसूचना हटते ही गांव की तमाम समस्याओं को वरीयता से निस्तारित कराया जाएगा।

हसनगंज संवाददाता के अनुसार, क्षेत्र के बूथ संख्या 243 बारा बुजुर्ग के मतदाताओं ने विभिन्न समस्याओं को लेकर विरोध स्वरूप मतदान न करने पर अमल शुरू कर दिया। सेक्टर मजिस्ट्रेट के समझान का ग्रामीणों पर कोई प्रभाव नहीं हुआ। जानकारी पाकर पहुंचे सीओ संतोष सिंह ने सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ मिलकर गांव के मुवजिज लोगों को समझाते हुए मतदान शुरू कराने को कहा। यहां ग्रामीणों का कहना था कि दशकों से बारा बुजुर्ग-हुलासखेड़ा संपर्क मार्ग बदहाल है। बरसात में आवागमन ही बंद हो जाता है। इसके अलावा गांव में आबादी के बीच गौशाला का निर्माण करा देने से आए दिन गौवंश के आपस में भिड़ने पर ग्रामीण चुटहिल होते रहते हैं। इसके अलावा कोड़ा समंदर झील के नाले का निर्माण न होने से आसपास खेतों की फसल डूबकर नष्ट हो जाती है। सीओ ने मतदान बहिष्कार करने के बजाए बाद में इन मांगों को लेकर मुख्यालय पहुंचकर अधिकारियों के सामने उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समस्याओं का निराकरण बातचीत के माध्यम से ही संभव हो सकेगा। इस पर करीब 10. 45 बजे ग्रामीणों ने मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डालना शुरू किया। क्षेत्र के पिछवाड़ा स्थित बूथ 110 व बूथ-165 कन्या पाठशाला मोहान में ईवीएम खराब होने से करीब एक घंटे मतदान बाधित रहा।

औरास संवादाता के अनुसार, क्षेत्र के लहरू गांव में करीब साढ़े तीन घंटे मतदान बाधित रहा। ग्रामीण यहां स्थानीय समस्याओं के हल न होने तक मतदान न करने की जिद पर अड़े रहे, लेकिन अधिकारियों के समझाने के बाद उन्होंने मतदान में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। इसी तरह ताल्ही गांव के बूथ संख्या 199 व 195 पर मतदाताओं ने गोवंश सहित अन्य पशुओं द्वारा फसलों को पहुंचाई जाने वाली क्षति के विरोध में मतदान बहिष्कार किया।

नवाबगंज संवाददाता के अनुसार, अजगैन के प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र पर गांव के ही शुभम का अपने भाई से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पीठासीन अधिकारी ने मतदान केंद्र के बाहर निकलने को कहा, लेकिन वह विवाद करने पर अमादा रहे। इस पर पीठासीन ने अजगैन कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी।

गंजमुरादाबाद संवाददाता के अनुसार, ब्लाक क्षेत्र की ग्राम सभा तेरवा जहंगीराबाद के मजरा अकबरापुर मतदान केंद्र पर सोमवार को सुबह मतदान शुरू हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही बड़ी संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने खड़ंजा संपर्क मार्ग पर सीसी या डामरीकृत मार्ग निर्माण की मांग को लेकर मतदान बहिष्कार की घोषणा कर दी। करीब तीन घंटे मतदान बाधित रहने के बाद जनप्रतिनिधियों के समझाने-बुझाने पर करीब 11 बजे पुनः मतदान शुरू हो सका। परियर संवाददाता के अनुसार, स्थानीय बूथ संख्या सात, आठ व नौ को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर नाली का पानी भरा होने से ग्रामीणों में नाराजगी रही। ग्रामीण इसे लेकर मतदान न करने की घुड़की भी देते रहे। उन्होंने कहा कि वोट डालने घूंघट कर आने वाली महिलाओं को इससे खासी दिक्कत हो रही है। मतदान से पहले अधिकारियों को इस समस्या को हल कराना चाहिए था। मरौंदा मझवारा निवासी किरन, तारावती, श्रवन, किशोर, चंदा, काली, कुलदीप, प्रदीप, शिवदीप, सुशीला, गेंदेलाल, कोमल व सरला आदि ने आरोप लगाया कि बीएलओ ने विरोधियों के कहने पर उनके नाम हटा दिए हैं।

सोहरामऊ संवाददाता के अनुसार, क्षेत्र पंचायत नवाबगंज की ग्राम पंचायत रुदवारा व सेमरा के ग्रामीणों ने लगातार मांग किए जाने के बाद भी पोल्ट्री फार्म न बंद कराए जाने के विरोध में मतदान बहिष्कार के फैसले पर अड़े रहे। ग्रामीणों का कहना था पोल्ट्री फार्म की गंदगी से जहां दुर्गंध से सांस लेना दूभर रहता है। वहीं मक्खियां संक्रामक बीमारियां फैलाती हैं, जिससे ग्रामीणा खासकर बच्चों का स्वास्थ्य खराब रहता है। ग्रामीणों ने पूर्व घोषणा के तहत गांव के बाहर ही मतदान बहिष्कार का बैनर लगा रखा था। यह जानकारी पाकर प्रशासनिक अधिकारी व क्षेत्रीय विधायक ब्रजेश रावत ग्रामीणों को मनाने पहुंचे थे, लेकिन कोई टस से मस नहीं हुआ। इस पर एसडीएम हसनगंज हिमांशु गुप्ता, सीओ संतोष सिंह आदि ग्रामीणों को समझाने पहुंचे। इस दौरान ग्रामीण पोल्ट्री फार्म पर ताला जड़ने के बाद ही मतदान करने का ऐलान कर दिया।

रुदवारा में समझा कर वृद्धाओं को वोट डलवाने के लिए ले जाती महिला आरक्षी।

ग्रामीणों को समझाते सीओ संतोष सिंह।

जिले में शांतिपूर्ण रहा मतदान, 55.47 प्रतिशत पड़े वोट

बीते चुनाव में हुए मतदान को पाने में 53 प्रतिशत से चूके मतदाता, सूरज के तेवर भी नहीं डिगा सके हौसला, सुबह से शाम तक लगी रहीं लाइनें

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। भीषण गर्मी के साथ दोपहर से शाम तक तेज धूप होने के बाद भी जिले के करीब 55.47 फीसदी मतदाताओं ने जमकर अपने मताधिकार को प्रयोग किया। हालांकि, जोश से भरे मतदाता वर्ष-2019 में हुए चुनाव में 56 प्रतिशत हुए मतदान को छूने से .53 प्रतिशत से चूक गए। प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों के बाद भी जिले कि कुछ स्थानों पर विलंब से मतदान शुरू हो सका। वहीं कुछ बूथों पर ईवीएम खराब होने से भी मतदान प्रभावित हुआ। सुबह मतदान शुरू होने के बाद शुरुआती दो घंटों में नौ बजे तक 13.27 फीसदी मतदान हुआ। जिसे देखते हुए अधिकारियों को समाप्ति तक करीब 60 प्रतिशत मतदान होने की उम्मीद बंधी। हालांकि वह दोपहर में मौसम की मार पीक पर पहुंचने पर मतदान प्रतिशत में गिरावट की संभावना भी जताते रहे। अगले दो घंटे में भी मतदान का सिलसिला उत्साहजनक बना रहा। जिससे 11 बजे तक क्षेत्र में 27.09 फीसदी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए पिछला रिकार्ड टूटने की उम्मीद जीवंत बनाए रहे। वहीं दोपहर एक बजे तक पड़े वोट में मामूली गिरावट दिखाई दी। जिससे इस चरण में 38.60 मत पड़ने का कंट्रोल रूम को आंकड़ा प्राप्त हुआ। वहीं अगले दो घंटे में मत प्रतिशत में गिरावट बढ़ने का सिलसिला बना रहा और दोपहर तीन बजे तक मात्र 46.45 प्रतिशत वोट ही डाले जा सके। इसी तरह शाम पांच बजे तक केवल 53.90 फीसदी मतदाता वोट डालने मतदान केंद्र पहुंच सके। वहीं अंतिम मतदान प्रतिशत 55.47 प्रतिशत बताया गया है। यह मतदान प्रतिशत तब हो सका, जब जिले के डीएम गौरांग राठी और सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा ने अपने-अपने परिवारों के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर मताधिकार प्रयोग कर लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इसी तरह भाजपा प्रत्याशी व सांसद साक्षी महाराज ने भी सुबह ही गदनखेड़ा स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों को मताधिकार के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया। वहीं सपा प्रत्याशी पूर्व सांसद अन्नू टंडन व बसपा उम्मीदवार अशोक कुमार पांडेय ने भी वोट डालते हुए लोगों से हरहाल में मताधिकार का प्रयोग करने की सलाह दी। इसी तरह विधायक पंकज गुप्ता, श्रीकांत कटियार, बंबालाल दिवाकर, ब्रजेश कुमार रावत, आशुतोष शुक्ल सहित सभी पूर्व विधायकों ने भी अपने-अपने पोलिंग स्टेशन पहुंचकर मताधिकार का इस्तेमाल किया। सपा नेता डा. अभिनव कुमार ने अपने ताऊ पूर्व विधायक रामकुमार के साथ जीआईसी पोलिंग पर छोटे भाई सहित वोट डाला।

वोट डालकर निकले भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज।

वोट डालने को परिवार के साथ लाइन में लगीं सपा प्रत्याशी अन्नू टंडन। अमृत विचार

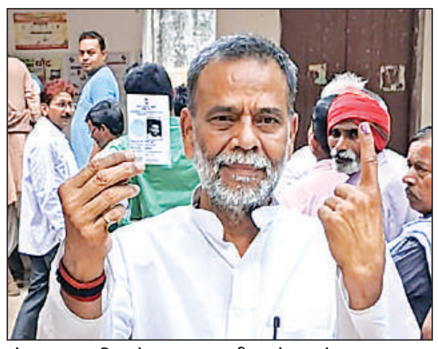
वोट डालकर निकले बसपा प्रत्याशी अशोक पांडेय।

लगातार एक्टिव रहा जिला स्तरीय एकीकृत कंट्रोल रूम

उन्नाव। विकास भवन सभागार में स्थापित एकीकृत कंट्रोल रूम में जहां सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट का सतत संपर्क स्थापित रहा। वहीं सोशल मीडिया सहित राष्ट्रीय मीडिया पर भी यहां से निगाहबानी की जाती रही। शिकायतों व समस्याओं का निराकरण कराने में भी कंट्रोल रूम की सहभागिता जारी रही। इसीलिए भारत निर्वाचन आयोग के सामान्य प्रेक्षक बाबू ए यहां घंटों डेरा डाले रहकर जिले में जारी मतदान की समीक्षा कर आयोग को डाटा भिजवाते रहे। मतदान भले सुबह सात बजे शुरू हुआ, लेकिन कंट्रोल रूम रात से ही एक्टिव बना रहा। कभी कंट्रोल रूम से सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट्स की लोकेशन ली जाती तो कभी निष्पक्ष व पारदर्शी निर्वाचन संपंन कराने को जांच के लिए तैनात की गई टीमों से अपडेट लिए जाते रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी, कार्मिक प्रभारी सीडीओ प्रेम प्रकाश, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम नरेंद्र सिंह व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष सहित अन्य अधिकारियों ने जहां रात के समय फोन पर कंट्रोल रूम से अपडेट लेते रहे। वहीं प्रेक्षक ने सुबह मतदान शुरू होते ही यहां आसन जमा लिया। यहां हर दो घंटे में सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट से मिले आंकड़े एकत्र कर जिले का मतदान प्रतिशत तय कर आयोग को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती रही। कई बार आयोग की ओर से भी अपडेट मांगे जाते रहे।

परिवार के साथ सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

पत्नी के साथ विधायक श्रीकांत कटियार।

पत्नी के साथ विधायक अनिल सिंह।

सीमाएं रहीं सील, वाहनों के संचालन पर नहीं रहा प्रतिबंध

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के लिए निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए जिले की सीमाएं भले ही सील रहीं, लेकिन लोगों को वाहनों से मतदान केंद्र सहित अन्य स्थानों तक आवाजाही करने में किसी तरह का प्रतिबंध नहीं रहा। वाहन प्रयोग करने की छूट होने की वजह से ही मतदाताओं खासकर बुजुर्ग मतदान करने मतदान केंद्रों तक पहुंच सके।

सुबह सात बजे से पहले ही लोग उत्साह पूर्वक मतदान करने के लिए बूथों पर पहुंचने लगे। वह यहां औपचारिकताएं पूर्ण करा बाएं हाथ की तर्जनी पर अमिट स्याही लगवाकर ईवीएम बाक्स के करीब पहुंचकर अपने पसंद के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट करते और ईवीएम से जुड़े वीवीपैट में दिखने वाली पर्ची में प्रिंटेड चुनाव निशान देखने के बाद बाहर का रुख करते।

हालांकि सुरक्षाकर्मी मतदान केंद्रों के गेट पर अनावश्यक भीड़ नहीं लगने दे रहे थे, लेकिन शहर में न तो कहीं बैरियर लगाए गए और न ही वाहनों से आवागमन करने वालों को ही कहीं रोका जाता। इसीलिए लोग खासकर बुजुर्ग व महिला मतदाताओं के लिए उनके परिवारीजन निजी वाहनों से मतदान केंद्र पहुंचाकर वोट डलवाते रहे। मतदान शुरू होने के बाद से दिन में 11 बजे तक शहर के किसी मतदान केंद्र पर मतदाताओं की हमेशा की तरह लंबी-लंबी लाइने लगी नहीं दिखी। इसके लिए काफी हद तक मतदान कार्मिकों की तत्परता की मतदाता सराहना करते हुए मतदान केंद्र के बाहर निकलते रहे।

पत्नी-बेटे के साथ विधायक ब्रजेश रावत।

रोक के बावजूद बूथ पर पहुंचे मोबाइल

उन्नाव। मतदान की गोपनीयता भंग न हो इसके लिए मतदाता को बूथ में मोबाइल ले जाने पर सख्ती से रोक थी। मतदेय स्थलों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों इसके लिए कड़ी हिदायत भी दी गई थी। इसके बावजूद कुछ लोग चोरी छुपे बूथ तक मोबाइल लेकर पहुंचे और अपने डाले गए वोट की फोटो खींच कर शोसल मीडिया पर वायरल भी की। हालांकि ऐसे किसी वायरल फोटो की अमृत विचार पुष्टि नहीं करता है। वहीं सूत्र बताते है कि पुलिस वायरल फोटो का संज्ञान लेकर मतदान की गोपनीयता भंग करने वालों पर कार्रवाई करने का मन बना रही है।

...तो हुआ जिम्मेदारी का अहसास

उन्नाव। लोकसभा चुनाव में पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे युवाओं में अलग ही जोश रहा। पहली बार मतदान करने पहुंचे युवा काफी उत्साहित दिखे। वे मतदान के बाद अंगुली में लगी स्याही को लोगों को दिखाने के साथ सेल्फी भी लेते रहे। साथ ही इसी फोटो सोशल मीडिया पर भी जमकर पोस्ट कीं। उन्होंने कहा कि मताधिकार का प्रयोग किया तो देश का नागरिक होने का अहसास हुआ।

दिव्यांगों व बुजुर्गों ने किया मताधिकार का प्रयोग

अमृत विचार। चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के दावे को जिला प्रशासन सही से पूरा नहीं कर सका। वोट डालने पहुंचे दिव्यांगों को व्हीलचेयर व सहयोगी नहीं मिल सके। इसके बाद भी उन्होंने बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। वहीं बुजुर्ग मतदाताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

परिवार के साथ सफीपुर विधायक बंबालाल दिवाकर।

परिवार के साथ अध्यक्ष महाराणा प्रताप चैरिटेबल ट्रस्ट धीरेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

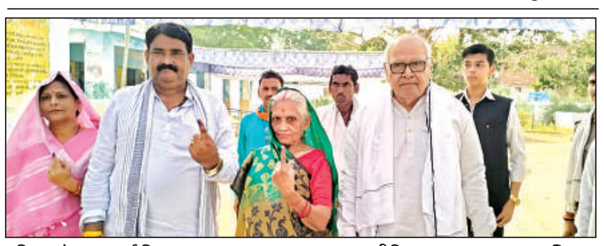
परिवार के साथ पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित। अमृत विचार

औरास में वृद्ध को मतदान कराने के लिये चारपाई पर लाए परिजन। अमृत विचार

आधी आबादी ने भी खूब किया मतदान

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। जिले में युवाओं, पुरुषों व बुजुर्गों में तो मतदान को लेकर खासा जोश रहा। इसके साथ ही देश की आधी आबादी मानी जाने वाली महिलाओं में भी मजबूत लोकतंत्र बनाने को लेकर जुनून साफ दिखा।

मतदान शुरू होने के साथ सुबह 7 बजे से मतदान समाप्ति तक महिलाओं की भीड़ बूथों पर लगी रही। इसमें पहली बार वोट डालने पहुंची युवतियों के साथ ही बुजुर्ग महिलाएं भी चूल्हा चौका छोड़ वोट देने के लिए जागरूक रहीं।

वोटों के प्रतिशत को लेकर होते रहे जीत-हार के दावे

उन्नाव। सोमवार को मतदान समाप्त होने के बाद एक ओर जहां वोटरों ने अपना फर्ज निभाया। वहीं दूसरी ओर प्रत्याशियों ने भी अपना भाग्य अब जनता के फैसले पर छोड़ दिया। शाम होने पर जैसे ही वोटिंग प्रतिशत सभी के सामने आया तो आमजन व राजनैतिक लोगों में जीत-हार के आंकड़ों पर चर्चा शुरू हो गई। प्रत्याशी वोटों के बंटवारे व खुद को मिले वोटों की गणित समझने के साथ जीत-हार के आंकड़ों और मतों के ध्रुवीकरण की गणित समझते रहे।

परिवार के साथ डीएम गौरांग राठी व सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा। अमृत विचार

मंडलायुक्त रोशन जैकब व आईजी तरुण गाबा ने देखी केंद्रों की स्थिति

उन्नाव। मंडलायुक्त ने उच्च प्राथमिक विद्यालय (सोहरामऊ नवाबगंज), प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर, प्राथमिक विद्यालय महनोरा, राजकीय बालिका इंटर कालेज व विभिन्न मतदेय स्थल के बूथों का निरीक्षण करने के साथ मूलभूत सुविधाओं का जायज़ा लिया। मतदान केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदेय स्थलों पर उपस्थित पीठासीन अधिकारियों/मतदान अधिकारी वोटिंग प्रतिशत की जानकारी ली। साथ ही दिव्यांग, वृद्धों व गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर उनके वोट डलवाने के निर्देश दिए। आईजी ने सुरक्षा वायवस्था का जायजा लेते हुए मतदान केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ नहीं लगे। इसके लिए निर्देश दिए। किसी प्रकार की अवव्यवस्था न फैले इसके लिए उन्होंने खास निर्देश दिए।

निरीक्षण करतीं कमिश्नर रोशन जैकब, आईजी तरुण गाबा।

बुजुर्ग मतदाता को बाहर छोड़ने आता एनसीसी कैडेट।

मतदाताओं के हुए अलग-अलग बूथ

उन्नाव। सपा के पूर्व विधायक रामकुमार ने आरोप लगाया कि हार से भयभीत सत्ता पक्ष के दबाव में घर-घर पर्चियां नहीं पहुंचाई गईं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा शहर के निकटवर्ती थाना गांव निवासी एक ही परिवार के मतदाताओं को तीन अलग-अलग मतदान स्थलों पर जाकर वोट डालने पड़े। पूर्व विधायक के मुताबिक इससे पहले गांव स्थित बूथों पर वोट डालने वालों को इस बार करोवन व सिंगरोसी के मतदान केंद्रों तक दौड़ लगाने का मजबूर होना पड़ा।

पर्चियां न पहुंचने से बस्तों व बीएलओ काउंटर पर रही भीड़

उन्नाव। जनवरी माह से ही बीएलओ को सक्रिय करने के बाद मतदाताओं को केंद्रों के बाहर लगे प्रत्याशियों के बस्तों पर पर्ची बनवाने को भटकना पड़ा। वहीं, बीएलओ काउंटर पर भी लोगों का मजमा लगा रहा। गंगाघाट क्षेत्र सहित अन्य कस्बाई इलाकों के अधिकांश मतदाताओं के घरों तक बीएलओ मतदाता पर्चियां नहीं पहुंचा सके थे। इससे मतदाताओं को सुबह घर से निकलकर पर्ची बनवाने की जद्दोजहद करनी पड़ी। हालांकि प्रेक्षक बाबू ए व जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर अधिकांश पोलिंग स्टेशन पर बीएलओ मतदाताओं को पर्ची बनाने के लिए उपलब्ध रहे। लेकिन, मतदाता सूची में नाम ढूंढकर पर्ची बनवाना टेढ़ी खीर बना रहा।

यूथ मतदाताओं में दिखा उत्साह ईओ ने किया सम्मानित

शुक्लागंज उन्नाव। सोमवार को लोक सभा चुनाव के दौरान युवाओं में वोट देने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। जहां पालिका के बने यूथ बूथ पर वोट डालने वाले युवाओं को ईओ ने बैच लगाकर सम्मानित किया। जिसके बाद युवाओं ने सेल्फी लेकर सोशल साइटों पर पोस्ट डाली। पालिका कार्यालय में बने मतदान केन्द्र में यूथ बूथ पर गोपीनाथ पुरम निवासी हीरेन्द्र मिश्रा बूथ संख्या 324 पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपना पहला वोट डाला। इसकी जानकारी होने पर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा ने बैज लगाकर लगाकर उन्हें सम्मानित किया। इसी तरह यूथ बूथ पर आने वाले सभी युवा मतदाताओं को सम्मानित किया गया। वहीं युवाओं में पहली बार वोट डालने की खुशी देखने को मिली। जिस पर युवाओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेते हुये पोस्ट डाली और लोगों को मतदान करने के लिये प्रेरित किया।

उन्नाव संसदीय क्षेत्र में विधानसभा वार हुआ मतदान

संख्या	विधानसभा	प्रतिशत
162	बांगरमऊ	54.66
163	सफीपुर	54.24
164	मोहान	56.05
165	सदर	54.87
166	भगवंतनगर	55.58
167	पुरवा	56.83

पुरवा विकासखंड के अटवा बूथ पर 99 वर्षीय प्रेम नारायण मिश्र ने मतदान किया।

ट्राई साइकिल से जाता दिव्यांग वोटर।

फतेहपुर चौरासी में बूथ पर मतदान करने पहुंची 92 वर्षीया विद्यावती मिश्रा।

नहीं रुके कदम

सुबह सात से 11 बजे तक केंद्रों पर भीड़ जुटी, बाद में तेज धूप होने से कुछ देर के लिए लोग घरों से कम निकले

प्रचंड गर्मी के बाद भी मतदान करने के लिए लगी रहीं लंबी कतारें

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। लोकतंत्र का महापर्व सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया। इस दौरान जोनल मजिस्ट्रेट ने थानाक्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया। कुछ मतदान केंद्रों पर बीएलओ डांटा भी गया। इस बार हुए चुनाव में मतदाताओं ने प्रत्याशी के बजाय पार्टी को तरजीह देते हुए जमकर मतदान किया। सुबह 11 बजे तक कई मतदान केंद्रों मतदाताओं की भारी भीड़ लगी रही।

सोमवार सुबह सात बजे से ही मतदताओं की लंबी कतारें मतदान केंद्र के बाहर लगी रहीं। इस बीच मतदाताओं ने नगर में मतदान के लिए 69 सेंटर व 141 बूथ बनाए गए थे। मतदान शुरू होने के कुछ घंटे बाद ही जोनल मजिस्ट्रेट मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने मौजूद जिम्मेदारों को वोटिंग को लेकर दिशा निर्देश भी दिये। सुबह सात से 11 बजे तक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। लेकिन धूप तेज होते ही मतदाता घरों से बाहर कम निकले। शाम चार बजे एक बार फिर मतदाताओं का रेला वोट के लिए निकल पड़ा। हालांकि शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का प्रशित अधिक रहा। शहरी क्षेत्रों में सैकड़ों मतदाताओं को पर्चियां न मिलने से वह मतदान से वंचित रह गए। सोमवार को हुए मतदान में मुस्लिम मतदाता अपराह्न तीन बजे घरों से निकले। इस बीच उन्होंने अपने बूथों पर जाकर जमकर मतदान किया। शाम छह बजे मतदान समाप्त होने के बाद पोलिंग पार्टिंया बसों से रवाना हो गई।

मतदान के दौरान नाथू खेड़ा मतदान केन्द्र में लगी लाइन। अमृत विचार

दिव्यांग को व्हील चेयर से ले जाता युवक।

कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम मशीन लेकर जाती पोलिंग पार्टी। अमृत विचार

बूथों पर अनियमिताओं के कारण परेशान रहे मतदान कर्मी

मतदान को लेकर प्रशासन ने अच्छी व्यवस्था करने का दावा किया था। जो खोखला साबित हुआ। कई मतदान केन्द्रों पर मतदान कर्मियो के लिए पीने का पानी और प्रसाधन जैसी सुविधायें नदारद रही। जिससे कर्मियों को परेशानी उठानी पड़ी।

व्हील चेयर से वोट डालने पहुंचे बुजुर्ग और दिव्यांग

लोक सभा चुनाव में बुजुर्गों और दिव्यांगों को असुविधा न हो, जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ने नर्सिंग होमों से व्हील चेयर की व्यवस्था मतदान केन्द्रों में कराई। तमाम बुजुर्ग और दिव्यांग व्हील चेयर के सहारे बूथों पर पहुंच कर वोट डाला।

बीएलओ ने गिराया मतदान का प्रतिशत

इस बार हुए मतदान में मतदाता जोरशोर से मतदान का हिस्सा बनने के लिए तैयार थे, लेकिन बीएलओ की लापरवाही के चलते मतदान का प्रतिशत परवान नहीं चढ़ सका। क्षेत्र के सैकड़ों मतदाताओं का नाम लिस्ट में न होने के अलावा मतदाता पर्चियां न मिलने से उन्हें मतदान से वंचित रहना पड़ा।

ईवीएम खराब होने से दो बूथों पर रुका मतदान

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को मतदान के दौरान नगर के दो बूथों पर ईवीएम खराब हो गई। जिस कारण बूथ के बाहर लोगों की लंबी लाइनें लग गई। लोगों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद ईवीएम को ठीक किया गया और मतदान चालू हो सका। जिसके बाद लोगों ने अपने वोट डाले। नगर के कृष्णा पब्लिक स्कूल में सोमवार को मतदान के दौरान बूथ संख्या 350 में लगी ईवीएम खराब हो गई। जिससे बूथ के बाहर लोगों की लंबी लाइनें लग गई। तेज धूप होने के कारण लाइनों में खड़े लोग परेशान हो गये। जिसकी जानकारी कंट्रोल को दी गई। सूचना पर पहुंचे कर्मियों ने ईवीएम को ठीक किया। जिसके बाद मतदान चालू हो सका। इस दौरान डेढ़ घंटे तक मतदान प्रभावित रहा। वहीं पोनी रोड स्थित लोहिया हायर सेकेंड्री स्कूल में बूथ संख्या 15 में ईवीएम खराब हो गई। वहां भी कर्मियों ने ईवीएम को ठीक किया। जिसके बाद मतदान चालू हो सका। यहां आधे घंटे तक मतदान बाधित रहा। इसके अलावा अन्य बूथों पर छोटी-मोटी खामियां होने पर मतदाताओं को परेशानी उठानी पड़ी।

भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला।

दबंग ने अपने प्रत्याशी को वोट न देने पर दी धमकी

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गजिया खेड़ा गांव निवासी एक युवक मतदान केंद्र पर वोट डालने गया था। आरोप है कि तभी एक दबंग ने अपने प्रत्याशी को वोट न देने पर उसे धमकी दी। गजिया खेड़ा निवासी प्रेम निषाद ने बताया कि दलनारायणपुर मतदान केन्द्र पर वोट देने गया था, जहां आरोप है कि गांव का दबंग पहुंचा और उससे वोट के बारे में जानकारी करने लगा। जिस पर उसने बताया कि उसने अपने प्रत्याशी को वोट दिया है। यह सुनकर दबंग ने कहा कि तुमने मेरे प्रत्याशी को वोट क्यों नहीं दिया। इस पर उसे धमकी दी। पीड़ित ने इसका वीडियो बनाकर सोशल साइट पर वॉयरल कर दिया। हालांकि वॉयरल वीडियो की पुष्टि आपका अपना अमृत विचार अखबार नहीं करता है।

निषेवते प्रशस्तानी निन्दितानी न सेवते।
अनास्तिक : श्रद्धान एतत् पण्डितलक्षणम् ॥

सद्गुण, शुभ कर्म, भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास, यज्ञ, दान, जनकल्याण आदि, ये सब ज्ञानीजन के शुभ-लक्षण होते हैं।

संपादकीय

सौर ऊर्जा में प्रगति

भारत समृद्ध सौर ऊर्जा संसाधनों वाला देश है। सरकार का लक्ष्यः नवीकरणीय ऊर्जा पर भरपूर जोर देकर स्वच्छ ऊर्जा के हिस्से में बढ़ोतरी करना है। भारत में नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा के विकास तथा उपयोग के मुख्य वाहक ऊर्जा सुरक्षा, बिजली की कमी, ऊर्जा पहुंच, वित्तीय प्रोत्साहनों जैसे विभिन्न माध्यमों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संतोषजनक परिणाम सामने आने लगे हैं। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2014 से अब तक उत्पादन में 30 गुना वृद्धि हुई है। वहीं वर्ष 2023 में दुनिया में सौर ऊर्जा के उत्पादन में जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ते हुए भारत तीसरे स्थान पर रहा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि 2015 में भारत का स्थान नौवां था। ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक गतिविधियों का अध्ययन करने वाले संस्थान एंबर की ताजा रिपोर्ट में उन 80 देशों के उत्पादन का सर्वे किया, जो दुनिया में बिजली की कुल मांग के 92 प्रतिशत हिस्से की पूर्ति करते हैं। सौर ऊर्जा की बात करें तो इसने वैश्विक ऊर्जा उत्पादन में 5.5 प्रतिशत का योगदान किया है। भारत में यह आंकड़ा 5.8 प्रतिशत रहा है। इस बढ़त से यह दृष्टिगत होता है कि दुनिया के बहुत से देश जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने तथा उत्सर्जन घटाने की दिशा में सक्रिय हैं।

भारत की इसमें अग्रणी भूमिका है। उत्पादन में जहां भारत बीते साल तीसरे स्थान पर रहा है, वहीं ऊर्जा क्षमता में सौर ऊर्जा के प्रोत्साहन के लिहाज से चौथे स्थान पर आ गया है। स्थापित क्षमता के लिहाज से हम पांचवें पायदान पर हैं। इस सूची में भारत से पहले चीन, अमेरिका और ब्राजील हैं। केवल इन चार देशों ने 2023 में दुनिया के कुल सौर ऊर्जा उत्पादन में 75 प्रतिशत का योगदान किया है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। गौरतलब है ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर लाने के भारत के संकल्प को रेखांकित किया था। इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने अनेक नीतिगत पहल भी की हैं। हाल में ही देश में सूर्योदय योजना का प्रारंभ किया गया है जिसमें कम आमदनी के परिवारों को सोलर पैनल लगाने के लिए सहायता दी जाएगी। ऐसी योजनाओं में अतिरिक्त बिजली खरीदने तथा मुफ्त बिजली देने का भी प्रावधान है। सौर ऊर्जा के अलावा पवन ऊर्जा, बायोमास, जल विद्युत संयंत्र, कचरे से ऊर्जा निकालने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। हाइड्रोजन ऊर्जा से भी भविष्य में बड़ी उम्मीदें हैं। कहा जा सकता है कि इन प्रयासों से ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापकता आएगी और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिलेगी।

आवश्यक है खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकना

अविनाश झा
डीएफएमओ, चित्रकूट

इसकी गंभीरता को देखते हुए भोजन की बर्बादी और इसे सड़ने गलने से बचाने के लिए कई देशों में प्रयास किया गया है। फ्रांस पहला ऐसा देश है जिसने सुपर मार्केट द्वारा न बिकने वाले फलों, सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को नष्ट करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एक ओर जहां भारत में आज भी 19 करोड़ लोग भूखे सोते हैं,वहीं दूसरी ओर समाज का एक बड़ा वर्ग भोजन को फेंककर बर्बाद करने में लगा है। विश्व भूख सूचकांक 2023 के अनुसार भारत का स्थान 111 वां है और यह अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी पीछे है। जाहिर है देश में लोगों को मिलने वाले पौष्टिक और पर्याप्त भोजन की कमी है। एक वर्ग के पास इतना ज्यादा खाद्य पदार्थ है कि वह इसे फेंकता है,बर्बाद करता है और एक बड़ा वर्ग भूखों सोता है। यह सामाजिक असमानता की भी निशानी है। यद्यपि सरकार ने इस ग्लोबल हंगर इंडेक्स की रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं,जो उचित भी है।

देश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून लागू हो जाने से देश की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या को मुफ्त अनाज सरकार द्वारा दिया जा रहा है,परंतु अभी भी एक बहुत बड़ा वर्ग पौष्टिक और पर्याप्त भोजन को तरस रहा है,लेकिन दूसरी तरफ मध्यम वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग अपनी बढ़ती संपन्नता के साथ ही खाने के प्रति असंवेदनशील होते जा रहे हैं। खर्च करने की क्षमता में वृद्धि के साथ ही खाना फेंकने और ज्यादा से ज्यादा लुटाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है और वे इसे अपनी तथाकथित रईसी में शामिल करते हैं। इसका सबसे शानदार उदाहरण विवाह स्थलों के पास रखे कूड़ाघरों से पता चलता है,जहां 40 प्रतिशत से अधिक खाना फेंका हुआ मिलता है। वास्तव में अपने यहां कोई ऐसा कानून नहीं है,जो भोजन की इस बर्बादी पर रोक लगा सके। वास्तव में भोजन की बर्बादी मानवीय संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। भोजन की बर्बादी से न केवल सरकार,बल्कि सामाजिक संगठन भी चिंतित हैं। दुनियाभर में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है,उसका एक-तिहाई यानी लगभग 1 अरब 30 करोड़ टन बर्बाद हो जाता है।

विश्व खाद्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 10 प्रतिशत लोग यानी करीब 83 करोड़ लोग भूखे सोते हैं,जिन्हें पेटभर खाना नसीब नहीं होता है। दुनियाभर में हरेक वर्ष लगभग 250 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है, अगर इस बर्बादी या अपव्यय को रोकने में सफलता मिल जाए तो सभी लोगों का पेट भरा जा सकता है। देश में हरेक साल लगभग 25.1 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन होता है,लेकिन खाद्य उत्पाद का 40 प्रतिशत बर्बाद हो जाता है। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के अनुसार भारत में हरेक वर्ष 23 करोड़ टन दाल, 12 करोड़ टन फल और 21 करोड़ टन सब्जियां वितरण प्रणाली में कमियों के कारण खराब हो जाती हैं। इस अपव्यय का दुष्प्रभाव हमारे देश के प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। औसतन हर भारतीय 1 साल में 6 से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। विश्व में तीन अरब से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन नहीं मिल पाता है। यूएनईपी की रिपोर्ट के मुताबिक भोजन की बर्बादी के मामले में चीन पूरे विश्व में प्रथम और भारत दूसरे स्थान पर है।

भारत में हर वर्ष 6 .87 करोड़ टन खाना बर्बाद हो जाता है। भारत में हर व्यक्ति औसतन सालाना 94 किलोग्राम भोजन की बर्बादी करता है। देश में लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात 18 .9 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार हैं।

भारत में हर वर्ष 6.87 करोड़ टन खाना बर्बाद हो जाता है। भारत में हर व्यक्ति औसतन सालाना 94 किलोग्राम भोजन की बर्बादी करता है। देश में लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात 18.9 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार है। दुनिया में अनुमानतः 17 प्रतिशत भोजन हर वर्ष कचरे में फेंक दिया जाता है जिससे करोड़ों लोगों की भूख मिटाई जा सकती है। इसमें से लगभग 57 करोड़ टन अकेले घरों द्वारा कचरे में फेंका गया भोजन होता है। खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार दुनिया का लगभग 14 प्रतिशत फसल कटाई के बाद और दुकानों तक पहुंचने के पहले नष्ट हो जाता है,जो लगभग 400 अरब डॉलर का है। ऐसा माना जाता है कि भोजन बर्बादी का संबंध अमीर या विकसित देशों से ज्यादा है,परंतु संयुक्त राष्ट्र संघ के सर्वेक्षण ने इसे गलत प्रमाणित कर दिया है। विकसित देशों के मुकाबले पश्चिम एशिया और अफ्रीकी देशों में सालाना प्रति व्यक्ति खाने की बर्बादी ज्यादा होती है। एक ओर अफ्रीका के कई देश भुखमरी का सामना कर रहे हैं,वहीं दूसरी तरफ नाइजीरिया जैसे देश भी हैं,जहां हर व्यक्ति वर्ष में लगभग 189 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता है। रूस में सबसे कम भोजन बर्बाद किया जाता है, वहां प्रति व्यक्ति करीब 33 किलोग्राम भोजन को हर वर्ष कचरे में फेंका जाता है यानि यहां भोजन के सदुपयोग के प्रति संवेदनशीलता अपनाई जाती है।

खाद्य पदार्थों का अपव्यय या बर्बादी दो तरह की होती है। पहला जो खेतों में फसलों की कटाई से खुदरा दुकानदारों तक पहुंचने के बीच होने वाले खाद्य पदार्थों की हानि को "फूड लॉस" या भोजन का नुकसान कहते हैं। दूसरे खुदरा दुकानदारों से उपभोक्ताओं तक पहुंचने के मध्य में जो भोजन की हानि होती है,उसे भोजन की बर्बादी या "फूड वेस्टेज" कहा जाता है। भोजन के अपव्यय या बर्बादी का सीधा असर हमारे पर्यावरण पर पड़ता है। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में दस प्रतिशत तक हिस्सा सड़े-गले और खराब भोजन का होता है,जो तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। सड़े गले खाद्य पदार्थ से हानिकारक व प्रदूषणकारी मीथेन गैस का उत्पादन होता है। साथ ही फसलों की पोषण गुणवत्ता भी कम होती है और फूड चेन भी प्रभावित होता है। भोजन की बर्बादी से इसके उत्पादन में लगने वाले पानी,परिवहन के लिए ऊर्जा और भूमि जैसे सभी संसाधनों का भी नुकसान होता है।

इसकी गंभीरता को देखते हुए भोजन की बर्बादी और इसे सड़ने गलने से बचाने के लिए कई देशों में प्रयास किया गया है। फ्रांस पहला ऐसा देश है जिसने सुपर मार्केट द्वारा न बिकने वाले फलों, सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को नष्ट करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जनवरी 2015 में एक जनहित याचिका पर फैसला सुनाते हुए पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने भी शादी-विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची रोकने के आदेश दिया था। पाकिस्तान में यह कानून है कि शादी या अन्य समारोहों में एक से ज्यादा मुख्य व्यंजन नहीं परोसा जा सकता है। इस कानून के उल्लंघन पर एक महीने की सजा और 50 हजार से दो लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। भारत में भी वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची व धन की बर्बादी को रोकने के लिए एक कानून बनाने का विचार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार समिति ने दिया था। इसमें विवाहों में मेहमानों की संख्या नियंत्रित करने से लेकर कई अन्य बातें भी शामिल थीं,मगर इसे मूर्त रूप नहीं दिया जा सका। इधर हाल में बिहार से कांग्रेसी सांसद रंजीता रंजन ने शादियों में खाने की बर्बादी को रोकने के साथ-साथ विवाह के पंजीकरण को कानूनन अनिवार्य बनाने वाला एक निजी विधेयक लोकसभा में पेश किया था। इसके बाद भाजपा सांसद गोपाल चिन्नया शेट्टी और कांग्रेसी सांसद जसबीर सिंह गिल ने भी शादियों में मेहमानों की संख्या सीमित करने,खर्च सीमित करने आदि से संबंधित विधेयक पेश किया है। हालांकि देश में प्रदर्शन और फिजूलखर्च पर प्रतिबंध की दृष्टि से विवाह समारोह अधिनियम 2006 तो मौजूद है, लेकिन इसका सख्ती से अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

विश्वभर में होने वाली भोजन की बर्बादी और अपव्यय को रोकने के लिए विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन,अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने एकजुट होकर एक परियोजना शुरू की है। आजकल मारवाड़ी समाज में फिजुलखर्ची,वैभव प्रदर्शन एवं दिखावे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं भोजन के व्यंजनों को सीमित करने के लिए आंदोलन चल रहे हैं। वैवाहिक समारोहों के अतिरिक्त मृत्यु पश्चात आयोजित किए जाने वाले सामूहिक भोजों के विरुद्ध भी अनेक जातीय समाजों द्वारा प्रचार-प्रसार एवं आह्वान किया जा रहा है। भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने दिसंबर 2017 में 'सेव फूड, शेयर फूड, ज्वाय फूड' नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया था जिसका उद्देश्य भोजन की बर्बादी को रोकने और उसे जरूरतमंदों से इसको साझा करने को लेकर जागरूकता फैलाना था। प्राधिकरण ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों और कारोबारों में भोजन की बर्बादी रोकने और भोजन दान करने को प्रोत्साहित करने के लिए नियम बना दिए। इसके लिए अलग-अलग खाद्य वितरण एजेंसियों और दूसरे स्टैक होल्डरों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2018 में केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया "ईट राइट इंडिया मूवमेंट" भोजन की बर्बादी रोकने और जरूरतमंदों तक पौष्टिक खाना पहुंचाने की दिशा में एक अच्छी पहल है।

प्रसंगवश

स्वार्थ की बलि चढ़ती झील

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

प्रकृति की अनुपम नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल जनपद का भीमताल नगर पर्वतीय सभ्यता व संस्कृति का केंद्र बिंदु होने के साथ ही पर्वत श्रृंखलाओं के मनोहारी दृश्यों के बीच सौंदर्य बिखेरती टापू वाली झील के लिए प्रसिद्ध है। 1370 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह झील नैनीताल की झील से बड़ी है,लेकिन मानवीय हस्तक्षेप, पर्यावरण प्रदूषण और अनियंत्रित व अंधाधुंध विकास तथा कंक्रीट के बढ़ते जंगल के कारण अपनी पहचान खोते हुए तेजी से सिमट रही है।

भीमताल झील की लंबाई लगभग 1677 मीटर तथा चौड़ाई 454 मीटर है। निरंतर गंदगी और गाद जमा होने से झील की गहराई घटती जा रही है। 1871 में झील की गहराई 39 मीटर आंकी गई थी,जो 1975 में घटकर 27 मीटर तथा 1985 में 20 मीटर तक पहुंच गई। वर्तमान में झीलों की औसत गहराई 20 मीटर से घटकर लगभग 12 मीटर ही रह गई है।

गर्मियां आते ही झील का स्वरूप बदल जाता है। यदि आप इस समय भीमताल जाएं तो आप देखेंगे की झील के मल्लीताल वाले क्षेत्र में झील का पानी सुखकर एक बड़े मैदान का रूप ले चुका है। एक सुंदर झील की गोद में यह सुखा-उजाड़ मैदान एक बदनुमा दाग की तरह नजर आता है,जो हर साल गर्मियां शुरू होते ही उभर आता है,लेकिन ऐसा न हो इसके प्रयास सरकारी स्तर पर कभी होते नजर नहीं आते।

देख-रेख के अभाव और उपेक्षा के कारण यह झील जवानी में ही बुढ़ापे के दिन देख रही है। भीमताल क्षेत्र को प्रकृति ने सौंदर्य की अमूल्य धरोहर मुक्त हस्त से प्रदान की है, लेकिन इसके बावजूद यह क्षेत्र एक सफल पर्यटक स्थल के रूप में नहीं उभर सका है। कभी भीमताल इलेक्ट्रॉनिक घाटी के रूप में प्रसिद्ध था। यहां कई छोटी-बड़ी फैक्ट्रियां खोली गई थीं जिनका मलबा सीधे झील में जाता था। उस दौर में यह झील सबसे ज्यादा प्रदूषित हुई। अधिकांश फैक्ट्रियां तो अब बंद हो चुकी हैं,लेकिन झील के दोनों और की पहाड़ियां अब कंक्रीट के जंगल में तब्दील होने लगी हैं। झील में लगातार जा रहे मलबे से न केवल इसके प्राकृतिक क्षेत्रफल में कमी आई है,बल्कि बढ़ते प्रदूषण से इसके पानी में भी ऑक्सीजन की मात्रा में कमी आंकी गई है। फैलते हुए किनारों और सिकुड़ते हुए जल विस्तार को दर्शाती इस झील की जल ग्रहण क्षमता में कमी का एक मुख्य कारण झील के दक्षिण पूर्व किनारे पर अंग्रेजों द्वारा बनाए गए विशाल मेहराबदार तटबंधों के खुलने से भी जुड़ा है। सन् 1895 में अंग्रेजों द्वारा पास किए गए आदेशों के तहत आज भी इन तटबंधों से हल्द्वानी व भावर क्षेत्र को सिंचाई और पेयजल हेतु पानी दिया जाता है। झील में जल स्तर के कम होने का यह भी एक कारण है। इसी का परिणाम है कि पर्यटक मौसम के समय यह झील पश्चिम उत्तर किनारे पर जल विहीन होकर गायों की चरागाह में तब्दील हो जाती है।

इसके अलावा झील से लगी पहाड़ियों पर निरंतर बड़े-बड़े होटल, रिजॉर्ट,कॉटेज और मकान बनाने का जो बेरोकटोक सिलसिला कई वर्षों से चल रहा है और बरसात में इस कथित विकास का,जो मलबा झील में जा रहा है, उसके कारण भी झील के कई प्राकृतिक स्रोत सूख गए हैं। कुछ साल पहले कुमाऊं विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिकों द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार भीमताल झील से जुड़े सतर प्रतिशत पानी के चश्मे या तो सूख गए हैं या फिर सूखने के कगार पर हैं।

अपने वर्षों के इतिहास में लोगों ने इस झील से बहुत कुछ पाया है। चाहे वह जीविकोपार्जन का साधन हो अथवा मनोरंजन का परंतु प्रगति, विकास, असुरक्षा, अपेक्षा व आधुनिकीकरण के नाम पर इस झील ने बहुत कुछ खोया है। विकास के नाम पर इस घाटी के पर्यावरण संतुलन से खेलने वाले दिमाग पता नहीं क्यों तिल-तिल मरती इस झील को देखकर भी विचलित नहीं होते। अपने नैसर्गिक सौंदर्य और टापू के लिए प्रसिद्ध इस झील के चेहरे पर बुढ़ापे की झुर्रियां देखी जा सकती हैं।

झील के चारों ओर अनियोजित विकास हो रहा है। पहाड़ खोदने से उपजा मलबा,बरसात का गंदा पानी,नालियां सब झील में ही समा रही है। अपने स्वरूप को जिस तेजी से इस झील ने खोया है,वह इसका दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है। झील को देखकर इसके प्रारंभिक अद्भुत रूप और आज उसके चेहरे पर व्याप्त झुर्रियों की पीड़ा को साफ महसूस किया जा सकता है। खेद का विषय है कि जो झील लाखों साल से पारिस्थितिक भूगर्भिक हलचलों के मध्य भी सुरक्षित बनी रही,उसे हमने तीन दशक से भी कम समय में संकट की कगार पर पहुंचा दिया है।

मजहब और अयुक्तिवाद

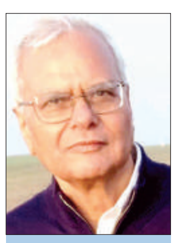
कमलाकांत त्रिपाठी
पूर्व आईआरएस

फिर विवेकवादी नास्तिक नहीं हो सकता। नास्तिक होना और उसे घोषित करना या तो दंभ का परिचायक होता है या व्यापक परिप्रेक्ष्य की उपेक्षा का द्योतक।

सभी मजहबों और संप्रदायों में अयुक्तिवाद (तर्कहीनता) का तत्व अपरिहार्य रूप से मौजूद है। यूरोप के लोगों ने बहुत कीमत चुकाकर, कई विद्वानों और वैज्ञानिकों को चौराहों पर जिंदा जलाकर,पोप और बिशप की निरंकुश, अमानवीय मनमानी बर्दाश्त कर, व्यर्थ के क्रूसेड चलाकर, एक हजार साल के मध्ययुगीन अंधकार में डूबे रहने के बाद,इस चीज को समझा और पुनर्जागरण, धर्मसुधार तथा ज्ञानोदय की आग से तपकर औद्योगिक क्रांति तक की यात्रा की। उन्होंने शायद यह भी समझ लिया हो कि सारे संगठित मजहब और संप्रदाय दरअसल सत्ता-संगठन हैं और सामूहिक ताकत बनाए रखने और बढ़ाने के काम आते हैं। अगर ईश्वर है तो व्यक्ति से उसका सीधा संबंध है-उसकी अंतरात्मा से होकर। उसे किसी मजहबी व्यवस्था का गुलाम बनने की कोई जरूरत नहीं।

औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोप ने आर्थिक और भौतिक शक्ति से सत्ता प्राप्त करने और उसे बनाए रखने का रास्ता खोज निकाला। आज ईसाई मजहब के सिद्धांत केवल उन पुजारियों और धर्म-प्रचारकों तक सीमित हैं,जो पिछड़े देशों में मजहब के प्रचार के काम में लगे हैं। उनका वित्त-पोषण करने वाली संस्थाएं भी वस्तुतः सत्ता-विस्तार के ही काम में लगी हैं। भौतिक सत्ता से ही विश्व शक्ति बने अमेरिका ने तो इस चीज को सबसे स्पष्ट तरीके से समझ लिया है। रिपब्लिकन पार्टी अपेक्षाकृत अनुदार है तो उसमें कभी-कभी ईसाइयत के प्रति राजनीतिक किस्म का आग्रह झलक उठता है। बस राजनीतिक किस्म का। जैसे हमारे यहां हिंदुत्व के प्रति 'राजनीतिक किस्म' का आग्रह सफलता का रामबाण बना हुआ है। माने अब तक। भविष्य को कौन जानता है,ज्योतिषियों और दलीय राजनीति का खेल खेलने वालों के सिवा? अमेरिकी प्रवास में एक अमेरिकी सज्जन से वार्तालाप के दौरान किसी संदर्भ में मैंने अज्ञानवश पूछ लिया-आप कैथलिक हैं या प्रोटेस्टैंट? उन्होंने मेरी ओर ध्यान से देखा। फिर जैसे मेरे प्रश्न की निरर्थकता को नजरअंदाज करते हुए सपाट स्वर में बोले,मैं चर्च नहीं जाता।

अपने प्रश्न की अप्रासंगिकता के एहसास से मैं थोड़ा असहज हो उठा,जो शायद वे नहीं चाहते थे-उस समय वे मेरे मेजबान थे। असहजता को दूर करने के लिए उन्होंने कहा- यहां के अधिकांश लोग चर्च नहीं जाते। मेरी सहजता थोड़ी लौटी और बात इतर मुद्दे पर सरक सकी,जो अपने को घोषित तौर पर विवेकवादी या नास्तिक वगैरह मानते हैं। कभी-कभी अजीब नासमझी की बात कर बैठते हैं। कट्टरता की मात्रा या तीव्रता के आधार पर मजहबों की परस्पर तुलना करने लगते हैं। एक मजहब के अयुक्तिवाद को दूसरे मजहब के अयुक्तिवाद से ज्यादा खतरनाक बताने लगते हैं। अयुक्तिवाद की ऐतिहासिक व्याख्या करने, किसी को सही तो किसी को गलत बताने लगते हैं। अरे भाई,जब आधार ही अयुक्तिवाद है तो सारा खेल अविवेक और सत्ता का हो जाता है। सत्ता के स्रोत क्या हैं? शक्ति-आक्रामक और सुरक्षात्मक-संपत्ति और संख्या जिसके पास तीनों का समंजित योग ज्यादा होगा उसका अयुक्तिवाद जीत जाएगा। सच और झूठ की लड़ाई में सच के जीतने की संभावना कितनी भी क्षीण हो,रहती तो है,किंतु दो झूठ की लड़ाई में ज्यादा शक्तिशाली झूठ जीत जाएगा और ज्यादा शक्तिशाली झूठ प्रायः वही होता है,जो ज्यादा बड़ा झूठ बोलकर लोगों से उसे सही मनवा लेने की कला में अधिक प्रवीण होता है। सीधी बात है। विवेकवाद के आधार पर किसी मजहब को सही या गलत ठहराने का क्या तुक? जो जैसा है,वैसा है।

विवेकवाद भी कहीं न कहीं लड़खड़ा ही जाता है,उसमें भी तो बहुत कुछ मानकर चलना पड़ता है। विवेकवादी को सदा यह कहने को तत्पर रहना होता है- इस बारे में फिलहाल मैं कुछ नहीं जानता क्योंकि सर्वगम्य रूप से,निश्चित तौर पर अभी कुछ भी ज्ञात नहीं है। जब सर्वगम्य और सुनिश्चित रूप से ज्ञात हो जाएगा,बता दूंगा,जो अभी इस तरह ज्ञात नहीं है,वह आगे ज्ञात हो भी सकता है। नहीं भी हो सकता,लेकिन अज्ञात के साथ भी ठाट से रहा जा सकता है।

फिर विवेकवादी नास्तिक नहीं हो सकता। नास्तिक होना और उसे घोषित करना या तो दंभ का परिचायक होता है या व्यापक परिप्रेक्ष्य की उपेक्षा का द्योतक। अतः विवेकवादी नास्तिक के बजाय तत्वतः अज्ञेयवादी होने के लिए नियतिबद्ध है।

सोशल फोरम

शक्ति की स्रोत मां

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

मां धरती पर सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला शब्द है। होश संभालने पर सबसे पहले देखा चेहरा मां का ही याद आता है। स्कूल छोड़ने भी मां ही जाती थी और लेने भी, बहनें भी साथ होती थीं। याद है काली मिर्च वाले पराठे के साथ आम या नींबू के आचार की एक फांक रखकर रुमाल में बांधती और फिर भीतर से कलई की हुई पीतल की डिब्बिया में रख बस्ते में ठूंस देती। पिताजी नौकरी के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते थे। घर-बाहर और हम भाई-बहनों को मां ही संभालती थी। याद आता है आलमबाग की चंदर नगर मार्केट के दुमंजिले पर घर, वेजिटेबल ग्राउंड की रामलीला रात दो-ढाई बजे तक चलती थी। लौटकर घर आता तो घुप्प अंधकार होता। नीचे से आवाज देता-माताजी। अंधेरे की अभ्यस्त मां,मैं आई कहते हुए दौड़ी चली आती। कॉपी-किताब चाहिए या कैंडी आइसक्रीम चूसनी है या फिर सिनेमा देखना है। मां ही काम आती। गलती करने पर पिताजी के कुफ्र से मां ही बचाती। एक अखबार में लेख छपा। सात रुपए मिले थे। कलम से पहली कमाई। मां के चरणों में ही रखी थी। मां ने सिर्फ चवन्नी रख बाकी पैसे मुझे दे दिए थे। शादी के बाद जब मैंने मां के चरणों में अपना वेतन रखा था मां ने भारी मन से कहा था- अब मुझे इसकी जरूरत नहीं। इसे और तुझे संभालने वाली आ गई है। मां की यादों की बड़ी लंबी फेहरिस्त है। बताने बैठूं तो महाग्रंथ तैयार हो जाए। मां का जिस्म बहुत भारी था। जब कभी उनकी तबियत खराब होती तो मैं मजाक करता था-माता जी आपको उठाने के लिए क्रेन मंगानी पड़ेगी,लेकिन जिंदगी के अंतिम छह साल तक खूब सेवा कराई मां ने, सूखकर कांटा हो गई थीं। उनकी खराब अवस्था को जो भी देखता यही कहता था-भगवान से प्रार्थना कर कि मां को मुक्ति दे,लेकिन मैं जब भी भगवान की मूर्ति के सामने खड़ा हुआ तो मुंह से यही निकला - मुझे ताकत दे मां की खूब सेवा करूं। टूटने न पाऊं, लेकिन भगवान ने मेरी नहीं सुनी। मैंने भगवान को मानना ही छोड़ दिया। सच कह रहा हूं, पूरे दिल से - मेरे जीवन में मां की जगह कोई नहीं ले पाया,पत्नी भी नहीं। आज भी जब कभी तकलीफ में होता हूं तो पिता से पहले मां को ही याद करता हूं। शक्ति की स्त्रोत हैं वो।

-फेसबुल वॉल से

बड़ों की छोटी बीवियां

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

जयपुर के मिर्जा राजा जयसिंह अपनी नई कमसिन पत्नी राजिबा बाई में ऐसा संलिप्त हुए कि राजकाज ही छोड़ बैठे। अब राजा को कौन टोके? तब राजकवि बिहारी ने जिम्मा लिया और एक दोहा लिखकर अंत :पुर में भिजवाया- नहिं पराग नहिं मधुर मधु,नहिं विकास यहि काल। अली कली ही सों विंध्यौ, आगे कौन हवाल।।

विवाह संबंधों में सामान्यतया पत्नी थोड़ा कम उम्र की ही उचित मानी जाती है। हालांकि इसके अपवाद भी हैं। कहीं बड़ी और कहीं ज्यादा छोटी बीवियां होती रही हैं। साधारण लोगों का तो कोई इतिहास संरक्षित नहीं रहता, किंतु जब ऐसा बड़ों के बारे में हो तो वह रिकार्ड पर आ जाता है। बात करते हैं पतियों से अधिक छोटी पत्नियों की। ऐसी पत्नियां पतियों को अधिक आकर्षित कर ले जाती हैं, कई बार उनके सामान्य कामकाज में बाधा भी पड़ती देखी गई है। भगवान राम और सीता की उम्र में कहीं सात और कहीं नौ साल का अंतर उल्लिखित है। वाल्मीकि के अनुसार विवाह के समय सीता 6 साल की और राम 13 के थे। तुलसीदास ने वन गमन के समय जो दोहा लिखा है, उसके अनुसार तत्समय "वरस अठारह की सिया, सत्ताइस के राम" थे।

यह अंतर नौ साल का है, जो भी हो सीता कम उम्र और अतीव सुंदरी थीं। चूंकि राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे, अतः वे उनकी कमसिनी और रूप में लिप्त तो नहीं थे, पर अति अनुरागमय अवश्य थे। उनके हरण पर राम गजराज से कहते हैं कि 'हे गजराज! तुम्हारी शुण्ड के समान जिसकी जंघाएं हैं, क्या तुमने ऐसी मेरी प्रिया को देखा है?" यही नहीं लंका से वापस मिलने पर भी वे क्षुब्ध तो हुए, किंतु उनके रूप का भान उन्हें भरपूर था। उन्होंने वाल्मीकि के अनुसार, यहां तक कहा कि "तुम इतनी सुंदर हो कि रावण अपने को रोक नहीं पाया होगा!"

श्रीकृष्ण की पत्नी-संख्या तो बहुत बड़ी है, किंतु छोटी और सौन्दर्यशालिनी सत्यभामा की चाहत के लिए वे इन्द्र से लड़े और वहां से पारिजात लेकर पृथ्वी पर आए। यद्यपि सत्यभामा का यह दुराग्रह ही था कि जिसके घर मेहमानी में जाए, उसकी कोई चीज पसंद करके ले चलने का हठ करें। महाभारत की नायिका द्रौपदी अर्जुन से 12 वर्ष और युधिष्ठिर से 14 वर्ष छोटी थीं। रूप का आलम यह कि स्नानागार में उनके खुले सौंदर्य एवं अंग सौष्ठव को देखकर स्नान की सहायिकाओं के मन में पुरुष भाव जागृत हो जाता था। कौरव सभा में अपमानित होने पर उन्होंने अपना वेणी संहार किया जिसकी परिणति तत्कालीन विश्व युद्ध में हुई। जयपुर के मिर्जा राजा जयसिंह अपनी नई कमसिन पत्नी राजिबा बाई में ऐसा संलिप्त हुए कि राजकाज ही छोड़ बैठे।

अब राजा को कौन टोके? तब राजकवि बिहारी ने जिम्मा लिया और एक दोहा लिखकर अंतः पुर में भिजवाया-नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास यहि काल। अली कली ही सों विंध्यौ, आगे कौन हवाल।। स्पष्ट है कि रानी का यौवन भी तब पूर्ण विकसित नहीं था। खैर! कविता का प्रभाव पड़ा और उन्होंने राजकाज संभाल लिया। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे एन टी रामाराव ने काफी कम उम्र की लक्ष्मी पार्वती से शादी की, जो उनके राजनीतिक पतन का कारण बनी। "नारि नयन सर जाहि न लागा। घोर क्रोध तम निसि जो जागा"।

और कितनी महंगाई की मार

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

बात 2012 की है। अन्ना आंदोलन खत्म होने के बाद यूपीए-2 सरकार के खिलाफ लगातार असंतोष बढ़ रहा था। महंगाई, बेरोजगार भ्रष्टाचार को लेकर जन मानस में रोष दिखाई दे रहा था। गैस के दामों के बढ़ने से सिलेंडर लेकर सड़क पर उतर जाना,बहुत हुई महंगाई की मार,अबकी बार... जैसे नारों से पेट्रोल पंपों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगे बड़े-बड़े होल्डिंग और पोस्टर्स आकर्षण का केंद्र थे, लेकिन इस चुनाव में शायद यह मुद्दे गौड़ हो गए जाति-धर्म और मंदिर-मस्जिद की लड़ाई में शायद जनता को इनका ध्यान ही नहीं रहा।

हालांकि विपक्ष शिद्दत से इन मुद्दों को उठा भी रहा है,परंतु हाल के दिनों में अखबारों में महंगाई और बेरोजगारी पर खबरे जरूर आए दिन छप रही हैं। आम आदमी की जेब पर महंगाई की मार बढ़ रही है। प्याज टमाटर, आलू, अंडे, दालों, उपयोगी दवाओं और घरेलू समान के दाम बढ़ने से आम आदमी इस मार को सह नहीं पा रहा है। महंगाई की मार और उधारी बढ़ने से दो समय का भोजन मुश्किल हो गया है। सीनियर सिटीजन को ट्रेन सफर में मिलने वाली छूट बंद हो जाने और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम लगातार बढ़ने से डबल मार पड़ रही है। चुनाव के दौरान एक चर्चा में कुछ लोग बता रहे थे कि अगर चीजों के दाम बढ़ रहे हैं तो सैलरी भी तो बढ़ी है।

ऐसे अविवेकपूर्ण सवाल पूछने वालों को शायद नहीं मालूम की केवल संगठित क्षेत्र में काम करने वालों और बड़े औद्योगिक घरानों के कुछ लोगों को ही वेतन बढ़ोतरी का लाभ मिला है। शेष 70 प्रतिशत जो असंगठित क्षेत्र में है विशेष कर दुकानों, अस्पतालों में काम करने वालों, मांझा, पतंग बनाने वाले कारीगरों, रेहड़ी लगाने वालों, रिक्शा ऑटो रिक्शा चलाने वालों, खेत मजदूरों, ठेका, संविदा और दैनिक आधार पर मजदूरी करने वालों पर इस भीषण महंगाई का कितना असर होता है इसकी जानकारी भी ली जानी चाहिए।

हारी हुई सीटों पर जीत के नए समीकरण बनाने में जुटी भाजपा

गाजीपुर, जौनपुर और लालगंज में बसपा और आजमगढ़ में जीती थी सपा, 2022 में हुए उप चुनाव में भाजपा ने आजमगढ़ सीट सपा से छीनी थी

विनय जायसवाल, मऊ

पूर्वांचल की चार सीटों पर भाजपा को 2019 के चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इन सीटों पर इस चुनाव में जीत के लिए भाजपा समीकरणों को साधने में जुटी हुई है। पार्टी इन सीटों पर जीत दर्ज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन चार सौ पार को पूरा करने लिए एड़ी- चोटी का जोर लगाए हुए है। पार्टी की ओर से पिछले चुनाव में कमियों को चिह्नित कर उसे दूर करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है तो बूथों पर पन्ना प्रमुखों के साथ ही मतदाताओं को घर से लाने के लिए टोलियां भी बनाई जा रही हैं। इन सबके साथ ही पार्टी का फोकस बसपा के परंपरागत मतदाताओं पर है जो 2014 के लोकसभा, 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ थे लेकिन 2019 में गठबंधन के साथ चले गए थे। ऐसे मतदाताओं को साधने के लिए न सिर्फ जातीय आधार पर बड़े नेताओं की तैनाती की गई है बल्कि उन्हें मिल रहे योजनाओं के लाभ को भी याद दिलाया जा रहा है। हालांकि कांग्रेस के साथ गठजोड़ कर मैदान में उतरी सपा भी कम नहीं है। पार्टी के रणनीतिकार संविधान बचाने और आरक्षण बचाने के नाम पर दलित मतदाताओं और पिछड़ी जाति के मतदाताओं को गोलबंद करने में जुटे हैं।

आजमगढ़ में सपा ने की मजबूत घेरेबंदी: समाजवादी पार्टी ने आजमगढ़ सीट पर भाजपा के सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ की जबरदस्त घेरेबंदी की है। 2019 में यह सीट सपा प्रमुख अखिलेश यादव जीते थे पर उनके त्यागपत्र के बाद जब 2022 में चुनाव हुआ तो निरहुआ जीत गए। निरहुआ की जीत में बसपा के शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली की अहम भूमिका थी। जमाली ने तब 2.66 लाख वोट काट लिए थे। यही सपा के धर्मेंद्र यादव की हार का कारण बना था। इस बार जमाली सपा के साथ हैं। बसपा ने पहले भीम राजभर को उतारा और बाद में उनका टिकट काटकर मशहूद अहमद को उतार दिया है। सपा इस सीट को जहां भाजपा से छीनने के लिए पार्टी छोड़ चुके नेताओं को साथ लाने में जुटी है तो भाजपा ने भी पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह को साथ ले लिया है। सपा को विधायक रमाकांत यादव की कमी खल रही है।

जौनपुर में धनंजय का साथ मिले तो बने बात

जौनपुर सीट पर बसपा के श्याम सिंह ने पिछला चुनाव जीता था। इस बार बसपा ने पहले उनका टिकट काटकर पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को दिया और बाद में उनका भी काट कर श्याम सिंह को टिकट दे दिया। पत्नी का टिकट कटने से धनंजय नाराज हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वे भाजपा में शामिल होंगे। धनंजय यदि भाजपा में जाते हैं तो इसका सीधा लाभ पार्टी के उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह को मिलेगा। यह बात पार्टी के रणनीतिकार भी मान रहे हैं कि उनके आने से बात बनेगी। हालांकि यहां से सपा ने पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा को उतारा है। कुशवाहा बुंदेलंखड क्षेत्र के रहने वाले हैं और उन्हें भाजपा और बसपा के लोग बाहरी बताने में जुटे हुए हैं। यहां राजपूत मतदाताओं की मजबूत स्थिति को देखते हुए भाजपा तो धनंजय पर डोरे डाल ही रही है सपा की कोशिश भी है कि वे साथ आ जाएं।

गाजीपुर में सहानुभूति बनाम गुंडागर्दी पर चुनाव

- गाजीपुर सीट पर सपा ने वैसे तो 2019 में बसपा के टिकट पर जीते अफजाल अंसारी को मैदान में उतारा है, लेकिन यहां अभी अफजाल का भविष्य अधर में है। गैंगस्टर एक्ट में हुई सजा मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। अगर वहां से अफजाल की सजा माफ होती है तो वह चुनाव लड़ सकेंगे अन्यथा उनकी बेटी यहां से मैदान में होगी।
- पिता– पुत्री ने नामांकन तो कर दिया है पर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी इस बात से नाराज हैं कि अफजाल अंसारी अपनी पुत्री को आगे बढ़ा रहे हैं। उमर अंसारी खुद ही चुनाव लड़ना चाहते हैं। भाजपा ने यहां से पारसनाथ राय को उतारा है। पारसनाथ राय गुंडागर्दी के खात्मे के नाम पर वोट मांग रहे हैं तो अफजाल और उनकी पुत्री मुख्तार अंसारी की मौत को हत्या बताते हुए सहानुभूति के नाम पर वोट पाने की कोशिश में हैं। भाजपा के लोग यह बताने में जुटे हैं कि गुंडागर्दी के समापन और विकास के लिए भाजपा की जीत जरूरी है।

लालगंज में दो पूर्व सांसदों के बीच कड़ा संघर्ष

- आजमगढ़ जिले की लालगंज लोकसभा सीट पर भी मुकाबला कड़ा है। यहां भाजपा की पूर्व सांसद नीलम सोनकर और सपा के पूर्व सांसद दरोगा प्रसाद सरोज के बीच मुकाबला कांटे का दिख रहा है। इस सीट को पिछले चुनाव में बसपा की संगीता आजाद ने जीता था। संगीता आजाद अब भाजपा के साथ हैं और कमल खिलाने के लिए रात– दिन एक कर रही हैं। संगीता को उम्मीद है कि पार्टी उन्हें विधान परिषद भेज देगी। इसलिए उन्होंने न सिर्फ बसपा के परंपरागत मतदाताओं को भाजपा के पाले में लाने का प्रयास शुरू किया है बल्कि वे बसपा के बड़े नेताओं को भाजपा में लाने का प्रयास कर रही हैं। बसपा ने यहां डॉ. इंदू चौधरी को उतारा है।

चौथे चरण के मुद्दे चार, जिनसे वोटर ने किया ईवीएम पर वार

तीन चौथाई मतदाता तय करके आए थे, किस दल या प्रत्याशी के लिए दबाना है बटन

दिग्विजय सिंह

कानपुर के एक मतदान केंद्र पर उमड़ी मतदाताओं की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान ने प्रदेश में बीते तीन चरणों में कम मतदान को लेकर राजनीतिक दलों द्वारा लगाए जा रहे हिसाब-किताब पर विराम लगा दिया। इस चरण में ज्यादा तो नहीं पर कुल मिलाकर मतदान प्रतिशत कमोबेश 2019 के लोकसभा चुनाव जैसा ही रहा। ऐसे में बड़ा सवाल यही रहा कि आखिरकार मतदाताओं ने किन मुद्दों पर वोट डाले।

हालांकि मतदाता के मन को परखने वाली ज्यादातर सर्वेक्षण एजेंसियों के लोगों मुताबिक बूथ पर पहुंचने से पहले ही तीन चौथाई वोटर तय करके आए थे, कि उन्हें किस दल या प्रत्याशी के लिए ईवीएम का बटन दबाना है। बातचीत में इतना जरूर पता लगा कि अधिकतर मतदाताओं ने प्रमुख रूप से चौथे चरण में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, कानून-व्यवस्था, जातीय समीकरण और विकास जैसे चार मुद्दों को मतदान में सबसे ऊपर रखा। इसके बाद मतदान के दौरान कहीं-कहीं ध्रुवीकरण, बेरोजगारी और संविधान या आरक्षण जैसे मसलों पर भी लोग बात करते नजर आए।

मुफ्त राशन और आवास मिला : अकबरपुर लोकसभा के एक शहरी मतदान केंद्र के बाहर मिले महिलाओं के समूह ने कहा कि सरकार से मुफ्त राशन मिल रहा है, कई परिवारों को पक्का आवास भी मिला है।

कुछ ऐसी ही बात मिश्रिख संसदीय क्षेत्र के बिल्हौर इलाके में आने वाले वाले मतदान केंद्र के बाहर कई मतदाताओं ने कही, इसके साथ यह भी जोड़ दिया कि उन्हें किसान सम्मान निधि की किश्त मिल रही है। मतदान प्रक्रिया में उत्साह के साथ शामिल हुए तमाम मतदाताओं ने यह पूछने पर कि किस मुद्दे पर वोट दिया?, सीधा जवाब तो नहीं दिया लेकिन बातचीत में यह साफ नजर आया कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वाला लाभार्थी मतदाता जो फायदा मिल रहा है, उसे खोना नहीं चाहता है। यह बात कानपुर, उन्नाव, अकबरपुर, मिश्रिख, कन्नौज और फर्रुखाबाद लोकसभा सीटों के कई मतदान केंद्रों के बाहर मिले मतदाताओं में एक तरह से कॉमन जैसी दिखी।

महिलाओं, छात्राओं ने कानून-व्यवस्था को सराहा : इसके साथ ही खासकर महिला मतदाताओं के बीच सुरक्षा व्यवस्था या कानून व्यवस्था का मुद्दा सिर चढ़कर बोलता नजर आया। अधिकतर महिलाओं ने अपने इलाके में अपराध, गुंडागर्दी या अराजकता कम होने की बात कही। इसके लिए प्रदेश की योगी सरकार की सख्ती को महिलाओं ने बढ़िया कदम बताया। कई छात्राओं ने इसमें जोड़ा कि कानून व्यवस्था पिछली सरकारों से बेहतर है। स्कूल-कॉलेज जाने वाली ग्रामीण लड़कियों ने तो यहां तक कि अगर कोई दूसरी सरकार आती है तो हो सकता है कि कानून व्यवस्था फिर पहले जैसी न हो जाए। इसी मुद्दे पर कई व्यापारियों ने धंधा थोड़ा मंदा होने की बात तो कही, लेकिन अपराध नियंत्रण पर खुशी जताई।

भाजपा समर्थक बोले, मोदी-योगी पर भरोसा बढ़ा

मोदी के नाम और सरकारी योजनाओं तथा कानून–व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा समर्थक मुखरता से बोलते नजर आए। उनका कहना था कि विपक्षी दलों के सिर्फ सत्ता के लिए गठबंधन करने से मोदी–योगी पर जनता का भरोसा और बढ़ गया है। लेकिन ऐसा भी नहीं नजर आया कि मतदाता सिर्फ इन्हीं दो मुद्दों पर वोट कर रहे हैं।

जातीय समीकरण ने ओढ़ी खामोशी की चादर

- अकबरपुर और मिश्रिख और यहां तक कि कानपुर और उन्नाव में भी जातीय समीकरण भी काम करता नजर आया। तमाम मतदाताओं ने अपनी बिरादरी के प्रत्याशी को वोट देने का फैसला पहले नंबर पर रखा। हालांकि ऐसे मतदाता ज्यादा जल्दी बोलने के लिए तैयार नहीं हुए। पोलिंग बस्तों पर बैठे पर्ची बनाने वाले कार्यकर्ताओं ने इस ओर खुलकर इशारा किया। अमृत विचार की टीम से दो–तीन स्थानों पर कुछ युवाओं ने बेरोजगारी का सवाल उठाते हुए सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। लेकिन युवाओं या फर्स्ट टाइम वोटर के बीच बेरोजगारी अथाव अग्निवीर योजना का मुद्दा सबसे ऊपर था, ऐसा कहीं नजर नहीं आया। इसी तरह जमीन पर यह भी नजर आया कि विपक्षी दल मतदाताओं तक यह संदेश पहुंचाने में सफल रहे हैं कि संविधान और आरक्षण को खत्म करने की साजिश की जा रही है। लेकिन इस बात का कोई व्यापक असर है, ऐसा भी नहीं है।

संविधान और आरक्षण पर खतरे की चिंता भी दिखी

- मिश्रिख लोकसभा के अंतर्गत आने वाले एक मतदान केंद्र के बाहर दलित खासकर जाटव समुदाय के मतदाताओं ने संविधान और आरक्षण खत्म होने की आशंका को लेकर चिंता तो जताई लेकिन क्या इसी मुद्दे पर मतदान किया है, यह पूछने पर बात टाल दी। बात ध्रुवीकरण की करें तो मुस्लिम मतदाताओं में इस मुद्दे के असर से इंकार नहीं किया जा सकता। भाजपा ने भले ही यह समझाने की कोशिश की हो कि सरकारी योजनाओं का सबसे अधिक लाभ मुसलमानों को ही मिला है पर यह बात मानने के लिए इक्का–दुक्का ही लोग तैयार हुए। मुस्लिम बहुल मतदान केंद्रों के बाहर लगभग हर कहीं लोगों ने बहुतायत में सत्ताधारी दल के खिलाफ ही अपनी राय जताई और गठबंधन प्रत्याशियों की वकालत करते नजर आए।

जब पूर्व पीएम ने भरी थी संचार क्रांति व पंचायती राज की हुंकार

अतीत के झरोखे में चुनाव

राजेश सिंह, हमीरपुर

● हमीरपुर के राठ कस्बे में राजीव गांधी ने किया था स्वामी ब्रह्मानंद की प्रतिमा का किया था अनावरण

अमृत विचार। जनपद में 33 साल पहले पूर्व पीएम राजीव गांधी ने जनसभा में संचार क्रांति और पंचायती राज व्यवस्था को लेकर हुंकार भरी थी। आधी रात को जनसभा में आए पूर्व पीएम को देखने के लिए भारी जनसैलाब भी उमड़ा था। जनसभा के बाद राजीव गांधी ने नगर के डाक बंगले में रात्रि विश्राम किया था।

वर्ष 1984 के आम चुनाव में केंद्र में राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी। वह 1989 तक पीएम रहे। लेकिन 1989 के आम चुनाव में राजीव गांधी को विपक्ष में बैठना पड़ा था। करीब सोलह महीने महीने बाद ही नौंवी लोकसभा भंग हो गई। पूरे देश में मंडल कमीशन और राम मंदिर के मुद्दा लोकसभा चुनाव में छाया था। इसके बावजूद केंद्र की सत्ता में कांग्रेस आई थी। लेकिन कांग्रेस को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी। राजीव गांधी की आम चुनाव से पहले ही आत्मघाती हमले में हत्या कर दी गई थी। हत्या से पहले राजीव गांधी बुंदेलखंड के हमीरपुर की धरती पर भी कदम रख गए थे। उन्होंने आधी रात के बाद यहां जनसभा में हुंकार भरी थी। कुछ महीने बाद 21 मई 1991 को राजीव गांधी की हत्या की खबर से यहां पूरे शहर के लोग दुखी हुए थे। समाजसेवी जलीस खान, रफीक, लक्ष्मीकांत त्रिपाठी समेत तमाम लोगों ने कहा कि राजीव गांधी की हत्या से घरों में चूल्हे नहीं जले थे। बताया कि राजीव गांधी ऐसे नेता थे जिन्होंने हमीरपुर में सभा के दौरान किसी भी राजनैतिक दल के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की थी। वह सिर्फ गरीबों के कल्याण और गांवों के विकास की ही बातें की थी। इसके पूर्व राठ कस्बे में 25 मार्च 1991 को स्वामी ब्रह्मानंद महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था। उन्होंने जनसभा में भारी जन सैलाब को सम्बोधित भी किया था। यहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहन स्वरूप पाठक, पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद सिंह समेत तमाम नेताओं ने उनका स्वागत किया था। इसके बाद राजीव गांधी का काफिला हमीरपुर शहर में देर रात पहुंचा था जहां जिला पंचायत परिसर में बने मंच से राजीव गांधी ने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने और गांवों को संचार क्रांति से जोड़ने की बात कही थी।

बताई गारंटी

पीएम मोदी ने बिहार के मुजफ्फरनगर में रैली को संबोधित किया। उन्होंने गारंटी के बारे में बताया और मतदाताओं से राष्ट्र को सशक्त बनाने के नाम पर वोट मांगा।

सांसद रमेश बिंद ने सपा का दामन थाम लिया और मिर्जापुर से उम्मीदवार बन गए, भाजपा ने यहां सांसद का टिकट काटकर विधायक विनोद कुमार बिंद पर जताया था भरोसा

सांसद की बगावत से बदला समीकरण, मुकाबला हुआ रोचक

भदोही संसदीय सीट

चुनाव डेस्क

ललितेश पति त्रिपाठी।

विनोद कुमार बिंद।

अमृत विचार। भदोही संसदीय सीट पर भाजपा को जीत की हैट्रिक लगाने के लिए कड़ा संघर्ष करना होगा। टिकट कटने से नाराज चल रहे सांसद रमेश चंद्र बिंद के सपा में जाने की वजह से अब यहां का समीकरण बदल गया है। भाजपा ने भले ही यहां से मझवा सीट से निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद को मैदान में उतार कर निषाद वोटों की नाराजगी दूर करने की कोशिश की है लेकिन अब यहां लड़ाई दिलचस्प मोड़ पर आ गई है। रमेशचंद्र बिंद जहां खुद को अपमानित किए जाने का आरोप लगा रहे हैं। रमेश को सपा ने मिर्जापुर संसदीय सीट से उम्मीदवार बना दिया है। वे भले ही वहां चुनाव प्रचार में व्यस्त हो गए हैं पर उनकी टीम भदोही में सपा की जीत के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते दिख रही है।

भदोही संसदीय सीट का गठन 2008 के परिसीमन में हुआ था। 2009 में हुए लोकसभा के चुनाव में इस सीट पर बसपा के गोरखनाथ पांडेय जीते थे। 2014 की मोदी लहर में भाजपा ने यहां से किसान नेता वीरेंद्र सिंह मस्त को उतारा था तो उन्होंने बसपा के राकेश धर त्रिपाठी को हराया था। इस चुनाव में वीरेंद्र सिंह मस्त को 4,03,693 मत मिले थे तो राकेश धर को 2,45, 554 वोटों से संतोष करना पड़ा था। इस तरह 1.58 लाख वोटों से वीरेंद्र मस्त को यहां जीत मिली थी। 2019 में वीरेंद्र सिंह के स्थान पर रमेश बिंद चुनाव लड़े थे। तब उनके सामने सपा-बसपा के गठजोड़ की चुनौती थी। तब बसपा ने यहां से राकेश धर त्रिपाठी को उतारा था। राकेश धर को हराकर रमेश बिंद सांसद बने थे। हालांकि उनकी जीत का अंतर मात्र 43, 615 वोटों का था। इस चुनाव में भाजपा को लग रहा था कि वह आसानी से मैदान मार लेगी, क्योंकि उसके सामने सपा- बसपा जैसा मजबूत गठबंधन नहीं है। सपा के साथ कांग्रेस का गठजोड़ है। सपा ने इस सीट को तृणमूल कांग्रेस को दिया है। तृणमूल कांग्रेस का यहां कोई जनाधार नहीं है। हां पार्टी ने ललितेश पति त्रिपाठी को मैदान में उतारकर मुकाबले को रोचक बनाने का प्रयास जरूर किया है। बसपा से यहां हरिशंकर मैदान में हैं पर मुकाबला ललितेश और विनोद कुमार के बीच ही दिख रहा है। हरिशंकर जरूर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के प्रयास में लगे हैं। रमेश बिंद के सपा में जाने के बाद भाजपा को यहां अपनी रणनीति बदलनी पड़ी है। पार्टी के बड़े नेता जल्द ही यहां रैलियां करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का खासा प्रभाव माना जाता है। उनकी रैली तो होगी ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तीन से चार सभाएं कराने की योजना पर चर्चा की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आना तय माना जा रहा है।

कुर्मी मतदाताओं पर भी भाजपा की नजर

- यहां निषाद वोटों के साथ ही कुर्मी मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। यही वजह है कि पार्टी कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई अन्य बड़े कुर्मी नेताओं को यहां लगाएगी ताकि इस जाति के वोटों में कोई सेंधमारी न कर सके।

लाभार्थियों से घर- घर संपर्क

- पीएम किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला योजना समेत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से पार्टी के नेता घर जाकर संपर्क कर रहे हैं। उन्हें यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि उनका हित भाजपा की जीत में ही सुरक्षित है।

2019 का जनादेश -भदोही

दल	उम्मीदवार	वोट	%
भाजपा	रमेशचंद बिंद	510,029	49.05
बसपा	रंगनाथ मिश्र	4,66,414	44.85
कांग्रेस	रमाकांत यादव	25,604	2.46

2014 का जनादेश - भदोही

दल	उम्मीदवार	वोट	%
भाजपा	वीरेंद्र सिंह मस्त	4,03,695	41.10
बसपा	राकेशधर त्रिपाठी	2,45,554	25.00
सपा	सीमा मिश्रा	2,38,712	24.30
जद(यू)	तेज बहादुर यादव	26,995	2.75
कांग्रेस	सरताज इमाम	22,573	2.30

जातीय समीकरण अनुमानित

ब्राह्मण	3.10 लाख	मौर्या	1.0 लाख
बिंद	2.95 लाख	वैश्य	1.40 लाख
दलित	2.65 लाख	पाल	85 हजार
मुस्लिम	2.50 लाख	पटेल	75 हजार
यादव	1.50 लाख	अन्य	1.60 लाख
राजपूत	1.05 लाख		

आंकड़े पार्टी नेताओं वार्ता पर आधारित

पंजाब में इस बार पांच दलों में उलझे मतदाता देख रहे प्रत्याशी का चेहरा

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। पंजाब में लोकसभा की कुल 13 सीटें हैं और आम आदमी पार्टी की सरकार है। अंतिम चरण में यहां पहली जून को मतदान कराया जाएगा। इस बार राज्य में कोई दलीय गठबंधन चुनाव मैदान में नहीं है। इस कारण यहां का चुनाव पहले से अलग है। सीधे या त्रिकोणीय की जगह लोकसभा की अधिकतर सीटों पर चतुकोष्णीय और कम से कम चार सीटों बहुकोणीय मुकाबले की तस्वीर नजर आ रही है। शिरोमणि अकाली दल और भाजपा का नाता क्या टूटा, बसपा ने भी अकाली दल से समझौता तोड़ लिया। अब कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। इस तरह राज्य में चारों पार्टियों के बीच टक्कर देखने को मिल रही है। इस माहौल में मतदाताओं के सामने प्रत्याशियों के चेहरे सबसे बड़ा फैक्टर बन गए हैं। लेकिन ये चेहरे भी बड़ी संख्या में इधर से उधर हो गए हैं। राज्य के इतिहास में संभवतः पहली बार लोकसभा चुनाव से पहले इतनी संख्या में नेताओं का दल बदल देखने को मिला है। इससे हालत यह है कि कई सीटों पर आमने-सामने वही पुराने चेहरे हैं, लेकिन दल बदल गए हैं। ऐसे में शिरेमणि अकाली दल जहां इस बार अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ता नजर आ रहा है, वहीं आम आदमी पार्टी लोकसभा में अपने नंबर बढ़ाने की कवायद में जुटी है, जबकि कांग्रेस 2022 के विधानसभा चुनाव में अपने खोए आधार को पुनः पाकर पहले की तरह राज्य से ज्यादा से ज्यादा लोकसभी सीटें जीतने की उम्मीद लगा रही है। लेकिन यह काम आसान नहीं है, क्योंकि वर्ष 2019 के चुनाव में पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी और कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री थे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने राज्य की 13 में से आठ सीटे जीत ली थीं। लेकिन अब कांग्रेस के साथ न तो कैप्टन हैं और न उनकी पत्नी। तमाम अन्य कांग्रेस नेता भी हाथ का साथ छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं। कुछ ऐसा ही हाल राज्य की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी का भी है। उसके भी कई नेता भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

कांग्रेस, आप, अकाली दल और बसपा के सामने चुनौतियों का पहाड़

- लोकसभा चुनाव में अगर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर पार्टी का प्रदर्शन सुधारने की बड़ी चुनौती है, तो संकट आम आदमी पार्टी के सामने भी है, मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। पार्टी ने राघव चड्ढा, डॉ. संदीप पाठक, हरभजन सिंह समेत सात लोगों को पंजाब से राज्य सभा में भेजा था, लेकिन इनमें से पाठक को छोड़कर बाकी सांसदों का लोकसभा चुनाव के समय कोई अता-पता नहीं है। नेताओं की कमी के कारण ही आप को अपने सात मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारना पड़ा है। इस हाल में पार्टी की सबसे बड़ी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं, जो अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद राज्य में अपने चुनाव प्रचार से पार्टी को संबल प्रदान कर सकते हैं। लेकिन जिन गारंटियों का वादा कर आम आदमी पार्टी राज्य की सत्ता में आई थी, उनमें से अधिकांश अब तक पूरी नहीं हो पाई हैं। किसानों को मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। महिलाओं को एक हजार रुपये हर माह देने और पुरानी पेंशन का वादा पूरा नहीं हो पाया है। हालांकि मुफ्त बिजली का वादा पार्टी ने सबसे पहले पूरा करके दिखाया है। उधर, अकाली दल प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद पहली बार चुनाव मैदान में है। ऐसे में सुखबीर सिंह बादल के सामने पार्टी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी है, वह भी ऐसे समय में जब पार्टी विधानसभा चुनाव में मात्र तीन सीट पर सिमट चुकी है। राज्य की चौथी पार्टी बसपा ने अकाली दल के साथ मिलकर पिछला लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन गठबंधन फेल रहा था। पंजाब बसपा के संस्थापक कांशीराम की जन्मभूमि है। राज्य में दलित आबादी करीब 30 फीसदी है। लेकिन दलित मतदाता अकाली दल और कांग्रेस के बीच भी बंट हुए हैं। ऐसे में सिकुड़ते जनाधार के बीच अपना वोट बैंक बढ़ाकर प्रदर्शन सुधारने की चुनौती से बसपा को जूझना है।

2019 का वोट प्रतिशत

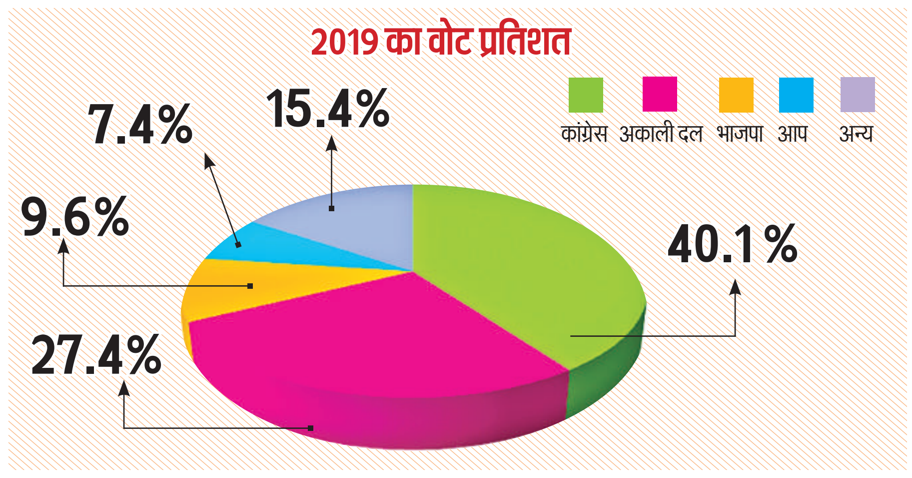

1998
से बसपा का 30 फीसदी दलित अबादी के बाद भी खाता खाली

117
विधायकों में 10 फीसदी से ज्यादा आप-कांग्रेस से उतरे मैदान में

2019 का जनादेश

पार्टी	सीट	वोट
कांग्रेस	08	55,23,066
अकाली दल	02	37,78,574
भाजपा	02	13,25,445
आप	01	10,15,773

2014 का जनादेश

पार्टी	सीट	वोट
अकालीदल	4	36,36,148
आप	4	33,73,062
कांग्रेस	3	45,75,879
भाजपा	2	12,09,004

आरक्षित सीटों पर बसपा बचा पाएगी अपना वोट बैंक

पंजाब में चतुष्कोणीय मुकाबलों को बहुजन समाज पार्टी अपने लिए मुफीद मान रही है। दरअसल राज्य की आरक्षित लोकसभा सीटों पर बसपा का आधार हर चुनाव में नजर आता रहा है। जालंधर, होशियारपुर ऐसी सीटें हैं, जहां बसपा हमेशा चुनावी मुकाबले में रहती हैं। फिरोजपुर में भी बसपा का वोट बैंक है। इसलिए आरक्षित सीटों पर बसपा की ताकत को कम करके आंकना दूसरे दलों के लिए भूल हो सकती है। जानकार राज्य में बसपा का वोट प्रतिशत लगभग भाजपा के जितना ही आठ से दस प्रतिशत के बीच मानते हैं।

अमृतसर सीट बहुकोणीय मुकाबले में बचा पाएगी कांग्रेस

- कांग्रेस के सामने अमृतसर लोकसभा सीट बचाने की चुनौती है। पार्टी की तरफ से दो बार के सांसद गुरजीत सिंह औजला फिर मैदान में हैं। भाजपा यहां बाहरी उम्मीदवार ही उतारती रही है। नवजोत सिंह सिद्धू, अरुण जेटली, आईएएस हरदीप पुरी के बाद इस बार भाजपा ने आईएफएस तरनजीत सिंह संधू को उमीदवार बनाया है। आम आदमी पार्टी से राज्य के कबीना मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और अकाली दल बादल से पूर्व कबीना मंत्री अनिल जोशी जोर लगा रहे हैं। अकाली दल अमृतसर ने सांसद सिमरनजीत सिंह मान के बेटे ईमान सिंह मान पर दांव लगाया है। भाजपा प्रत्याशी तरनजीत अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके हैं। कांग्रेस सांसद औजला के सामने एक मौजूदा मंत्री, दूसरे पूर्व मंत्री और ब्यूरोक्रेट के चुनाव लड़ने से यहां मुकाबला कड़ा है।

लुधियाना में अपने ही सांसद का मुकाबला कर रहे कांग्रेस अध्यक्ष

- लुधियाना लोकसभा सीट इस बार हॉट बन गई है। यहां कांग्रेस छोड़कर आए सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को भाजपा ने मैदान में उतार दिया है। बिट्टू का मुकाबला कांग्रेस से पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग कर रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल ने यहां पूर्व विधायक रणजीत सिंह तो आम आदमी पार्टी ने लुधियाना सेंट्रल सीट के विधायक अशोक पराशर पप्पी पर दांव लगाया है। चतुष्कोणीय मुकाबले में बिट्टू यहां फंसे नजर आ रहे हैं। लुधियाना कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर कांग्रेस को पूर्व सीएम बेंअंत सिंह की शहादत का लाभ मिलता रहा है, लेकिन उनके पौत्र रवनीत सिंह बिट्टू के पार्टी छोड़ने से झटका लगा है।

अकालियों से रिश्ता टूटने पर भाजपा ने कांग्रेस की जमीन पर खड़ा किया वोट बैंक

- पंजाब में अकाली दल ने तीन कृषि कानूनों के सवाल पर भाजपा से करीब ढाई दशक पुराना गठबंधन तोड़ लिया था। इस गठबंधन में रहकर भाजपा को लोकसभा की कुछ सीटें मिल जाती थीं। ऐसे में अकालियों के अलग होने पर भाजपा ने चुनावी जीत के लिए नए रास्ते तलाशे। उसने कांग्रेस के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह, उनकी पत्नी सांसद परनीत कौर, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे सुनील जाखड़, कांग्रेस नेता संतोख चौधरी की पत्नी करमजीत कौर, कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, कांग्रेस नेता तजिंदर सिंह बिट्टू और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल जैसे नेताओं को पार्टी में शामिल कराया। माना जा रहा हि कि इस कवायद से भाजपा ने राज्य में हिंदुओं की पार्टी होने की छवि से भी काफी हद तक छुटकारा पा लिया है।

2014 का वोट प्रतिशत

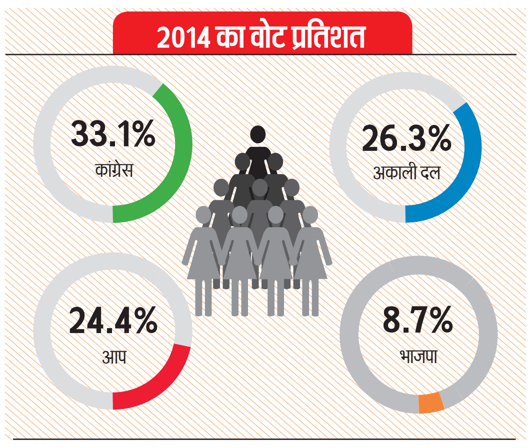

साथियों के साथ छोड़ने से संकट में दिख रही कांग्रेस

- भाजपा के पाले में कांग्रेस के दो वर्तमान सांसद परनीत कौर, रवनीत सिंह बिट्टू और आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील कुमार रिंकू चले गए थे। तीनों को भाजपा चुनाव मैदान में उतार चुकी है। शिरोमणि अकाली दल के दिग्गज नेता सिकंदर सिंह मलूका की पुत्रवधू परमपाल कौर सिद्धू बठिंडा से भाजपा प्रत्याशी हैं, जबकि आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के वर्तमान विधायक राज कुमार चब्बेवाल और पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी को अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा पार्टी ने अकाली दल के पवन टीनू को भी उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक व मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने वाले दलबीर सिंह गोल्डी भी आप में शामिल हो चुके हैं। उधर, कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के सांसद रहे डॉ. धर्मवीर गांधी को पटियाला से प्रत्याशी बनाया है। शिरोमणि अकाली दल ने कांग्रेस के मोहिंदर सिंह केपी को उम्मीदवार बनाया है। जालंधर से पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव मैदान में उतारने से नाराज पूर्व सांसद संतोख सिंह चौधरी की पत्नी करमजीत कौर भाजपा में शामिल हो चुकी हैं।

नेताओं के दल-बदल से भाजपा को उम्मीद, आधी से ज्यादा सीटों पर अबकी बार खिलेगा कमल

- पंजाब में इस बार का लोकसभा चुनाव कई मायनों में अजीब है। राज्य के इतिहास में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि एक पार्टी किसी प्रत्याशी को टिकट दे, और वह दूसरी पार्टी में चला जाए। मौजूदा विधायक इस्तीफा देकर दूसरी पार्टी का प्रत्याशी बन जाए। तीन बार के सांसद रवनीत बिट्टू तो चार बार सांसद रहीं परनीत कौर कांग्रेस छोड़कर भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। आम आदमी पार्टी ने अपने सांसद सुशील रिंकू को टिकट दी, लेकिन वह भी टिकट ठुकराकर कमल खिलाने के लिए भाजपा के उम्मीदवार बन गए। नेताओं के इस दलबदल से राज्य में कमजोर खिलाड़ी समझी जाने वाली भाजपा इस बार मजबूत प्रतिद्वंदी बनकर उभर चुकी है। पार्टी दूसरे दलों से आए नेताओं की बदौलत इस बार के लोकसभा चुनाव में करिश्माई प्रदर्शन करने की उम्मीद लगाए बैठी है।

पटियाला में रोचक हुई चुनावी जंग

- पटियाला लोकसभा सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती रही है। इस सीट पर भाजपा ने इस बार कांग्रेस छोड़कर आईं कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर को अपना प्रत्याशी बनाया है। यहां कांग्रेस ने पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी, आम आदमी पार्टी ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह और अकाली दल ने एनके शर्मा पर दांव लगाया है। बसपा से जगजीत छड़बड़ चुनाव मैदान में हैं। यहां चतुष्कोणीय मुकाबला होता नजर आ रहा है।

फतेहगढ़ साहिब में भाजपा ने दिलचस्प बनाया चुनाव

- फतेहगढ़ साहिब सीट लोकसभा आरक्षित सीट पर कांग्रेस से मौजूदा सांसद डॉ. अमर सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार उनका मुकाबला भाजपा प्रत्याशी पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष गेजा राज वाल्मीकि, आप प्रत्याशी पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी और शिरोमणि अकाली दल के बिक्रमजीत सिंह से है। पिछली बार डॉ. अमर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल प्रत्याशी को लगभग एक लाखमतों से हराया था। 2014 में यहां आम आदमी पार्टी ने चुनाव जीता था।

जालंधर में पूर्व सीएम चन्नी के सामने अपनों की ही चुनौती

- जालंधर लोकसभा सीट पर कांग्रेस छोड़ने के बाद मौजूदा सांसद सुशील कुमार रिंकू इस बार भाजपा के टिकट पर ताल ठोंक रहे हैं। कांग्रेस ने इस सीट पर उनके मुकाबले में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव मैदान में उतार दिया है। शिरोमणि अकाली दल ने यहां कांग्रेस के पूर्व सांसद और कद्दावर नेता मोहिंदर सिंह केपी और आप से पूर्व विधायक पवन टीनू यहां प्रत्याशी हैं। यहां साल 2023 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस के सांसद संतोख सिंह चौधरी का निधन हो गया था, इसके बाद हुए उप चुनाव में आम आदमी पार्टी से उतरे सुशील कुमार सिंह रिंकू ने कांग्रेस प्रत्याशी को 58 हजार मतों से हरा दिया था। जलंधर में दलित मतदाता करीब 40 फीसदी हैं, और जीत-हार तय करते रहे हैं।

खडूर साहिब में अमृतपाल की चुनौती से मुश्किल में अकाली दल

- खडूर साहिब लोकसभा सीट जेल में बंद 'वारिस पंजाब दे' प्रमुख अमृतपाल सिंह द्वारा स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा फैसला करने के बाद चर्चा में है। यह अकाली दल का गढ़ माना जाता है। राणा गुरजीत सिंह अपने बेटे के लिए कांग्रेस से टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी ने यहां कुलबीर सिंह जीरा को मैदान में उतारा है। खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी के लालजीत सिंह भुल्लर, भाजपा के मंजीत सिंह मन्ना चुनाव लड़ रहे हैं। यहां चुनाव अकाली दल बना अमृतपाल और कांग्रेस बनाम आप माना जा रहा है। उधर, आनंदपुर साहिब लोकसभा सीट पर कांग्रेस के विजय इंदर सिंगला, आम आदमी पार्टी के मालविंदर सिंह कंग, शिरोमणि अकाली दल के प्रेम सिंह चंदू माजरा के बीच मुकाबला हो रहा है।

गुरदासपुर में आखिरकार भाजपा ने कर ली फिल्मी सितारों से तौबा

- गुरदासपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने इस बार फिल्म अभिनेताओं से किनारा करते हुए स्थानीय नेता दिनेश सिंह बब्बू पर दांव लगाया है। बब्बू सुजानपुर से तीन बार विधायक और विधानसभा में उपाध्यक्ष रह चुके हैं। दिवंगत अभिनेता व भाजपा के पूर्व सांसद विनोद खन्ना की पत्नी कविता खन्ना भी यहां से दावेदारी कर रही थीं। भाजपा को यहां मौजूदा सांसद सनी देओल की निष्क्रियता भारी पड़ सकती है। कांग्रेस ने भी इस सीट पर बड़े चेहरे पूर्व मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को उतारा है। रंधावा की क्षेत्र में अच्छी पकड़ है। आम आदमी पार्टी ने अमनशेर सिंह कालसी को उम्मीदवार बनाया है। युवा नेता कालसी बटाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। शिरोमणि अकाली दल से दलजीत सिंह चीमा चुनाव लड़ रहे हैं।

दलित राजनीति के गढ़ में इस बार दिख रही कांटे की टक्कर

- दलित राजनीति का गढ़ कही जाने वाली होशियारपुर लोकसभा सीट से पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह और बसपा के संस्थापक कांशीराम सांसद रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती भी यहां से चुनाव लड़ चुकी हैं। बीते 10 वर्षों से इस सीट पर भाजपा का कब्जा है। होशियारपुर से कांग्रेस ने इस बार युवा महिला नेता यामिनी गोमर को मैदान में उतारा है। वह 2014 में चुनाव लड़ चुकी हैं। आम आदमी पार्टी ने राजकुमार चब्बेवाल पर दांव लगाया है। चब्बेवाल पिछला चुनाव कांग्रेस से लड़े थे और नजदीकी मुकाबले में हार गए थे। भाजपा से होशियारपुर के मौजूदा सांसद सोमप्रकाश जो केंद्रीय मंत्री हैं, की पत्नी अनिता सोम प्रकाश यहां चुनाव लड़ रही हैं। उनके सामने संगठन को एक रखने की चुनौती है।

संगरूर में दांव पर लगी है मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रतिष्ठा

- संगरूर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी सुखपाल सिंह खैरा और आम आदमी पार्टी के मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर और भाजपा से अरविंद खन्ना चुनाव लड़ रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल से पूर्व विधायक इकबाल सिंह झूंदा मैदान में हैं। बसपा ने मक्खन सिंह और अकाली दल अमृतसर ने मौजूदा सांसद सिमरनजीत सिंह पर एक बार फिर से दांव खेला है। इस सीट पर मुकाबला बहुकोणीय नजर आने से मतदाता उलझन में हैं। आम आदमी पार्टी संगरूर सीट को मुख्यमंत्री भगवंत मान का गढ़ मानती है, वह दो बार यहां से सांसद रह चुके हैं। लेकिन आप के लिए चुनौती यह है कि विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद 2022 में इस सीट पर हुए उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

फरीदकोट में सूफी गायक और कॉमेडियन के बीच फंसी कांग्रेस

- फरीदकोट में दिल्ली की उत्तर पश्चिम सीट से सांसद हंस राज हंस को भाजपा ने मैदान में उतारा है। आम आदमी पार्टी से उनके सामने कॉमेडियन व फिल्म अभिनेता कर्मजीत अनमोल को उतारा है। इस सीट पर अकाली दल से तीन बार के विधायक राजविंदर सिंह उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने अपने मौजूदा सांसद मो. सद्दीक के स्थान पर अमरजीत कौर पर दांव लगाया है। इस सीट पर भी बहुकोणीय कड़ा संघर्ष नजर आ रहा है। यहां किसानों के मुद्दे ज्यादा हावी दिख रह हैं। सुफी गायक अपने गानों से लोगों को रिझा रहे हैं।

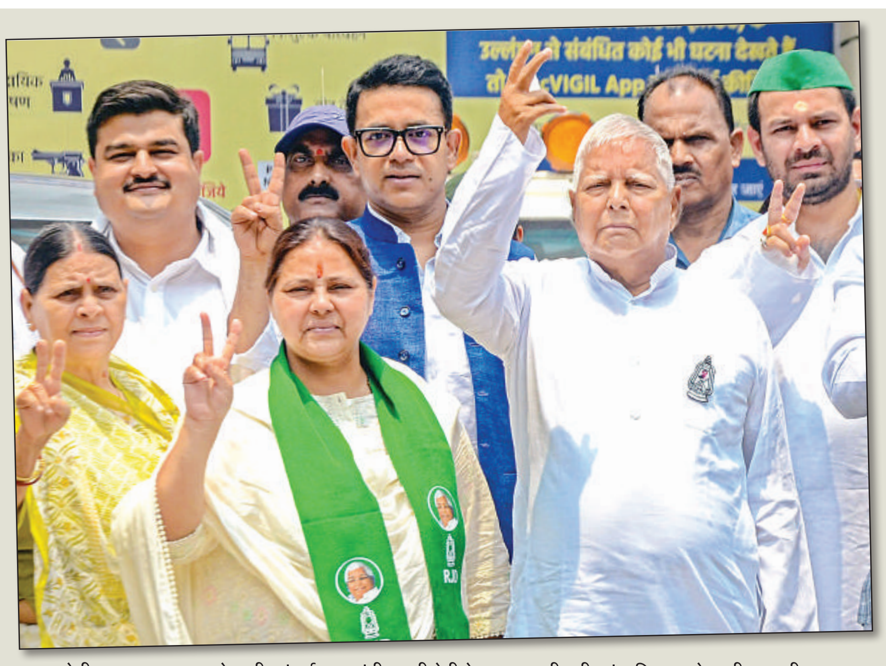

आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने पत्नी एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ अपनी पुत्री एवं पाटिलपुत्र से उम्मीदवार मीसा भारती के नामांकन जुलूस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से संविधान बचाने के लिए वोट मांगा। कहा कि मोदी फिर प्रधानमंत्री बने तो न आरक्षण बचेगा और न ही संविधान। भाजपा संविधान बदलना चाहती है।

हरसिमरत इस बार बचा पाएंगी बठिंडा में अकाली दल का गढ़

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। शिरोमणि अकाली दल का गढ़ पंजाब की बठिंडा लोकसभा सीट पर रोचक मुकाबला होगा। शिअद की हरसिमरत कौर बादल इस सीट से तीन बार की सांसद हैं, पार्टी ने उन्हें फिर से मैदान में उतारा है। उनके सामने आम आदमी पार्टी ने कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा ने पूर्व आईएएस अधिकारी परमपाल कौर सिद्धू और कांग्रेस ने चार बार के विधायक जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू पर भरोसा जताया है। हरसिमरत के सामने खड़े उम्मीदवारों का यह पहला लोकसभा चुनाव है, जबकि हरसिमरत चौथी बार मैदान में हैं। । उनके लिए शिअद के गढ़ को बचाना साख का सवाल बना हुआ है। 2022 के विधानसभा चुनाव में आप प्रत्याशी खुड्डियां पांच बार के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को हराकर विधानसभा पहुंचे थे। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में शिअद प्रत्याशी हरसिमरत कौर ने इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को 21,772 मत के अंतर से मात दी थी। इस बार वडिंग अब बठिंडा की जगह लुधियाना से चुनाव लड़ रहे हैं। हरसिमरत 2009 में पहली बार राजनीति में उतरी थीं और बठिंडा से सांसद बनी थीं। चार बार के विधायक कांग्रेस प्रत्याशी जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू ने शिअद छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया था।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि संविधान बचाने का काम कांग्रेस और उसके सहयोगी दल कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला और कहा कि इस बार इंडिया गठबंधन की सरकार केंद्र में बनेगी।

धर्म दर्शन

ब्रह्म शब्द से ही ब्रह्मा शब्द बना है। ब्राह्मण शब्द, ब्रह्मराक्षस शब्द और ब्रह्मपुत्र नद और हरियाणा का ब्रह्मसरोवर आदि भी ब्रह्म शब्द से जुड़े हैं। ब्रह्मा को विधाता अथवा सृजन का देवता माना जाता है। उसके चार मुख बतलाए जाते हैं और इन चारों मुखों की एक कहानी यह भी है कि ब्रह्मा शतरूपा को निहारते रहते थे। एक बार वह इनकी परिक्रमा कर रही थी, उसे चारो ओर से देखने के लिए इन्होंने चार मुख धारण कर लिए।

सृजन के देवता ब्रह्मा

किसी कथा में इनके पांच मुखों का वर्णन है जिसमें से एक मुख रुद्र देवता ने तोड़ दिया था। बहुत सी कथाओं में एक यह भी कथा है कि इन्होंने चार मुखों से चार वेदों का गायन किया था।अंगिरस, पुलस्त्य, मरीचि, अत्रि, दक्ष, भृगु, वशिष्ठ आदि इसके मानसपुत्र माने गए हैं। सावित्री की ओर रति-भाव से आकृष्ट होने के कारण ब्रह्मा को अपूज्य माना गया है। ब्रह्मा और शिव के उपासकों के संघर्ष की भी अनेक कथाएं कही-सुनी जाती हैं। उपनिषदों में वे ब्रह्मविद्या के आचार्य हैं। अजमेर में पुष्कर में ब्रह्मा का मंदिर है।

तीर्थराज पुष्कर में एक पहाड़ी के ऊपर ब्रह्मा की पत्नी सावित्री का मंदिर बना हुआ है। इसमें अकेली सावित्री को मूर्ति है, ब्रह्मा की नहीं। दूर पहाड़ी पर सावित्री अकेली क्यों बैठी हैं, इसे लेकर बड़ी प्रसिद्ध अनुश्रुति चली आ रही है। एक बार ब्रह्मा ने तीर्थराज पुष्कर में यज्ञ रचा। यज्ञ में आहुति देने का समय निकट आ गया, पर सावित्री अपने घर में श्रृंगार करने में लगी हुई थी। बार-बार सावित्री को बुलावा भेजा गया। उनका श्रृंगार ही समाप्त ही नहीं हो रहा था। लगा कि अब यज्ञ का शुभ मुहूर्त ही टल जाएगा, ब्रह्मा चिंतित हो उठे। उधर से उन्हें एक गूजर स्त्री जाती दिखी। ब्रह्मा ने उस गुजरिया स्त्री के साथ गठजोड़ा बांधकर यज्ञ में आहुति देते अपने साथ बैठने की विनती की। गूजरी ने स्वीकार कर लिया। जब सावित्री आई तो ब्रह्मा के वामांग में एक स्त्री को देखकर क्रोधित हो गई। रूठ कर वहां से चली गई और पास की एक पहाड़ी पर अकेली जाकर रहने लगी। इसीलिए वहां रूठी हुई सावित्री का मंदिर बना हुआ है।

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

श्रीमद्भागवत में वैदिकदेवता इन्द्र के पराभव की तरह ही वैदिक देवता ब्रह्मा के मोह का प्रसंग है। ब्रह्मा ने वन में गोचारण कर रहे श्रीकृष्ण के ग्वाल-बाल और गाय-बछड़ों को चुरा लिया था। बाद में उसे अपनी भूल का अहसास हुआ और इन्द्र की तरह ही उसने श्रीकृष्ण की वंदना की।

अनेक दैत्यों-दानवों को ब्रह्मा ने अजेय होने का वरदान दिया था। वे ब्रह्मा के उपासक थे। सरस्वती ब्रह्मा की मानस कन्या मानी जाती है ।

कुरुक्षेत्र में ब्रह्मा का नाभिकमल तीर्थ है, पिहोवा में प्राचीन ब्रह्मा मंदिर तथा ब्रह्म योनी तीर्थ है, चौमुहां गांव में ब्रह्मा का मंदिर है और कानपुर के पास भी एक ब्रह्म का मंदिर बतलाया जाता है। ब्रह्मा के संदर्भ को लेकर शत-सहस्र कथाएं पुराणों में हैं, किंतु ब्रह्मा को पूज्य नहीं माना गया।

वैशाख महीने में जलदान का महत्व

शास्त्रों में तो हर माह और तिथियों की महत्ता वर्णित है। इसके पीछे ऋषियों-मुनियों का मनुष्य को श्रेष्ठ जीवन जीने की कला से अवगत कराना प्रमुख उद्देश्य था। लोग हर दिन और हर पल सदाचार का पालन करें ताकि समाज में प्रेम, सौहार्द्र का भाव रहे। इसी क्रम में गर्मी के इस मौसम में अशक्त और असहाय लोगों की मदद और भूख-प्यास से पीड़ित लोगों खासकर समाज के वे सदाचारी लोग जो लोकहित के लिए शास्त्र आदि के अध्ययन में लगे रहते हैं, उन्हें जलकुंभ, गर्मी से बचाव के लिए वस्त्र, शीतल हवाओं के लिए पंखा, जूता-चप्पल, खाद्य-पदार्थ आदि देने का विधान बनाया। समाज में जो लोग सामर्थ्यवान हैं वे अपने से नीचे का जीवन जीने वाले लोगों की मदद जब करेंगे तो वक्त-जरूरत पर इन लोगों की मदद प्राप्त कर सकेंगे। इस स्थिति में पूरा गांव या इलाका कुटुंब बन जाएगा और भाईचारा का वातावरण बनेगा। गांव या इलाके में किसी पर दैवी, प्राकृतिक या जंगली हिंसक जीव-जंतुओं से कोई विपत्ति आती है तो उसका मुकाबला सामूहिक भावना से पूरा इलाका करने में लग जाएगा।

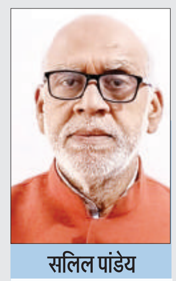

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इसी के मद्देनजर विभिन्न पुराणों में व्रत-उपवास के साथ दान का विधान किया गया। स्कंदपुराण के वैष्णवखंड में वैशाख माह की श्रेष्ठता के लिए 13 अध्यायों में राजा कीर्तिमान को वशिष्ठ के उपदेश, नारद का अपने सभासदों के उपदेश तथा ऋषि श्रुतदेव का जनक से संवाद का उल्लेख अत्यंत रोचक ढंग से वर्णित है। इसमें विभिन्न तिथियों में नदी-सरोवर में स्नान, भगवान विष्णु का पूजन तथा ग्रीष्म से बचाव की वस्तुओं के दान की बात कही गई। इस माह की महत्ता के संदर्भ में स्कंद पुराण में कहा गया है कि 'न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम्, न च वेदसमम् शास्त्रं न तीर्थं गंगया समम्'। वैशाख माह में सूर्योदय में नदी-सरोवर स्नान करने से भगवान मधुसूदन प्रसन्न होते है। इस महीने में प्याऊ लगाना, छाते, जूते, सत्तू, चटाई का दान सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी जरूरी है। इसके अलावा भगवान शंकर के मंदिर पर जलधारा (जलहरी) की व्यवस्था भी सूक्ष्म जीव-जंतुओं के लिए आवश्यक बताया गया है। ये जीव-जंतु पर्यावरण संरक्षण में योगदान करते हैं।

अतः श्रद्धालुजन इन तिथियों में आध्यात्मिक विधानों का पालन कर समाज में भाईचारा का संदेश देते हुए ग्रीष्म ऋतु की जटिलताओं से मुकाबला करने के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्तर पर अपनी तैयारी भी करें, क्योंकि इन तौर-तरीकों में ब्रह्म-मुहूर्त में स्नान पहली अनिवार्यता है। यह मुहूर्त स्वास्थ्य की दृष्टि से अति लाभप्रद है। मेडिकल साइंस के साथ देश के कोने-कोने में एक लोकोक्ति प्रचलित है कि 'जो सोवत है सो खोवत है, जो जागत है सो पावत है'। इस लोकोक्ति में 'सो' का आशय 'सौ' से है। यानि सौ प्रतिशत खोना या 'सौ' प्रतिशत पाना इसका आशय लेना चाहिए। पूरे विश्व के चिकित्सक तक अब यही कहने लगे है कि ब्रह्म-मुहूर्त में शरीर के हार्मोन्स स्वास्थ्य के अनुकूल शरीर को बनाते हैं।

कल्याणकारी अग्निदेव

सब पदार्थों को प्रकाशित करने वाले तेजस्वी सूर्यदेव इस लोक में सहज दर्शनीय हैं तथा विभिन्न प्रकार से धन-ऐश्वर्य को बढ़ाते हुए शोभायमान होते हैं। उसी प्रकार ये अग्निदेव श्रेष्ठ शक्ति-संपन्न, अमृत स्वरूप, दुःखनाशक आयुष्य के संवर्धक हैं। वरणीय, त्रिकालदर्शी सवितादेव उषा काल के बाद विशेष प्रकाश बिखेरते हैं जिससे सभी पदार्थ अपने स्वस्थ स्वरूपों को धारण करते हैं। मनुष्यों के साथ सभी प्राणियों को कल्याणकारी मार्ग में प्रयुक्त करते हैं। हे अग्ने! आप आकाश में मेघों के मध्य विद्युत के रूप में चमकते एवं गर्जना करते हुए पृथ्वी को गुंजायमान करते हैं। प्राण पर्जन्य के रूप में वृक्ष-वनस्पतियों को अंकुरित करते हैं। शीघ्र उत्पन्न और प्रज्वलित होकर सभी को प्रकाशित करते हैं।

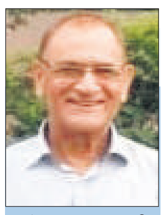

ओमप्रकाश त्रिपाठी
सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक

हे वरुणदेव! आप तीनों ताप रूपी बंधन से हमें मुक्त करें। आधिदैविक, आधि भौतिक और आध्यात्मिक पाश हमसे दूर हों तथा मध्य एवं नीचे के बंधन हमसे अलग करें। हे सूर्यपुत्र! पापों से रहित होकर आपके कर्मफल-सिद्धांत में अनुशासित हम दयनीय स्थिति में न रहें। सबमें चैतन्य स्वरूप, पवित्रता में विद्यमान रहने वाले, अंतरिक्ष में वायु के रूप में, यज्ञवेदी में देवताओं के वाहक, सबके पूज्य, प्राणाग्नि के रूप में सभी मनुष्यों में, आकाश में विद्युत रूप में स्थित, जल में बड़वानल रूप में, भूमि में ज्वालामुखी फूटने के रूप में, पत्थरों में चिंनगारी रूप से उत्पन्न होने वाले ऐसे सर्वव्यापक अग्निदेव की महिमा प्रशंसनीय है। आपके जो सूर्य, अग्नि और बड़वा तीन तेज हैं, उन्हें हम जानते हैं। आपका जो मंत्र-स्थित गुप्त नाम है, उसके भी हम ज्ञाता हैं और आपके विद्युत रूप में चमकने वाले जलस्रोत से उत्पन्न स्थान को भी हम जानते हैं। हे अग्निदेव! आप यजमान को श्रेष्ठ यज्ञकर्म में प्रतिष्ठित करें। उपासक यजमान सूर्यदेव एवं आपके प्रीति पात्र हों तथा पुत्र पौत्रादि सभी संतानों के सुख से समृद्ध हों। हे ऋत्विजों! आप समिधाओं द्वारा अग्निदेव को प्रसन्न करें। अतिथि रूप अग्निदेव को घृत आहुतियों से प्रदीप्त करें तथा इस प्रदीप्त अग्नि में हवन सामग्री की आहुतियां प्रदान करें। हे भस्मरूप अग्निदेव! आप जल में बड़वाग्नि रूप में स्थित हैं। शमी आदि औषधियों में विद्यमान रहते हैं और अरणि मंथन से बार-बार आप प्रकट होते हैं। आप अपनी सामर्थ्य शक्ति के साथ यज्ञ स्थल पर पुनः पधारें। इच्छायुक्त इंद्रदेव ने सहस्त्रों के उपयोग में आने योग्य आनंददायक और तृप्तिप्रद सोमरस को जिस माध्यम से उदर में धारण किया, वह माध्यम, ये अग्निदेव ही हैं।

मानवीय दिव्यता और सुग्राह्यता

अनेक पुराणों एवं परवर्ती साहित्य में देवों के प्रति अनन्य भक्ति या सम्मान के कारण ही उनके विरोधी असुरों को घृणित और निंदनीयमान, 'असुर' (दैत्य, दानव, राक्षस) शब्द दुष्टात्मा, आततायी, परपीड़क, दस्यु, आदि का सूचक/प्रतीक बन गया। यही नहीं भूत, प्रेत, पिशाच आदि हीन कोटि के समूह इनके साथ जुड़ गए। निशाचर, निश्चर, रजनीचर, नरभक्षक, श्मशानवासी, दैत्य, दैतेय, दनुज, सुरारि, इन्द्रारि, देवारि, शुक्रशिष्य, देवरिपु आदि शब्द असुर के बहुप्रयुक्त पर्याय बन गए। स्पष्ट है कि श्रीहरि विष्णु के सोलह कलाओं के पूर्णावतार भगवान श्रीकृष्ण ने पार्थ अर्जुन के माध्यम से मानव मात्र के लिए सुग्राह्यमार्ग दर्शन का निर्देश दिया है। विषय का प्रारंभ वह निम्नलिखित श्लोक से करते हैं: "द्वौ भूतसर्गौ लोकेऽस्मिन् दैव आसुर एव च। दैवो विस्तरशः प्रोक्त आसुरं पार्थ मे श्रृणु।।"

डॉ. अजित कुमार सिंह
सेवानिवृत्त, पुलिस महानिरीक्षक

अर्थात् इस लोक में देव गुण संपन्न एवं राक्षस गुण संपन्न दो प्रकार के मनुष्य रहते हैं। असुर गुण संपन्न लोगों के विषय में आगे कहता हूं। बाद के परवर्ती श्लोकों मे भगवान, असुर मनुष्य के लक्षणों एवं दुर्गुणों का विस्तृत उल्लेख करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि आसुरी स्वभाव वाले ईर्ष्यालु, क्रूर तथा मनुष्यों में अधम होता हैं। ऐसे अधम मनुष्यों को मैं संसार रूपी सागर में निरंतर गिराता रहता हूं। हे कुंतीपुत्र! आसुरी योनि को प्राप्त हुए मूर्ख मनुष्य अनेक जन्मों तक आसुरी योनि को ही प्राप्त होते रहते हैं। ऐसे आसुरी स्वभाव वाले मनुष्य मुझे न प्राप्त होकर अत्यंत अधमगति (निम्नतम योनि) को ही प्राप्त होते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के देव और असुर संबंधी मंतव्यों के प्रकाश में गहराई से विचार करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि पूर्ववर्ती असुर और परवर्ती देव, दैत्य, दानव, राक्षस, नाग, गंधर्व, किन्नर, नाग, गरुड़, वानर, मानव आदि सभी विभिन्न मनुक प्रजाति समूह के ही उच्चतम-उच्चतर समाज के लोग थे। उनके दिव्य तेज, अति मानवीय गुणों और क्रिया कलापों के अतिरंजित आलंकारिक वर्णन ने कभी उनके स्वरूप को अतिमानवीय दिव्यता और सुग्राह्यता प्रदान किया तो कभी भयावनी विरूपता। वाल्मीकि रामायण के अनुसार ही हनुमान जी द्वारा अपने शयनकक्ष में दिखा, निद्रारत अति रूपवान तेजधारी अति आकर्षक देहयष्टिधारी पौलस्त्य रावण को, भयावह 'दशानन' बना दिया गया। बंदर को मनुष्य के मूल पूर्वज होने का श्रेय देने तथा विकासवाद के सिद्धांत की स्थापना का श्रेय लेने वाले 18 वीं-उन्नीसवीं सदी के पाश्चात्य यह भूल जाते हैं कि भारतीय मनीषी हजारों वर्षों पूर्व इस सिद्धांत की वास्तविकता से परिचित थे। श्रीहरि विष्णु के विभिन्न अवतारों में इसकी जानकारी होने का सुस्पष्ट संकेत मिलता है।

प्रदेश

तलाकशुदा पुत्री मृतक पर आश्रित होने की स्थिति में अनुकंपा नियुक्ति की हकदार

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक तलाकशुदा पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति देने के मामले में कहा कि कार्यरत कर्मचारियों की मृत्यु की तिथि पर अगर तथ्यों द्वारा यह सिद्ध किया जाता है कि एक विवाहित पुत्री उस पर निर्भर है या अगर उसे अनुकंपा नियुक्ति दी जाती है तो मृतक की विधवा और उसके परिवार के सदस्यों की देखभाल विवाहित पुत्री द्वारा की जा सकती है, ऐसे दावे पर विचार किया जा सकता है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि तलाकशुदा पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति की मांग करते समय अधिकारियों के समक्ष तलाक के तथ्य और पिता की मृत्यु से पहले उन पर निर्भरता साबित करनी होगी।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर की एकलपीठ ने अख्तरी खातून की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने माना कि याची खुद को पारिवारिक पेंशन की हकदार सिद्ध करने में असफल रही, साथ ही उसने मृतक के परिवार की देखभाल के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। अतः इस आधार पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए उसका दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी नोट किया कि याची ने अपने हलफनामे में खुद को अपने दिवंगत पिता की बेटी कहने के बजाय खुद को उस पति की पत्नी के रूप में दर्शाया, जिसे कथित तौर पर उसने तलाक दे दिया है। इस प्रकार हस्ताक्षरित और शपथयुक्त दस्तावेज होने के कारण इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है।

दरअसल, याची के पिता पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में बतौर सेंट्रीफ्यूगल मैकेनिक बस्ती में कार्यरत थे। शरीयत कानून के अनुसार, याची का तलाक जनवरी 2008 को हो गया था, लेकिन उसने सक्षम क्षेत्राधिकार वाली कोर्ट से तलाक की डिक्री प्राप्त नहीं की। पिता की मृत्यु के बाद उसने एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते अनुकंपा नियुक्ति तथा सेवानिवृत्ति बकाए के लिए अभ्यावेदन दिया।

सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियम, 1974 के नियम 2(सी)(iii) के तहत उसने अनुकंपा नियुक्ति का दावा प्रस्तुत किया, लेकिन कोई कार्यवाही न होने पर हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति का हकदार उस स्थिति में माना जा सकता है, जब वह कर्मचारी की मृत्यु से पहले उस पर अपनी निर्भरता सिद्ध कर सके।

प्रत्यक्ष आरोपों के अभाव में दहेज हत्यारोपी सास को किया रिहा

प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या मामले में विशिष्ट आरोपों के अभाव में मृतका की सास को रिहा करते हुए कहा कि वह पीड़िता की मृत्यु से पहले ही परिवार से अलग हो गई थी, जो दहेज की कथित मांगों में उनकी प्रत्यक्ष भागीदारी को नहीं दर्शाता है। हालांकि कोर्ट ने मृतका के पति की सजा को बरकरार रखते हुए आईपीसी की धारा 304-बी के तहत ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई, आजीवन कारावास की सजा को संशोधित कर दिया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मोहम्मद अज़हर हुसैन इदरीसी की खंडपीठ ने आईपीसी की धारा 304-बी, 498-ए और 201 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत दोषसिद्धियों के खिलाफ वेदराम और दो अन्य की अपीलों पर विचार करते हुए पारित किया। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों के आधार पर निष्कर्ष निकाला कि मृतका की अप्राकृतिक मृत्यु शादी के सात साल के भीतर हुई थी और अभियोजन पक्ष के गवाहों का कहना था कि दहेज की मांग के लिए उसे लगातार परेशान किया जा रहा था।

अफजाल अंसारी की अपील पर अगली सुनवाई 20 को

प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सांसद अफजाल अंसारी को फिलहाल कोई राहत न देते हुए गाजीपुर की एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट द्वारा सुनाई गई चार साल की सजा के खिलाफ दाखिल उनकी अपील पर करीब दो घंटे की सुनवाई के बाद अगली तारीख 20 मई को सुनिश्चित की है।

न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकलपीठ के समक्ष सुबह 10 बजे से लगभग 3 घंटे तक चली सुनवाई के दौरान अफजाल अंसारी के अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखा। गौरतलब है कि गाजीपुर में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के मामले में अंसारी बंधुओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मामला दर्ज किया गया था, जिस पर गाजीपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने सजा सुनाई है। कृष्णानंद राय के पुत्र पीयूष राय ने अंसारी की सजा बढ़ाने की अपील की है। राज्य सरकार की तरफ से भी ऐसे ही आग्रह के साथ एक और अपील दाखिल की गई है। कोर्ट इन सभी मुकदमों में एक साथ सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अंसारी की सजा स्थगित करते हुए हाईकोर्ट को उनकी अपील पर 30 जून 2024 तक निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

वर्ग पहेली-69

बाएं से दाएं

1. बोलने की शक्ति, वाचा, वाणी, वाक।
4. एक प्रकार का हलका पीला रंग।
6. 1. प्रधान अधिकारी या कार्यकारी प्रशासक से संबंधित, (एक्ज़ीक्यूटिव) 2. नियंत्रक।
7. दे. यारबाज़।
8. जलाशयों के किनारे होने वाला एक पर्वतीय पौधा जो औषधि के काम में आता है।

ऊपर से नीचे

1. 1. केश 2. बालक 3. किसी पशु का बच्चा 4. शरीर का रोआं, रोम।
2. आपात स्थिति, आपातकाल, आकस्मिक संकट।
3. 1. जीवंत, जीवित 2. सजीव, सचेत, जीवन-शक्ति से युक्त 3. भला-चंगा 4. तेजवान, सशक्त।
5. 1. जालसाज़ी, छल-कपट, धोखा, सही बात छिपाकर दूसरी बात कहना 2. धमकी।
6. 1. आग की तरह जलता या दहकता हुआ 2. आग की-सी जलन उत्पन्न करने वाला।

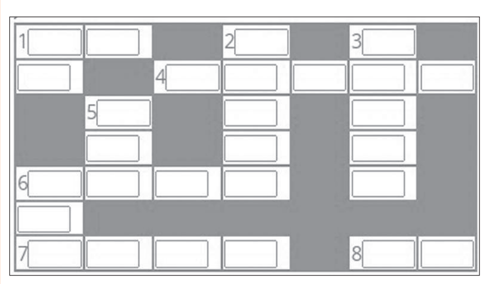

वर्ग पहेली -68 का हल

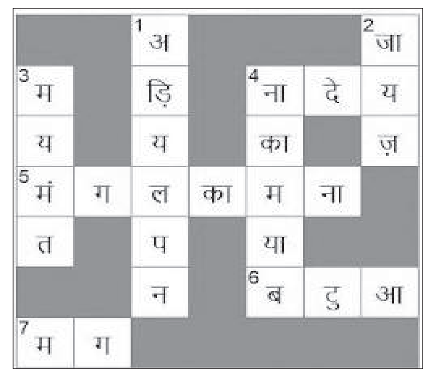

सुडोकू -148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू -147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 14 मई मंगलवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-सप्तमी 15 मई 04.19 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पुष्य 13.05 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज जीवन में आ रही परेशानियों का हल मिलेगा। कानूनी मामले आपके पक्ष में हो सकते हैं। अपने से बड़ों के आग्रह और सलाह की अवहेलना न करें। अपनी बातों को जीवनसाथी के साथ शेयर अवश्य करें।

वृष — आज आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा का विशेष प्रभाव देखने को मिलेगा। कारोबार में बड़ा धन लगा सकते हैं। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। शाम के समय किसी भी तरह के वैचारिक बहस और चर्चाओं से बचें।

मिथुन — आज परिवार को पर्याप्त समय दें वरना परिजन नाराज हो सकते हैं। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। फाइनेंस से जुड़ी गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यवसाय में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क — आज पैतृक संपत्ति को लेकर आ रही बाधा दूर होगी। छात्रों को करियर को आगे बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। किसी धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको व्यवसाय को लेकर अच्छे ऑफर मिल सकते हैं। भावनाओं के बजाय व्यावहारिकता को अपनाएं।

सिंह — आज साझेदारी वाले व्यापार में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं। धन से जुड़े मामलों में थोड़ी सी लापरवाही भारी पड़ सकती है। जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कन्या — आज आय में निश्चितता रहेगी। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ दूसरी किसी नई विधा को सीखने का प्रयास कर सकते हैं। किसी मित्र के बारे में सनसनीखेज खबर सुनने को मिल सकती है। घर के नवीनीकरण की योजना बना सकते हैं।

तुला — आज पारिवारिक मामलों को अच्छी तरह सुलझा लेंगे। योजनाओं के अनुसार काम पूरे होने से प्रसन्न रहेंगे। घर में उत्सव का वातावरण रहेगा। आप नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। आपकी सलाह से किसी व्यक्ति का रुका हुआ काम शुरू हो सकता है।

वृश्चिक — आज कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। ननिहाल पक्ष में कुछ परेशानियां हो सकती है। गूढ़ विद्याओं में रुचि लेंगे। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करना लाभकारी होगा। आपको कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी।

धनु — आज महिलाओं को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। बच्चे गलत आदतों की तरफ प्रवृत्त न हों इसका ध्यान रखें। ज्योतिष और आध्यात्म की तरफ रुचि जागृत होगी। घर में किसी बात को लेकर कलह हो सकती है।

मकर — आज भाग्य का भरपूर सहयोग आपको मिलेगा। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। शत्रु आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से संबंध मजबूत होंगे।

कुंभ — आज यात्राओं के लिए दिन अच्छा है। यदि जॉब इंटरव्यू में बैठ रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। माइग्रेन के रोगियों को तनाव लेने से बचना चाहिए। साहित्य से जुड़े लोगों का सम्मान बढ़ेगा। घर में किसी उत्सव को लेकर तैयारी हो सकती है।

मीन — आज रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। किसी की निंदा करने से आपका ही अपमान हो सकता है। नींद पर्याप्त मात्रा में लें। व्यापार को शुरू करने में मित्र आपको सहयोग करेंगे। घर के कार्यों में आप व्यस्त रहने का प्रयास करेंगे।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
इलाका — सुबह : 10.37
कातिलों के कातिल — रात : 07.00

&pictures
एंटरटेनमेंट — सुबह : 10.52
स्क्वाड — रात : 08.00

मोर्टल कॉम्बेट — सुबह : 10.39
ज़ॉम्बीलैंड — रात : 07.48

ZEE CINEMA
जीते हैं शान से — सुबह : 09.20
सागर — शाम : 06.45

colors CINEPLEX
मेरा कर्तव्य माय ड्यूटी — सुबह : 09.04
आवारा पागल दीवाना — शाम : 06.00

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर सुबह : 10.52 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पति- हमें तो अपनों ने लुटा गैरों में कहां दम था, मेरी कश्ती ही वहां डूबी जहां पानी कम था।
पत्नी- तुम तो थे ही गधे... तुम्हारी अक्ल में कहां दम था वहां किश्ती लेकर ही क्यों गए, जहां पानी कम था।

मरीज-डॉक्टर साहब मुझे बीमारी है। खाने के बाद भूख नहीं लगती, सोने के बाद नींद नहीं आती। काम करूं तो थक जाता हूं।
डॉक्टर- सारी रात धुप में बैठो ठीक हो जाओगे।

2004 से 14 के बीच 3.2 गुना बढ़ा विदेशी कर्ज

राहुल गांधी की 'खटा-खट' योजनाओं पर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा नेता और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आम चुनावों के दौरान कांग्रेस को उसकी विभिन्न योजनाओं की घोषणाओं को लेकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि क्या कांग्रेस को गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये देने समेत सामाजिक कल्याण योजनाओं को लागू करने की लागत के बारे में पता भी है?

सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार के राजकोषीय प्रबंधन (विशेषकर कर्ज को लेकर) के बारे में हाल के दिनों में बहुत कुछ कहा गया है। उन्होंने कहा, कई बार, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि पर विचार किये बिना निरपेक्ष या पूर्ण आंकड़ों की तुलना की गई है। जबकि हम जीडीपी के आधार पर कर्ज

- बोलीं- राष्ट्रमंडल खेल, कोयला और दूरसंचार स्पेक्ट्रम आवंटन घोटालों से सरकारी खजाने को हुआ नुकसान

की गणना करते हैं। मैं कांग्रेस के उलट एक स्पष्ट तस्वीर सामने रखना चाहूंगी। कांग्रेस ऊंचे-ऊंचे वादों के पीछे चीजों को छिपाती है जो कतई पारदर्शी नहीं हैं और वास्तविकता से कोसों दूर है।

सीतारमण ने कहा, क्या कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में किये गये ऊंचे-ऊंचे वादों की लागत पर विचार किया है? क्या उन्होंने गणना की है कि 'खटा-खट' योजनाओं की वित्तीय लागत कितनी होगी? क्या वे उनके लिए बड़े पैमाने पर उधार लेंगे या वे इसके लिए कोष देने के लिए कर बढ़ाएंगे?'' उन्होंने कहा कि आखिर राहुल गांधी 'खटा-खट' योजनाओं की वित्तीय लागत को पूरा करने के लिए कितनी कल्याणकारी योजनाएं बंद करेंगे?

पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो पार्टी देश के हर गरीब परिवार की एक महिला के बैंक खाते में सालाना एक लाख रुपये डालेगी। उन्होंने कहा, क्या राहुल गांधी इन सवालों का जवाब देना चाहेंगे और बताएंगे कि उनकी अधिक खर्चे वाली योजनाएं बिना कर बढ़ाये या भारी उधार लिए और अर्थव्यवस्था को गिराये बिना कैसे काम करेंगी? वित्त मंत्री के अनुसार भाजपा सरकार का राजकोषीय प्रबंधन संप्रग की तुलना में काफी बेहतर है। यह स्थिति तब है जब कोविड-19 महामारी का सामना करने के लिए राहत प्रयासों को लेकर काफी संसाधन का उपयोग किया गया था।

संप्रग शासन में 44.5 गुना बढ़ी उधारी

सीतारमण ने कहा कि संप्रग शासन के दौरान केंद्र की शुद्ध बाजार उधारी 4.5 गुना बढ़ गई थी। कोविड-19 महामारी के बावजूद हमारी सरकार के तहत यह 2.6 गुना बढ़ी। उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार के मजबूत वित्तीय प्रबंधन को बताता है। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के तहत वास्तविक घाटा बजटीय घाटे से कहीं अधिक था। उन्होंने कहा कि वास्तव में संप्रग सरकार ने उच्च राजकोषीय घाटे को छिपाने के लिए आंकड़े छिपाये। अगर ऐसा नहीं होता तो 2008-09 में राजकोषीय घाटा आधिकारिक आंकड़ा 6.1 प्रतिशत के बजाय 7.9 प्रतिशत होता। सीतारमण ने कहा कि संप्रग के शासन के दौरान राष्ट्रमंडल खेल, एंट्रिक्स-देवास, कोयला और दूरसंचार स्पेक्ट्रम आवंटन में गड़बड़ी जैसे घोटालों के कारण सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ, हमने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के क्रियान्वयन के कारण, काला-बजारी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर 3.5 लाख करोड़ रुपये बचाए हैं।

भारत में एसयूवी खंड का विस्तार जारी रखेगी सुजुकी

नई दिल्ली। जापान की कार विनिर्माता सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन यात्री वाहन खंड में अपनी समग्र बाजार हिस्सेदारी फिर हासिल करने के लिए भारत में एसयूवी खंड का विस्तार जारी रखेगी। कंपनी की वर्तमान में मारुति सुजुकी इंडिया में करीब 58 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में उसकी शुद्ध बिक्री 15.8 प्रतिशत बढ़ी। परिचालन लाभ भी सालाना आधार पर 32.8 प्रतिशत बढ़ा। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने बयान में कहा, हम भारत में अपने एसयूवी मॉडल के विस्तार को बढ़ावा देना जारी रखेंगे और अपनी कुल यात्री कार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखेंगे। एसयूवी खंड में सीमित विकल्पों के कारण घरेलू यात्री वाहन खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी कुछ साल पहले के 50 प्रतिशत से घटकर करीब 42 प्रतिशत रह गई है।

बाजार भाव अधिक होने से सरकारी गेहूं खरीद सुस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिले में बाजार भाव अधिक होने के कारण सरकारी गेहूं खरीद की प्रक्रिया काफी सुस्त है। बाजार में समर्थन मूल्य से ज्यादा मिलने से केंद्रों पर गेहूं की आवक ही नहीं हो रही है। इससे दो माह में पीसीएफ के 31 केंद्रों पर 516 मीट्रिक टन ही गेहूं की खरीद हो सकी है।

मार्च में गेहूं खरीद के लिए सबसे अधिक 31 क्रय केंद्र पीसीएफ ने खोले थे। कुल 16,300 मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन, अब तक केवल 516 मीट्रिक टन ही गेहूं की खरीद हो पाई है। क्योंकि क्रय केंद्रों पर किसानों को 2275 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मिला रहा है। जबकि बाजार में व्यापारी 2300-2400 रुपये प्रति कुंतल में गेहूं खरीद रहे हैं। दाम ज्यादा होने के

- दो माह में पीसीएफ के 31 क्रय केंद्रों पर 516 मीट्रिक टन हुई गेहूं की खरीद

साथ नमी, गुणवत्ता, साफ गेहूं जैसे मानक लागू नहीं किए गए हैं। इसलिए किसानों को बाजार में ही गेहूं बेचने में ज्यादा फायदा है। वहीं, व्यापारी गांवों में किसानों से सीधा संपर्क कर गेहूं उठा रहे हैं। इससे किसानों का भाड़ा और ढुलाई आदि खर्च बच जा रहे हैं। वहीं आशंका यह भी है कि व्यापारी अधिक दाम देकर गेहूं डंप भी कर रहे हैं।

निसान मोटर ने स्माइल ट्रेन के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने स्माइल ट्रेन इंडिया के साथ अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के लिए साझेदारी की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बच्चों और उनके परिवारों के साथ दिल्ली के संत परमानंद अस्पताल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वंचित समुदाय के बच्चों की क्लेफ्ट सर्जरी की दिशा में साझा प्रयासों के प्रभाव पर बाच की गई। कार्यक्रम में निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स, स्माइल ट्रेन इंडिया के प्रतिनिधियों और प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. एससी सूद ने भाग लिया।

शेयर बाजार में भारी उठापटक, अंतिम घंटे में सेंसेक्स 112 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजारों में सोमवार को भारी उतार-चढ़ाव के बीच बीएसई सेंसेक्स 111 अंक से अधिक की बढ़त में रहा। निफ्टी में भी तेजी रही। मुख्य रूप से एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में अंतिम दौर की लिवाली से बाजार लाभ में रहा।

शुरुआती गिरावट से उबरते हुए सेंसेक्स 111.66 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,776.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान य 798.46 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के

- टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा आठ प्रतिशत से अधिक की गिरावट

साथ 71,866.01 अंक पर आ गया था। लेकिन बाद में लिवाली से यह नुकसान से उबर गया। एनएसई का सूचकांक निफ्टी भी 48.85 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,104.05 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक एक समय 21,821.05 अंक के निचले स्तर तक आ गया था।

भारत-ईरान में टर्मिनल के दीर्घकालिक परिचालन पर समझौता

नई दिल्ली। भारत और ईरान ने चाबहार स्थित शाहिद बेहश्ती बंदरगाह के टर्मिनल के परिचालन के लिए सोमवार को दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के पोर्ट्स एंड मेरिटाइम ऑर्गनाइजेशन ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह पहला मौका है जब भारत विदेश में किसी बंदरगाह का प्रबंधन लेगा। चाबहार बंदरगाह ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है।

एफटीए भागीदारों से भारत का आयात 38% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते वाले देशों से माल का आयात वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के बीच करीब 38 प्रतिशत बढ़कर 187.92 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) भागीदारों को देश का निर्यात 2018-19 में 107.20 अरब अमेरिकी डॉलर से 2023-24 में 14.48 प्रतिशत बढ़कर 122.72 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। शोध

- भारत विश्व व्यापार में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ निर्यात में 17वें स्थान पर

संस्थान ने कहा, भारत का आयात वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के बीच करीब 37.97 प्रतिशत बढ़कर 187.92 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर मुक्त व्यापार समझौतों के महत्वपूर्ण तथा विविध प्रभाव को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में संयुक्त अरब अमीरात में भारत का निर्यात 18.25 प्रतिशत बढ़कर 35.63 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि 2018-19 में यह 30.13 अरब अमेरिकी डॉलर था। आयात वित्त वर्ष 2018-19 में 29.79 अरब अमेरिकी डॉलर से 61.21 प्रतिशत बढ़कर 48.02 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच एफटीए मई 2022 में लागू हुआ था। ऑस्ट्रेलिया, जापान, 10 देशों वाले दक्षिण पूर्व एशियाई गुट आसियान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एफटीए के बाद निर्यात और आयात में बढ़ोतरी हुई है। भारत विश्व व्यापार में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ निर्यात में विश्व स्तर पर 17वें स्थान पर है।

ऑनलाइन भुगतान संबंधी आरबीआई के लाइसेंस को जोमैटो ने छोड़ा

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने वाली कंपनी जोमैटो ने सोमवार को कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी जोमैटो पेमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने आरबीआई से मिले प्राधिकरण प्रमाणपत्र को स्वेच्छा से छोड़ने का फैसला किया है। यह प्रमाणपत्र ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर के रूप में काम करने से संबंधित है। जोमैटो ने शेयर बाजार को बताया कि हम खुद को भुगतान क्षेत्र में काबिज मंचों के मुकाबले कोई उल्लेखनीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करते हुए नहीं देखते हैं। इसलिए भुगतान क्षेत्र में हमें व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य व्यवसाय की उम्मीद नहीं है।

पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी तो हम पहना देंगे : मोदी

प्रधानमंत्री ने विपक्ष के नेताओं को बताया कायर, बोले- कमजोर, डरपोक और अस्थिर सरकार बिल्कुल नहीं चाहता देश

हाजीपुर/मुजफ्फरपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधा और उसके नेताओं को कायर बताया जो पाकिस्तान की परमाणु शक्ति से डरे हुए हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार की चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि ये हिंदुस्तान का भविष्य तय करने का चुनाव है, ये चुनाव देश का नेतृत्व चुनने का चुनाव है। देश कांग्रेस वाली कमजोर, डरपोक और अस्थिर सरकार बिल्कुल नहीं चाहता।

फारूक अब्दुल्ला के हालिया बयान पर मोदी ने कहा कि ये लोग इतने डरे हुए हैं कि इनको सपने में भी पाकिस्तान का परमाणु बम दिखायी देता है। कहते हैं कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं। अरे भाई, हम पहना देंगे। उनको आटा भी

- फारूक अब्दुल्ला के हालिया बयान पर मोदी ने तंज कसा

चाहिए, बिजली भी नहीं है। अब हमको मालूम नहीं था कि उनके पास चूड़ियां भी नहीं हैं। अब्दुल्ला ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस दावे के जवाब में टिप्पणी की थी कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं। मोदी ने तंज कसते हुए कहा, कोई मुंबई हमले में पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहा है, कोई सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठा रहा है, ये वामपंथ वाले भारत के परमाणु हथियारों को ही खत्म करना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि गठबंधन वालों ने भारत के खिलाफ ही किसी से सुपारी ले ली है। ऐसे स्वार्थी लोग राष्ट्र रक्षा के लिए कडे.फैसले ले सकते हैं क्या। ऐसे दल भारत को मजबूत बना सकते हैं क्या।

उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर और बिहार के लोगों ने दशकों तक नक्सलवाद सहा है। अपराध और नक्सलवाद के कारण बिहार में उद्योग, धंधे सब चौपट हो गए। जंगलराज की जिंदगी भयानक, डरावनी थी। राजद के जंगलराज ने बिहार को कई दशक पीछे धकेल दिया था। ये राजग की सरकार है, जो बिहार में कानून व्यवस्था को पटरी पर लाई है, अब नक्सलवाद प्रभावित जिले भी तेजी से कम हो रहे हैं।

इससे पहले हाजीपुर में चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि हमारा ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्टाचारियों को खोज करके सजा देने का है। ये जो टीवी पर आप नोटों के पहाड़ देखते हैं। ये राजनेताओं के यहां से पकड़े जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 10 साल में सिर्फ 35 लाख रुपये जब्त किये थे। जब से हमने सत्ता संभाली है, ईडी ने 2,200 करोड़ की वसूली की है जिसे ले जाने के लिए 70 छोटे ट्रकों की आवश्यकता होगी। इन लोगों ने नौकरी के बदले जमीन लिखवाकर दिल्ली और देश में जायदाद बनाई है।

अगर इस बार मोदी जीते तो भविष्य में चुनाव नहीं होंगे : खरगे

हजारीबाग। संविधान और लोकतंत्र के खतरे में होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दावा किया कि यदि लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी जीतते हैं तो भविष्य में चुनाव नहीं होंगे। झारखंड के हजारीबाग में चुनावी रैली में खरगे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा और कहा कि यदि साहस है तो वह अडाणी और अंबानी को गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने दावा किया कि संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं और लोग भी खतरे में हैं। यदि आपके पास मौलिक अधिकार नहीं रहेंगे तो आप गुलाम बन जाएंगे। यदि इस बार मोदी जीते तो भविष्य में चुनाव नहीं होंगे। खरगे ने कहा कि यदि विपक्षी गठबंधन सत्ता में आया तो केंद्र में भाजपा नीत सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए 'इंडिया' के घटक दलों के सभी नेताओं को रिहा कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया सत्ता में मोदी की वापसी असंभव है।

बंगाल की महिलाओं के आत्मसम्मान व गरिमा से खिलवाड़ न करें मोदी.: ममता

बोंगांव (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि वह अत्याचारों के बारे में झूठे दावे करके राज्य की महिलाओं के आत्म-सम्मान और गरिमा के साथ खिलवाड़ न करें। बोंगांव में चुनावी सभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने कहा कि मोदी को यह ध्यान रखना चाहिए कि पश्चिम बंगाल की स्थिति भाजपा शासित राज्यों जैसी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने रविवार को आरोप लगाया कि टीएमसी संदेशखालि में कुकर्मों को छिपाने की कोशिश कर रही है, जहां टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगा है। हालांकि, सामने आए कथित वीडियो में, संदेशखालि के भाजपा नेता को यह कहते हुए सुना गया था कि नेता प्रतिपक्ष शुभेंदू अधिकारी के इशारे पर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया था और इस पूरी साजिश में उनका हाथ था। अन्य

- बनर्जी ने कहा- हमारी महिलाओं को हाथ न लगाएं, यह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश नहीं है

13 मई को ही वामपंथियों से मुक्त हुआ था बंगाल

कोलकाता। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल आज के ही दिन यानी 13 मई, 2011 को वामपंथियों के अत्याचार से मुक्त हुआ था। बनर्जी ने एक्स पर लिखा, आज 13 साल बाद, लोग दिल्ली के अन्य दमनकारियों को हराने के लिए मतदान केन्द्रों के बाहर कतार में खड़े हुए हैं। इतिहास खुद को दोहराएगा।

वीडियो में पहले बलात्कार की शिकायत दर्ज कराने वाली महिलाओं ने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने उनसे कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराए और थाने जाने के लिए मजबूर किया। बनर्जी ने कहा कि हमारी महिलाओं को हाथ न लगाएं, यह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश नहीं है।

एक नजर

कोटा से एक और नीट अभ्यर्थी लापता

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक और नीट अभ्यर्थी लापता हो गया है। इससे करीब हफ्ता भर पहले मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा अन्य छात्र भी लापता हो गया था। पुलिस के अनुसार बिहार निवासी अमन कुमार सिंह (19) पिछले दो साल से यहां प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वह 11-12 मई की रात को स्वर्ण विहार कॉलोनी में पेइंग गेस्ट (पीजी) का अपना कमरा छोड़कर चला गया। पुलिस ने बताया कि सिंह ने एक नोट छोड़ा है, जिसमें उसने कहा है कि वह नीट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका और इसे पास नहीं कर पाएगा। उसने अपने नोट में चंबल नदी पर स्थित कोटा बैराज के पास उसकी तलाश करने को कहा। पुलिस के अनुसार बैराज के पास उसका कोई सुराग नहीं मिला।

बिश्नोई-गोदारा गिरोह के पांच शूटर गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गिरोह से जुड़े पांच शूटरों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके कब्जे से 10 लाख रुपये से अधिक कीमत की तीन विदेशी 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल समेत पांच स्वचालित पिस्तौल और 55 कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार दिनेश उर्फ दीनू, जगदीश उर्फ जग्गू, विष्णु, सागर और प्रदीप को गिरफ्तार कर सोमवार को अदालत में पेश किया गया। अदालन ने उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

ईवीएम-वीवीपैट से जुड़े फैसले की समीक्षा का अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर 26 अप्रैल के उस फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया है, जिसमें मत पत्रों से मतदान कराने की प्रणाली फिर से अपनाने और ईवीएम के जरिये डाले गए सभी मतों का मिलान वीवीपैट से करने का निर्देश जारी करने की मांग सर्वोच्च अदालत द्वारा खारिज कर दी गई थी। पुनरीक्षण याचिका अधिवक्ता नेहा राठी के मार्फत अरूण कुमार अग्रवाल ने दायर की है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 26 अप्रैल को, ईवीएम में हेरफेर के संदेह को बेबुनियाद करार दिया था और मत पत्रों से चुनाव कराने की पुरानी प्रणाली फिर से अपनाने का आग्रह खारिज कर दिया था। न्यायालय ने कहा था कि मतदान के लिए उपयोग में लाये जा रहे उपकरण सुरक्षित हैं और इसने बूथ पर कब्जा किये जाने और फर्जी मतदान की समस्या खत्म कर दी। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत के फैसले ने चुनाव नतीजों में दूसरे और तीसरे स्थानों पर रहे असफल उम्मीदवारों को भी कुछ राहत दी तथा उन्हें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच प्रतिशत ईवीएम में लगी

- उच्चतम न्यायालय में दायर की गई पुनरीक्षण याचिका
- कोर्ट ने मतदान में इस्तेमाल हो रहे उपकरणों को बताया था सुरक्षित

माइक्रो-कंट्रोलर चिप के सत्यापन का अनुरोध करने की अनुमति दी। हालांकि, इसके लिए उन्हें निर्वाचन आयोग को एक लिखित आवेदन देना होगा और शुल्क का भुगतान करना होगा। न्यायालय ने निर्देश दिया था कि एक मई से, चुनाव चिह्न को लोड करने वाली इकाइयों को सील किया जाना चाहिए और एक कंटेनर में सुरक्षित रखा जाए तथा चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कम से कम 45 दिनों की अवधि के लिए ईवीएम के साथ स्ट्रॉन्ग रूम में उनका भंडारण किया जाए। अपने इस फैसले के साथ, शीर्ष अदालत ने वे जनहित याचिकाएं खारिज कर दीं, जिनमें मत पत्रों से चुनाव कराने की प्रणाली फिर से अपनाने के लिए निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया गया था।

विशेष अदालत ने एचडी रेवन्ना को दी जमानत

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने महत्वपूर्ण घटनाक्रम में अपहरण के आरोपी होलेनरसीपुरा विधायक एचडी रेवन्ना को सोमवार को जमानत दे दी। कथित अपहरण से जुड़ा उनके बेटे एवं हासन के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों से जुड़ा है।

कोर्ट ने चार मई से गिरफ्तार विधायक को राहत देते हुए पांच लाख की राशि पर जमानत दी है। इसी अदालत ने पहले अपहरण मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जांच के बाद एसआईटी ने नौ मई को कोर्ट को बताया कि प्रज्ज्वल के यौन उत्पीड़न का शिकार हुई महिला को रेवन्ना के इशारे पर अगवा किया गया था।

प्रज्ज्वल और उसके पिता पर लगा यौन उत्पीड़न का आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक की महिला ने प्रज्ज्वल और एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। अज्ञात महिला ने दावा किया कि हासन सांसद ने पांच साल पहले बेंगलुरु में अपने आवास पर उसकी मां से बलात्कार किया था। उन्होंने एसआईटी को घटना का विवरण दिया है, जिसमें दावा किया कि उसे 2020-21 में वीडियो कॉल के दौरान कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया था। महिला ने कहा कि वह मुझे फोन करता था और अपने कपड़े उतारने के लिए कहता था। वह मेरी मां के मोबाइल पर फोन करता था और मुझे वीडियो कॉल का जवाब देने के लिए मजबूर करता था।

सीबीआई को लिखा पत्र, संदेशखालि की पीड़िताओं के लिए मांगी सुरक्षा

संदेशखालि (प. बंगाल)। भाजपा नेता प्रियंका टिबरेवाल ने संदेशखालि में टीएमसी नेताओं द्वारा किए यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का सीबीआई से आग्रह किया है। भाजपा की प्रदेश इकाई सचिव टिबरेवाल ने संकटग्रस्त इलाके में भाजपा के प्रदर्शन के मद्देनजर केंद्रीय एजेंसी को पत्र लिखा है। टिबरेवाल ने आरोप लगाया कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके समर्थकों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें वापस लेने के लिए पीड़िताओं को धमकी दी गई, लेकिन पुलिस मदद को आगे नहीं आई। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई को पीड़िताओं के बयान दर्ज करने का निर्देश दिया था और कहा था कि राज्य पुलिस इलाके के संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाये।

स्टिंग वीडियो : भाजपा नेता की अर्जी पर सुनवाई स्थगित

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने संदेशखालि से भाजपा नेता गंगाधर कोयल द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

कोयल ने इलाके में यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रसारित कथित स्टिंग वीडियो की जांच सीबीआई को सौंपने की गुहार लगाई है। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने कहा कि कोयल की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की जाएगी। भाजपा नेता ने याचिका में दावा किया है कि प्रौद्योगिकी की मदद से वीडियो में उनकी आवाज से मिलती-जुलती आवाज डाली गई है और उन्हें बदनाम करने के लिए इसे प्रसारित किया जा रहा है।

सोरेन की याचिका पर ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, 17 को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- धन शोधन के मामले में तीन माह से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं पूर्व मुख्यमंत्री

उच्चतम न्यायालय ने झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के मामले में तीन माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उच्च न्यायालय के तीन मई के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने सोरेन का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की ओर से बार-बार शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किये जाने पर ईडी को नोटिस जारी किया और मामले को 17 मई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पीठ इस मामले को गर्मी की छुट्टियों के दौरान या जुलाई में विचार के लिए सूचीबद्ध करना चाहती थी, लेकिन सिब्बल ने सुनवाई के लिए शीघ्र सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया।

शीर्ष अदालत ने सोरेन को अपनी गिरफ्तारी और मामले में हुई देरी के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए कहा था, जिससे 2024 के आम चुनावों के दौरान सोरेन के अधिकार प्रभावित हुए। सिब्बल ने दलील के समर्थन में दिल्ली के मुख्यमंत्री को शुक्रवार को एक जून तक दी गई अंतरिम जमानत और याचिका की अग्रिम प्रति ईडी के अधिवक्ता को छह मई को पहुंचा दिए जाने का हवाला दिया।

तेजस्वी सूर्य ने राहुल की खुली बहस की चुनौती स्वीकारी

नई दिल्ली। भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खुली बहस की चुनौती स्वीकार कर अपने संगठन के उपाध्यक्ष एवं रायबरेली के नौजवान को इस बहस के लिए नामित किया है। बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्य ने गांधी को सोमवार को पत्र लिखकर सूचित किया कि भाजपा को उनकी खुली बहस की चुनौती स्वीकार है और वह युवा इकाई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को बहस में पार्टी की ओर से भाग लेने के लिए नामित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभिनव अनुसूचित जाति के अंतर्गत पासी समुदाय के शिक्षित नेता हैं, जिनकी संख्या रायबरेली संसदीय क्षेत्र में में 30 प्रतिशत है। वह वर्तमान में दिल्ली विवि के रामजस कालेज में अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक हैं। तेजस्वी सूर्य ने कहा कि वह इस बहस के लिए उपयुक्त मंच के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि यह एक राजनीतिक वंशज और एक आम युवा के बीच समृद्ध बहस होगी, जिसने जीवन में कठिन डगर तय की है।

आज का मुकाबला
दिल्ली कैपिटल्स
बनाम
लखनऊ सुपरजाइंटस
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	13	20
हर्षल पटेल (पंजाब)	12	20
वरुण चक्रवर्ती (केकेआर)	12	18

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	13	661
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	13	583
ट्रेविस हेड (हैदराबाद)	11	533

प्ले ऑफ की दौड़ में आगे जाने की कोशिश में लखनऊ और दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी

खराब फॉर्म से जूझ रही लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम आईपीएल प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें जीवंत रखने के लिए मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी जिसकी नॉकआउट में जगह बनाने की मामूली उम्मीद बरकरार है।

सुपर जाइंट्स के कप्तान के रूप में लोकेश राहुल के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि पिछले बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका ने उन्हें सार्वजनिक तौर पर फटकार लगाई थी। इस तरह की अटकलें हैं कि राहुल पद छोड़ सकते हैं या टीम का साथ छोड़ने से पहले अंतिम दो मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी निभा सकते हैं। राहुल अच्छी फॉर्म में नहीं हैं और भारत की टी20 विश्व कप टीम में भी जगह नहीं बना पाए हैं। लखनऊ की टीम भी 12 अंक के साथ सातवें स्थान पर चल रही है और दिल्ली तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के साथ अभी शीर्ष चार से बाहर है।

औसत नहीं, प्रभाव के आधार पर चुने जाएंगे खिलाड़ी: मिलर

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका और गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज डेविड मिलर का मानना है कि जिनके पास अधिकतम प्रभाव डालने की क्षमता है, उनके लिए टी20 क्रिकेट में औसत धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा और स्ट्राइक रेट ही सफलता का एकमात्र पैमाना होगा।

पिछले कुछ वर्षों में मिलर ने टाइटंस और अपनी राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह निभाई है। मिलर ने कहा मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है, लेकिन टी20 में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना मुश्किल है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या के कारण। जब मध्य क्रम की बात आती है तो यह स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज का खेल पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ रहा है, उस बारे में होता है।

आरसीबी ने जरूरत पड़ने पर नतीजे देने की क्षमता दिखाई

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत के बाद कहा कि टीम ने जब सबसे अधिक मायने रखता है तब प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई है। दस दिन पहले अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर चल रही आरसीबी ने जोरदार वापसी की और उसके पास नॉक आउट में जगह बनाने का भी मौका है। मूडी ने से कहा एक बार फिर आरसीबी ने जरूरत पड़ने पर अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई।

आक्रामक नीति से मिल रही है जीतः डुप्लेसी

बेंगलुरु। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि नई आक्रामक नीति के कारण उनकी टीम को लगातार पांच मैचों में जीत मिली है। दिल्ली कैपिटल्स को रविवार रात हुये मुकाबले में 47 रनों से हराने के बाद आरसीबी के कप्तान डुप्लेसी ने यह बात कही। उन्होंने कहा, हम इसी तरह की क्रिकेट खेलना चाहते हैं और हमें गर्व है कि हमने एक साथ प्रदर्शन किया।

खेल डायरी

भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बने पी श्याम निखिल

दुबई। पी श्याम निखिल हाल ही में दुबई पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर (जीएम) नॉर्म हासिल करके भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बन गए। आठ साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू करने वाले श्यामनिखिल को तीसरे नॉर्म के साथ इस उपलब्धि के लिए 12 साल का इंतजार करना पड़ा। श्यामनिखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ आवश्यक 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिये थे।

स्क्वाश विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले के बीच से हटे चोटिल रमित टंडन

काहिरा। भारत के रमित टंडन को रविवार को यहां स्क्वाश विश्व चैंपियनशिप के दूसरे दौर में चोटिल होने के कारण दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद अलशोरबागी के खिलाफ मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी टंडन दूसरे गेम में जब 3-4 से पीछे थे तब पिंडली की टीम के कारण उन्हें मैच के बीच से हटना पड़ा। अलशोरबागी ने पहला गेम 11-8 से जीता था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ टंडन का यह पहला मैच था।

कोरियाई सांस्कृतिक केन्द्र के छह ताइक्वांडो छात्र राष्ट्रीय टीम में

नई दिल्ली। कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत के छह ताइक्वांडो छात्रों को भारतीय राष्ट्रीय टीम में स्थान मिला है। ये प्रतिभाशाली छात्र 14 मई को वियतनाम के दा नांग में शुरू होने जा रही एशियाई ताइक्वांडों चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत के प्रतिभाशाली छह छात्र अविनाश कुमार साहनी, अनुराग यादव, शिल्पा थापा, हर्षवर्द्धन गुरुंग, कुणाल कुमार और रितिका नेगी इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

निकहत, मीनाक्षी, अनामिका ने की विजयी शुरुआत

अस्ताना (कजाकिस्तान)। मौजूदा विश्व चैंपियन निकहत जरीन (52 किग्रा) ने सोमवार को यहां एलोर्डा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट के शुरुआती दिन कजाकिस्तान की राखिम्बेर्डी झानसाया पर 5-0 से जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। मीनाक्षी (48 किग्रा) और अनामिका (50 किग्रा) ने भी अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। मीनाक्षी ने कजाकिस्तान की गैसीमोवा रोक्साना पर 4-1 से जीत के साथ अगले दौर में प्रवेश किया, वहीं अनामिका ने पहले दौर में झुमाबायेवा अराइलीम को हराया। सोनिया (54 किग्रा) को हालांकि चीन की चांग युआन के खिलाफ 0-5 की हार का सामना करना पड़ा। पुरुष वर्ग में इश्मीत सिंह (75 किग्रा) को कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मैट ने 5-0 से हराया। शिव थापा (63 .5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ मंगलवार को चुनौती पेश करेंगे।

टी-20 विश्व कप में नीदरलैंड के कप्तान होंगे स्कॉट

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड ने अनुभवी स्कॉट एडवर्ड्स की अगुवाई में अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। रॉयल डच क्रिकेट संघ ने 27 वर्षीय एडवर्ड्स को मेजबान नेपाल और नामीबिया की हालिया त्रिकोणीय श्रृंखला में मामूली प्रदर्शन के बावजूद कप्तान बनाए रखा है। एडवर्ड्स ने नीदरलैंड के लिए 56 टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 122 की स्ट्राइक-रेट से 671 रन बनाए हैं। टीम में भारतीय मूल के क्रिकेटरों तेजा निदामानुरु, विक्रम सिंह और आर्यन दत्त को भी शामिल किया गया है। टीम टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत चार जून को डलास में नेपाल के खिलाफ करेगी।

आईपीएल से हटे लियाम, इंग्लैंड लौटे बटलर, जैक्स और टॉपली

पाकिस्तान श्रृंखला और टी-20 विश्व कप के लिए वापस जाएंगे बाकी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब किंग्स के हरफनमौला खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले घुटने की चोट से उबरने के लिए सोमवार को इंग्लैंड लौट गए। लिविंगस्टोन के अलावा जोस बटलर (राजस्थान रॉयल्स), विल जैक्स और रीस टॉपली (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) ने भी 22 मई से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाली टी-20 श्रृंखला से पहले इंग्लैंड टीम में शामिल होने के लिए आईपीएल छोड़ दिया है।

पंजाब किंग्स की टीम 12 मैच में सिर्फ चार जीत के साथ पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अभी आठ अंक के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। लिविंगस्टोन ने इंस्टाग्राम पर लिखा आईपीएल का एक और साल हो गया, आगामी विश्व कप के लिए अपने घुटने को ठीक कराना पड़ेगा। पंजाब किंग्स के प्रशंसकों को उनके प्यार और समर्थन के लिए एक बार फिर धन्यवाद। टीम और निजी तौर पर निराशाजनक सत्र लेकिन हमेशा की तरह मैंने आईपीएल में हर मिनट खेलने का लुत्फ उठाया। स्वदेश लौटने के कारण लिविंगस्टोन

राजस्थान रॉयल्स (15 मई) और सनराइजर्स हैदराबाद (19 मई) के खिलाफ पंजाब किंग्स के अंतिम दो मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। लिविंगस्टोन की चोट गंभीर नहीं है लेकिन सूत्रों के अनुसार इंग्लैंड के टीम प्रबंधन ने 22 मई से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रही घरेलू टी20 श्रृंखला से पहले उन्हें उपचार के लिए अधिक समय देने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के बाद गत चैंपियन इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज रवाना होगी जहां वह बारबडोस के ब्रिजटाउन में चार जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। आईपीएल में खेल रहे इंग्लैंड की विश्व कप टीम में शामिल मोईन अली (चेन्नई सुपरकिंग्स), सैम कुरेन, जॉनी बेयरस्टो (दोनों पंजाब किंग्स) और फिल सॉल्ट (कोलकाता नाइट राइडर्स) जल्द ही स्वदेश लौट जाएंगे।

गोयनका के भड़ास पर बोले क्लूसनर, दो क्रिकेटप्रेमियों के बीच की ठोस बातचीत थी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स के सहायक कोच लांस क्लूसनर ने टीम मालिक संजीव गोयनका के कप्तान केएल राहुल पर सार्वजनिक रूप से भड़ास उतारने के मामले को तूल नहीं देते हुए कहा कि यह दो क्रिकेटप्रेमियों की आपस की बातचीत थी। पिछले बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद से लखनऊ की शर्मनाक हार के बाद गोयनका को सार्वजनिक तौर पर राहुल पर भड़ास उतारते हुए देखा गया था। राहुल के लखनऊ का कप्तान बने रहने को लेकर भी अनिश्चितता जताई जा रही है लेकिन क्लूसनर ने कहा कि इस विषय पर कोई बात नहीं हुई है। उन्होंने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा दो क्रिकेटप्रेमियों के बीच इस बात की बातचीत में कोई समस्या नहीं है। हमें ठोस बातचीत पसंद है। इसी से टीमों का प्रदर्शन बेहतर होता है। हमारे लिये यह बड़ी बात नहीं है।

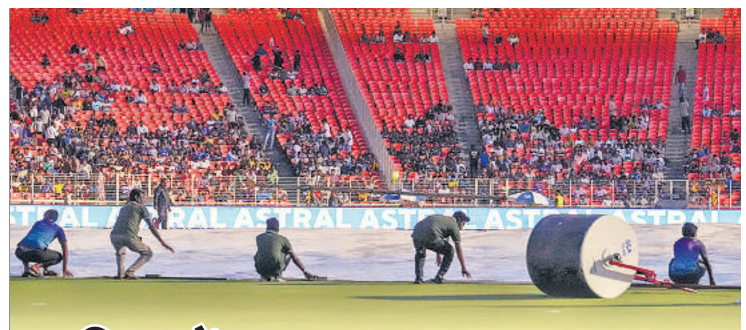

बारिश में धुला मुकाबला, गुजरात टाइटंस प्ले आफ की दौड़ से बाहर

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच सोमवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 63वां मैच को बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। इसी के साथ गुजरात टाइटंस प्लेऑफ से हुई बाहर हो गई है। लगातार हो रही बारिश और आंधी के कारण मैच नहीं हो सका।

केकेआर पहले ही प्लेऑफ्स के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। बारिश के कारण मैच रद्द होने से दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक बांटा दिया गया। मैच के रद्द होने से गुजरात के लिए प्लेऑफ्स के दरवाजे बंद हो गए है। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स को भी फायदा मिल सकता है। राजस्थान की टीम को अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका मिल सकता है। ऐसा तभी होगा जब पंजाब और केकेआर के खिलाफ टीम अपने मुकाबले जीत लेती है। तब उसके 20 अंक हो जाएंगे। वहीं हैदराबाद को भी फायदा मिलेगा और टीम 14 अंक पर पहुंच जाएगी।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रद	रन रेट
कोलकाता (क्वा)	13	9	3	19	1	+1.428
राजस्थान	12	8	4	16	0	+0.349
चेन्नई	13	7	6	14	0	+0.528
हैदराबाद	12	7	5	14	0	+0.406
बेंगलुरु	13	6	7	12	0	+0.387
दिल्ली	13	6	7	12	0	-0.482
लखनऊ	12	6	6	12	0	-0.769
गुजरात (बा)	13	5	7	11	1	-1.063
मुंबई (बा)	13	4	9	8	0	-0.271
पंजाब (बा)	12	4	8	8	0	-0.423

इटैलियन ओपन में जोकोविच भी हारे

रोम। नोवाक जोकोविच इटैलियन ओपन के तीसरे दौर में 29वें वरीय एलेजांद्रो टैबिलो से उलटफेर का शिकार होकर अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में से एक से बाहर हो गए। शुक्रवार को एक प्रशंसक को ऑटोग्राफ देते हुए उसकी पानी की बोतल जोकोविच के सिर पर लग गयी थी, जिसके बाद यह उनका पहला मैच था। जोकोविच ने एक 'डबल फॉल्ट' से शुरुआत की और छह बार का चैंपियन इसके बाद उबर नहीं सका। जोकोविच महज 68 मिनट में टैबिलो से 2-6, 3-6 से हार गए। तीसरे दौर में मिली हार जोकोविच का इटैलियन ओपन में सबसे खराब प्रदर्शन है। एक दिन पहले रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन राफेल नडाल भी तीसरे दौर में हुबर्ट हुर्काज से हारकर बाहर हो गए थे।

सीधे फेड कप फाइनल्स में खेलेंगे चोपड़ा और जेना

भुवनेश्वर। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को यहां 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है क्योंकि उन्होंने अपने करियर में 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग स्तर कई बार हासिल किया है। ओलंपिक और विश्व चैंपियन चोपड़ा पिछले हफ्ते दोहा डाइमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन करके यहां आए हैं जहां वह 88.38 मीटर के प्रयास से दूसरे स्थान पर रहे।

सात्विक-चिराग करेंगे थाईलैंड ओपन में भारत की अगुवाई

बैंकॉक, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी आज से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण की दावेदार भारत की इस शीर्ष वरीय जोड़ी को थॉमस कप में इंडोनेशिया और चीन के खिलाड़ियों के सामने थोड़ी मुश्किल हुई थी।

सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और टेन वी कियोंग की मलेशिया की

जोड़ी के खिलाफ करेगी तो उनकी नजरें अपने प्रदर्शन में सुधार पर टिकी होंगी। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों ने अपने कौशल को निखारने पर काम किया है और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में उन्हें अपने नए शॉट और बदलाव को परखने का शानदार मौका मिलेगा।

पाकिस्तान ने आयरलैंड को सात विकेट से हराया

डबलिन। पाकिस्तान ने पहले टी-20 की हार का बदला चुकता करते हुए दूसरे मैच में आयरलैंड को सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। आयरलैंड ने पहले टी-20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया था। यह आयरलैंड की टी-20 प्रारूप में पाकिस्तान पर पहली जीत थी।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे आयरलैंड ने सात विकेट पर 193 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के लिए रिजवान (नाबाद 75) और फखर जमां (78 रन) ने 140 रन की साझेदारी कर मैच जीत लिया। इससे पहले मैच के दौरान शाहीन अफरीदी जब ड्रेसिंग रूम से मैदान की तरफ जा रहे थे, तब अफगान फैन ने उनको लेकर अपशब्द कहा। अफरीदी ने मामला सिक्योरिटी को बताया और फैन को मैदान से बाहर निकाला गया। वीडियो में सुरक्षा अधिकारी को फैन को बाहर निकालते हुए देखा जा सकता है।

एटलेटिको ने सेल्टा को हराया चैंपियंस लीग में पहुंचने के करीब

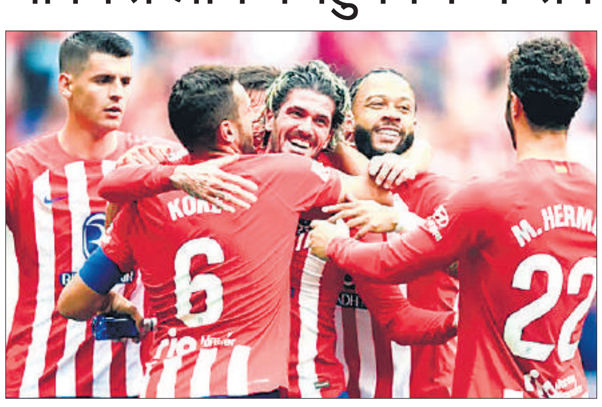

मैड्रिड, एजेंसी

एटलेटिको मैड्रिड यहां स्पेनिश फुटबॉल लीग में सेल्टा विगो पर 1-0 की जीत के साथ चैंपियंस लीग फुटबॉल के चौथे और अंतिम स्थान के लिए क्वालीफाई करने के करीब पहुंच गया।

एटलेटिको की ओर से मैच का एकमात्र गोल 84वें मिनट में रोड्रिगो डि पॉल ने किया। इस जीत से एटलेटिको ने पांचवें स्थान पर मौजूद एथलेटिक बिलबाओ पर आठ अंक की बढ़त बना ली है जबकि सिर्फ तीन दौर का खेल बाकी है। एथलेटिक बिलबाओ ने शनिवार को ओसासुना से 2-2 से ड्रॉ खेला था। एटलेटिको की यह लगातार तीसरी जीत है और टीम तीसरे स्थान पर चल रहे बार्सीलोना से सिर्फ तीन अंक पीछे है। अन्य मुकाबलों में रीयाल बेटिस ने अंतिम स्थान पर चल रहे अल्मेरिया को 3-2 से हराया और टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई।

आभा ने महिला शॉट पुट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भुवनेश्वर। आभा खटुआ ने राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन 18.41 मीटर की दूरी के साथ महिलाओं के गोला फेंक में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रही आभा इस प्रतियोगिता से पहले मनप्रीत कौर के साथ 18.06 मीटर की संयुक्त रिकॉर्ड धारक थीं।

उन्होंने हालांकि यहां के कलिंगा स्टेडियम में पांचवें प्रयास में 18.41 मीटर की थ्रो के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। उनका प्रयास ओलंपिक क्वालीफाइंग स्तर 18.80 मीटर से काफी कम था। ओलंपिक क्वालीफाई का समय 30 जून को खत्म हो रहा है।

बॉलीवुड हलचल

गदर मचाने को तैयार जूनियर एनटीआर

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अब बॉलीवुड में भी गदर मचाने के लिये तैयार हैं। एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के बाद जूनियर एनटीआर शोहरत की बुलंदियों पर है। जहां साउथ में वह फिल्म देवरा पार्ट 1 में नजर आएंगे, वहीं हिंदी में फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आयेंगे। बताया जा रहा है कि जूनियर एनटीआर ने अब अपने काम को संभालने के लिए एक टॉप एजेंसी हायर की है। यह एजेंसी उनके ऐड्स का काम तो देखेगी ही साथ ही उनके हिंदी प्रोजेक्ट्स का काम भी देखेगी। जूनियर एनटीआर हिंदी सिनेमा में अपने करिअर को और आगे ले जाना चाहते हैं। वॉर 2 के जरिए जूनियर एनटीआर पहली बार किसी हिंदी फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर देवरा पार्ट 1 को लेकर भी चर्चा में है। इस फिल्म का निर्देशन कोराटाला शिवा कर रहे हैं। यह फिल्म इसी साल 10 अक्टूबर को रिलीज होगी। यह फिल्म दो पार्ट में बनेगी।

वेब सीरीज स्टारडम में नजर आएंगे शाहरुख

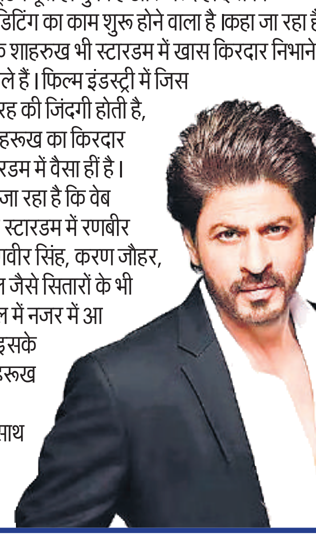

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान अपने बेटे आर्यन की वेबसीरीज स्टारडम में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान बतौर निर्देशक फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले हैं। आर्यन 'स्टारडम' नाम की एक वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि स्टारडम की ज्यादातर शूटिंग पूरी हो चुकी है और जल्द ही इसकी एडिटिंग का काम शुरू होने वाला है। कहा जा रहा है कि शाहरुख भी स्टारडम में खास किरदार निभाने वाले हैं। फिल्म इंडस्ट्री में जिस तरह की जिंदगी होती है, शाहरूख का किरदार स्टारडम में वैसा हीं है। कहा जा रहा है कि वेब सीरीज स्टारडम में रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर, बॉबी देओल जैसे सितारों के भी कैमियो रोल में नजर में आ सकते हैं। इसके साथ ही शाहरूख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ फिल्म किंग में भी नजर आएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

जापान ने राफा पर इजरायली हमले का जताया विरोध

टोक्यो, एजेंसी

जापान ने दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर में पूर्ण पैमाने पर इजरायली सैन्य अभियान का विरोध और तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया है। जापानी कैबिनेट प्रमुख योशिमासा हयाशी ने सोमवार को कहा कि हम राफा में संपूर्ण सैन्य गतिविधियों पर आपत्ति जता रहे हैं।

मानवीय उद्देश्यों के लिए स्थायी स्थिति बनाए रखना काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए हम तत्काल युद्धविराम की मांग कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि युद्धविराम होगा और लंबे समय तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा, टोक्यो ने इजरायली अधिकारियों के सामने राफा के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है और यहूदी देश से बहुत धैर्यपूर्वक और सक्रिय तरीके से राजनयिक गतिविधियां शुरू करने का आग्रह किया है। इजरायली सेना ने पिछले हफ्ते राफा के पूर्वी हिस्सों में एक सैन्य अभियान शुरू किया और मिस्र के साथ राफा क्रॉसिंग के गाजा हिस्से पर नियंत्रण कर लिया।

इजराइली टैंक गाजा पट्टी के पास गोला दागता हुआ। ● अमृत विचार

मुंबई हवाईअड्डे पर 13.56 करोड़ का सोना जब्त, 11 गिरफ्तार

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कई यात्रियों द्वारा अवैध रूप से लाया गया 13.56 करोड़ रुपये मूल्य का 22.14 किलोग्राम सोना जब्त किया है।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार और रविवार के बीच छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की गई कार्रवाई के दौरान सोने की तस्करी के 20 मामलों में 11 यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह कीमती धातु यात्रियों द्वारा मलाशय, अंतः वस्त्रों, उनके शरीर में और एक कार्डबोर्ड शीट में छिपाकर लाई गई थी। एक मामले में सोने के आभूषण एक यात्री ने उस बुर्के में छिपाए थे जिसे उसने पहना था।

जितना पाक का मिलिट्री बजट, उससे ज्यादा भारत दुनिया को बेच देता है स्मार्टफोन

स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग से लेकर मेड इन इंडिया स्मार्टफोन के मामले में भारत लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। जिससे पड़ोसी देश पाकिस्तान और उसके दोस्त चीन को जोरदार झटका लगा है। जहां पाकिस्तान में आर्थिक हालात खराब हैं, वही भारत ने रिकॉर्ड नंबर में मेड इन इंडिया स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट करके चीन की हालात पस्त कर दी है। रिपोर्ट की मानें, तो भारत ने वित्त वर्ष 2023 में 11 बिलियन डॉलर के मोबाइल फोन का एक्सपोर्ट किया है, जो पाकिस्तान के मिलिट्री बजट से ज्यादा है। पाकिस्तान का साल 2023 में मिलिट्री बजट 8 बिलियन डॉलर रहा है। इतना ही नहीं, भारत में हर साल करीब 44 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का घरेलू स्तर पर प्रोडक्शन किया जाता है, जो पाकिस्तान के रक्षा खर्च से कहीं ज्यादा है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आईफोन बनाने वाला देश

ऐपल ने वित्त वर्ष 2025 में एक साल करोड़ रुपये के मोबाइल एक्सपोर्ट करके चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा आईफोन मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है। ऐसा माना जा रहा कि साल 2026 तक भारत में आईफोन प्रोडक्शन 26 फीसद हो सकता है, जो अभी 14 से 15 फीसद है। ऐपल का भारत में कुल प्रोडक्शन करीब 14 बिलियन डॉलर (1.2 लाख करोड़ रुपये) पहुंच गया है।

चीन को पीछे छोड़ देगा भारत

चीन दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग देश है, लेकिन अब भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चर बन गया है। एक्सपर्ट की मानें, तो आने वाले दिनों में चीन में मोबाइल मैन्युफैक्चिरिंग में गिरावट देखने को मिलेगी, जबकि भारत में इजाफा होगा।

ऐपल ने भारत में बनाया नया रिकॉर्ड

ऐपल ने मोबाइल एक्सपोर्ट के मामले में नया रिकॉर्ड बना लिया है। वित्त वर्ष 2025 में ऐपल ने 1.1 बिलियन डॉलर (9 हजार करोड़ रुपये) के मेड इन इंडिया आईफोन का एक्सपोर्ट किया है। यह आंकड़ा एक साल पहले 580 मिलियन डॉलर था। मतलब ऐपल ने भारत से एक्सपोर्ट होने वाले आईफोन में पिछले एक साल में दोगुना का उछाल दर्ज किया है।

एक नजर

भारत-अमेरिका के संबंध नयी ऊंचाइयों पर पहुंच रहे

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजूदत के तौर पर एक साल पूरे होने के अवसर पर एरिक गार्सेटी ने कहा है कि अमेरिका और भारत के संबंध नयी ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं। भारत में अपने कार्यकाल के संबंध में सोशल मीडिया मंच एक्स पर लगभग चार मिनट का एक वीडियो सोमवार को साझा किया और लिखा बेहतरीन सफर रहा-कूटनीति के साथ ही गहरी होती दोस्ती की यात्रा। लॉस एंजिल्स के पूर्व मेयर गार्सेटी के नाम की 15 मार्च 2023 को भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्ति की पुष्टि की गई थी।

पाक के उप प्रधानमंत्री डार बीजिंग दौरे पर पहुंचे

बीजिंग। पाकिस्तान के नवनियुक्त उपप्रधानमंत्री इसहाक डार चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे। इस दौरान वह चीन के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे और दोनों देश द्विपक्षीय रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे डार की आगवानी महानिदेशक राजदूत वांग फू कांग और चीन में पाकिस्तान के राजदूत खलील हाशमी ने की। इस दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना पर भी चर्चा होगी।

अमेरिका में गोलीबारी में तीन लोगों की मौत, 15 घायल

अलबामा। अमेरिका के अलबामा में एक कार्यक्रम के दौरान गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गयी और 15 घायल हो गये। बाल्डविन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि स्टॉकटन समुदाय में शनिवार की रात की कार्यक्रम शुरू होने से पहले तक शांतिपूर्ण माहौल था लेकिन कार्यक्रम समाप्ति के बाद एक व्यक्ति ने भीड़ पर गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी में 18 लोगों को गोलियां लगी जिसमें तीन की मौके पर ही मौत हो गयी।

कुवैत में 13 मंत्रियों की नयी कैबिनेट का गठन

कुवैत सिटी। कुवैत में 13 मंत्रियों की नयी कैबिनेट का गठन किया गया है। सरकारी कुवैत समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक गत अप्रैल में कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने पूर्व कुवैती तेल मंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबा को प्रधानमंत्री नियुक्त किया और उन्हें नयी सरकार के लिए उम्मीदवारों का प्रस्ताव देने का निर्देश दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, अमीर ने अब अल-अहमद अल-सबा के नेतृत्व में एक नयी कैबिनेट के गठन का आदेश दिया, जिसमें 13 मंत्री शामिल हैं।

धूल भरी आंधी और बारिश का कहर, जनजीवन अस्त-व्यस्त

मुंबई में गिरा अवैध होर्डिंग 8 की मौत, 60 लोग घायल

मुंबई, एजेंसी

● कम दृश्यता के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन एक घंटे तक बाधित

मुंबई के घाटकोपर इलाके में धूल भरी आंधी और बारिश के दौरान एक पेट्रोल पंप पर 100 फुट से भी अधिक लंबा अवैध होर्डिंग गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई और 60 लोग घायल हो गए। एक अन्य घटना में वडाला इलाके में तेज हवाओं के दौरान निर्माणाधीन मेटल पार्किंग टावर सड़क पर गिर गया, जिससे तीन घायल हो गए ।

कम दृश्यता के कारण सोमवार शाम को मुंबई हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन करीब एक घंटे तक बाधित रहा और उपनगरीय ट्रेनो के संचालन में विलंब हुआ। मुंबई हवाई अड्डे के संचालक ने एक बयान में कहा कि 15 विमानों का गंतव्य बदलना पड़ा और विमानों का परिचालन करीब एक घंटे के बाद फिर से बहाल हुआ।

खराब मौसम, धूल भरी आंधी और कम दृश्यता के कारण, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने लगभग 66 मिनट के लिए विमानों के परिचालन को अस्थायी रूप से रोक दिया था। शाम पांच बजकर तीन मिनट पर विमानों का परिचालन फिर से शुरू हुआ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने देर शाम घाटकोपर में होर्डिंग गिरने की घटना के बाद घटनास्थल का दौरा किया। नगर निकाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ की एक टीम उस स्थान पर पहुंच गई है जहां होर्डिंग गिरी थी और तलाश एवं बचाव अभियान चल रहा है।

मलवे के नीचे दबी कारें। ● एजेंसी

40 फुट से अधिक आकार की होर्डिंग लगाने की अनुमति नहीं : बीएमसी

मुंबई पुलिस ने शाम को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया शाम लगभग 16:30 बजे, अचानक तूफान और भारी बारिश के कारण विनाशकारी घटना हुई। बीएमसी अधिकारियों के मुताबिक होर्डिंग का आकार 120 गुना 120 फुट था 40 गुना 40 फुट से अधिक आकार की होर्डिंग लगाने की अनुमति नहीं है।

तनावपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए 23 अरब का पैकेज जारी

● पीओके में पुलिस और मानवाधिकार आंदोलन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे (पीओके) वाले कश्मीर में गेहूं के आटे, बिजली की ऊंची कीमतों और अधिक कर के खिलाफ शुरू की गई पूर्ण हड़ताल सोमवार को चौथे दिन भी जारी रही। जिसके चलते देश की सरकार को क्षेत्र में बढ़ती अशांति को खत्म करने के लिए तत्काल 23 अरब रुपये आवंटित करने पड़े। विवादित क्षेत्र में सोमवार को भी पुलिस और मानवाधिकार आंदोलन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें जारी रहीं।

बता दें कि दो दिन पूर्व एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घायलों में ज्यादातर पुलिसकर्मी थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि वह स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों व क्षेत्रीय सरकार के बीच गतिरोध समाप्त होने के बाद, क्षेत्र के लिए तत्काल 23 अरब रुपये प्रदान करने को सोमवार को मंजूरी दी।

पीएमओ ने एक बयान में कहा कि अप्रत्याशित विरोध और इसकी संवेदनशीलता से चिंतित प्रधानमंत्री शरीफ ने सोमवार को यहां एक विशेष बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पीओके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक, स्थानीय मंत्री और शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने भाग लिया। बैठक में संघीय मंत्रियों और गठबंधन दलों के नेताओं ने भी हिस्सा लिया, बैठक में स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रचण्ड सरकार को झटका, नेपाल के उप प्रधानमंत्री ने सौंपा इस्तीफा

काठमांडू, एजेंसी

● उपेंद्र यादव ने कहा - मुझे सरकार के साथ सहयोग जारी रखना अनुचित लगा

नेपाल के उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ मधेसी नेता उपेंद्र यादव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उनकी पार्टी सरकार से अलग हो गई। जिससे प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचण्ड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को झटका लगा है। यादव के साथ ही वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दीपक कार्की ने भी अपना त्याग पत्र दे दिया है। वह भी यादव की पार्टी से ही आते हैं।

यादव जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-नेपाल) के प्रमुख हैं और इस पार्टी में हफ्ते भर पहले विभाजन हो गया था। वरिष्ठ नेता अशोक राय ने जनता समाजवादी पार्टी नाम से नया दल बना लिया है। निर्वाचन आयोग ने नई पार्टी को मान्यता दे दी है।

यादव ने कहा कि मैंने सोमवार सुबह अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री प्रचंड को सौंप दिया। वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, मुझे सरकार के साथ अपना सहयोग जारी रखना अनुचित लगता है। जेएसपी-नेपाल के प्रतिनिधि सभा में कुल 12 सदस्य थे। अब प्रतिनिधि सभा में पार्टी का संख्याबल घटकर पांच रह गया है, क्योंकि राय और छह अन्य सांसद और केंद्रीय समिति के 30 सदस्य नई पार्टी में शामिल हो गए हैं। गठबंधन सरकार के पास अब भी बहुमत है। जिसमें सीपीएन-यूएमएल के पास प्रतिनिधि सभा में 77, सीपीएन (माओवादी केंद्र) के पास 32, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के पास 21, नवगठित जनता समाजवादी पार्टी के पास सात और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के पास 10 सीट हैं।

नेपाल के राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार ने इस्तीफा दिया

काठमांडू। नेपाल के रष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी ने तीन भारतीय क्षेत्रों को दर्शाने वाले 100 रुपये के नये नोट जारी करने के सरकार के फैसले पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी के बाद इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। चिरंजीवी ने सोमवार को कहा कि मैंने एक अर्थशास्त्री और केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर के नाते टिप्पणियां की थीं, लेकिन कुछ मीडिया संस्थानों ने राष्ट्रपति पद की सम्मानित संस्था को विवाद में शामिल करने की कोशिश करते हुए मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। नये नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे क्षेत्र शामिल किये गए हैं।

चीन के मुद्दे पर देश को गुमराह कर रही कांग्रेस

मुंबई, एजेंसी

● नेहरू द्वारा की गई गलतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराना गलत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस चीन पर टिप्पणी करते समय प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा की गई गलतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराती है, और ऐसे दिखाती है कि उसका कोई दोष नहीं है। लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीनी अतिक्रमण को लेकर जयशंकर ने कहा कि चीन ने 1958 और 1962 में भारतीय जमीन पर कब्जा किया था और कुछ पर तो 1958 से पहले कब्जा किया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए जयशंकर ने कहा कि अपने ही बलों का मनोबल गिराना बहुत ही दुखद बात है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जब आप कहते रहते हैं कि

चीन ने जमीन ले ली तो वह जमीन तो 1962 में ही चली गई थी। मैं देखता हूं कि देश को गुमराह करने की कोशिशें की जा रही हैं।

चीन और भारत के संबंधों में असहजता देखी जा रही है, खासकर जून 2020 की गलवान घाटी की घटना के बाद रिश्तों में गतिरोध आया जब चीनी और भारतीय सैनिक आपस में भिड़ गए थे, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के सैनिक हताहत हुए। तब से भारत-चीन संबंध असामान्य स्थिति में हैं और दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपने सैनिकों को तैनात किया है।

निज्जर मामले में ऐसा कुछ मिला नहीं जो काम का हो

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा द्वारा चौथी गिरफ्तारी किए जाने को लेकर सोमवार को कहा कि भारत को कभी ऐसा कुछ नहीं मिला जो उसकी जांच एजेंसियों के लिए विशिष्ट या काम का हो। उन्होंने कहा कि अगर कनाडा के पास किसी भी हिंसा से संबंधित कोई ऐसा साक्ष्य या जानकारी है जो भारत में जांच के लिए प्रासंगिक है तो नई दिल्ली जांच के लिए तैयार है। विदेश मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रक्रिया के तहत जब विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया जाता है तो उनके मूल देश की सरकार या दूतावास को सूचित किया जाता है।

जर्मनी में टेस्ला संयंत्र का विरोध करने वाले 23 लोग गिरफ्तार

बर्लिन। जर्मनी के पूर्वी प्रांत ब्रैंडेनबर्ग की पुलिस ने नवनिर्मित टेस्ला संयंत्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान 23 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक पांच मामलों में आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत गिरफ्तारियां की गईं हैं। पुलिस और न्यायिक प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद सभी लोगों को रिहा कर दिया गया।

बयान में कहा गया कि यहां 8 से 12 मई तक कथित रूप से टेस्ला संयंत्र के खिलाफ हजारों लोगों ने कुल 18 विरोध प्रदर्शन किये, जिसमें 27 पुलिस अधिकारी घायल हो गये। बर्लिन के पास टेस्ला गीगाफैक्ट्री में बिजली के खंभे पर पांच मार्च को संदिग्ध आगजनी के हमले के बाद बिजली बाधित हो गई और उत्पादन रुक गया।

पैराग्लाइडिंग

मनाली व लाहौल घूमने गए पर्यटकों ने ठंडे मौसम का खूब लुत्फ उठाया। एक पर्यटक मनाली के सोलंग वैली में पैराग्लाइडिंग करता हुआ। ● एजेंसी

मालदीव की फिर मदद बॉण्ड की अवधि बढ़ाई

माले, एजेंसी

● पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के सरकारी बॉण्ड को एक और वर्ष के लिए बढ़ाया

भारत ने सद्भावना दिखाते हुए मालदीव सरकार के विशेष अनुरोध पर पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के सरकारी बॉण्ड को एक और वर्ष के लिए बढ़ाकर द्विपीय देश को महत्वपूर्ण बजटीय सहायता देने का निर्णय लिया है। भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को एक संक्षिप्त बयान में कहा कि भारतीय स्टेट बैंक ने मालदीव के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के सरकारी बॉण्ड की मियाद एक और वर्ष के लिए बढ़ा दी है।

मालदीव के राष्ट्रपति और चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू के छह महीने पहले पदभार संभालने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बावजूद भारत सरकार ने यह निर्णय लिया। एसबीआई सरकारी स्तर पर इन सरकारी बॉण्ड का ग्राहक बनता है। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार से बजटीय समर्थन हासिल करने के मालदीव सरकार के विशेष अनुरोध पर अवधि बढ़ाने का फैसला किया गया। मालदीव सरकार ने सोमवार को भारत को उसके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

विदेश मंत्री मूसा जमीर ने ट्वीट किया कि मैं पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के सरकारी बॉण्ड के साथ मालदीव को महत्वपूर्ण बजटीय सहायता देने के लिए विदेश मंत्री जयशंकर और भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं। यह सद्भावना का एक सच्चा संकेत है जो मालदीव और भारत के बीच दीर्घकालिक मित्रता का प्रतीक है।

शोध | मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने किया खुलासा

भारी बर्फबारी व बारिश बन सकती है भूकंप का कारण

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : पृथ्वी के गर्भ में टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने व दबाव से ही नहीं, बल्कि भारी बर्फबारी व बारिश भी विनाशकारी भूकंप का कारण हो सकती है। जापान के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वैज्ञानिकों के ताजा शोध में इस जानकारी का खुलासा हुआ है।

ज्ञात है कि 1 जनवरी, 2024 को जापान के नोटो प्रायद्वीप पर आए भूकंप के बाद यह शोध किया गया। दरअसल 2020 के अंत में जापान के नोटो प्रायद्वीप पर एक के बाद एक भूकंप आना शुरू हो गया था। जिनका कारण जानने के लिए जलवायु को आधार बनाया गया। शोध में भूकंप और भारी बर्फबारी व बारिश की अवधि के बीच परस्पर संबंध पाया गया है। दरअसल बर्फ और बारिश से उपसतह चट्टान की दरारों में दबाव बढ़ जाता है, जो निरंतर भूकंप के निर्माण में योगदान देता है। सामान्य तौर पर माना जाता है कि भूकंप तब आते हैं जब पृथ्वी की सतह के नीचे हलचल होती है, जो टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने व भ्रंश के कारण घटित होते हैं। मगर नए शोध से पता चला है कि कई अन्य कारणों से भी भूकंप उत्पन्न हो सकते हैं। शोध में पिछले कुछ वर्षों में जापान में आए भूकंपों पर केंद्रित किया गया है।

वैज्ञानिकों के अनुसार जापान के नोटो प्रायद्वीप के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में क्रस्टल भूकंपों का निरंतर आना आश्चर्यजनक है। यह क्षेत्र प्रशांत और फिलीपीन प्लेटों की प्लेट सीमाओं से बहुत दूर है। इस क्षेत्र में प्रति दिन सैकड़ों भूकंप आते है। जापान के द्वीपों में अंतर्देशीय क्रस्टल भूकंप मुख्य रूप से अपेक्षाकृत उथली गहराई पर होते हैं और भूकंप लगभग 15 किमी की गहराई पर शुरू होते हैं। शोधकर्ताओं ने 8 मई को साइंस एडवांसेज में ये निष्कर्ष प्रकाशित किया है।

जापान से सटा समुद्री क्षेत्र।

अन्य क्षेत्रों में भी प्रभाव डाल सकती है बर्फबारी व वर्षा

नैनीताल। शोधकर्ता वैज्ञानिक विलियम फ्रैंक के अनुसार इस शोध से पता चलता है कि पृथ्वी के अन्य हिस्सों में भारी बर्फबारी व बारिश भूकंपीय प्रभाव डाल सकती है। पर्यावरणीय घटनाएं भूमिगत तनाव की स्थिति को प्रभावित करती है। लिहाजा जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पर्यावरण संतुलन बेहद जरूरी है।

अन्य क्षेत्रों में भी प्रभाव डाल सकती है बर्फबारी व वर्षा

नैनीताल। शोधकर्ता वैज्ञानिक विलियम फ्रैंक के अनुसार इस शोध से पता चलता है कि पृथ्वी के अन्य हिस्सों में भारी बर्फबारी व बारिश भूकंपीय प्रभाव डाल सकती है। पर्यावरणीय घटनाएं भूमिगत तनाव की स्थिति को प्रभावित करती हैं। लिहाजा जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पर्यावरण संतुलन बेहद जरूरी है।

पूर्व जज ने पुलिस पर लगाया अनावश्यक कार्रवाई का आरोप

कोलकाता, एजेंसी

● गंगोपाध्याय ने उच्च न्यायालय का किया रुख

पूर्व न्यायाधीश एवं पश्चिम बंगाल की तमलुक लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर पुलिस पर उनके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर अनावश्यक कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

गंगोपाध्याय जब अपना नामांकन पत्र दाखिल करने गए थे, उस समय एक प्रदर्शन के संबंध में उनके खिलाफ हत्या के प्रयास का यह मामला दर्ज किया गया था। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की अदालत में इस मामले का जिक्र किया गया और उन्होंने निर्देश दिया कि याचिका पर सुनवाई मंगलवार को की जाएगी। गंगोपाध्याय के वकील राजदीप मजूमदार ने पुलिस पर दुर्भावनापूर्ण और अनावश्यक कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए अदालत के समक्ष कहा कि उनके मुवक्किल को चुनाव प्रचार करने से रोकने के लिए प्राथमिकी दर्ज की है।

गंगोपाध्याय 4 मई को जब अपना नामांकन पत्र दाखिल करने गए थे तब तृणमूल कांग्रेस से संबद्ध किसी शिक्षक संगठन से जुड़े होने का दावा करने वाले कुछ लोगों द्वारा उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जाने की कथित घटना सामने आई थी। गंगोपाध्याय के वकील ने दावा किया कि कुछ लोगों ने पूर्व मेदिनीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के पास आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों का विरोध किया। मजूमदार ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश जिलाधिकारी के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करने गए थे और उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है।